

Daily सच के हक में... HE PHOTON NEW

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi



Sakshi Malik Falunts Her Curves...

Ranchi Friday, 12 April 2024 Year : 02 Issue : 84 Ranchi Edition Page : 12 Price : 3 www.thephotonnews.com

E-Paper: epaper.thephotonnews.com

इधर ईद की खुशी, उधर सरहुल का उल्लास

सभी मिर्मिदों व ईदगाहों में अदा की गई ईद सरहुल पूजा के बाद पाहन की भविष्यवाणी की नमाज, एक-दूसरे को गले लगा दी बधाई राज्य में इस वर्ष अच्छी बारिश की संभावना

बुधवार को ईद-उल-फितर का चांद नजर आने के उपरांत गुरुवार को राजधानी रांची सहित झारखंड की सभी मस्जिदों और ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की गई। रांची की सभी मस्जिदों और ईदगाहों में नामाजियों की भारी भीड देखी गई। मुस्लिम समुदाय के परुषों ने मस्जिदों में नमाज अदा की। वहीं छोटे-छोटे बच्चे भी ईंद की नमाज पढते नजर आए। महिलाओं और लड़िकयों ने घरों पर एतिकाफ पढ़ा। नमाज पढ़ने के बाद सभी ने एक-दसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी। ईद को देखते हुए सभी मस्जिदों के आसपास भारी संख्या में पलिस बल तैनात थे, ताकि किसी भी तरह से सामाजिक सद्भाव और सौहार्द बना रहे।



AGENCY DEHRADUN:

सवाल उठाए। ये कांग्रेस ही है

जिसने पहले राम मंदिर का

विरोध किया, उसने जितने अड़ंगे

डाल सकते थे डाले। अदालत में

भी रुकावटें डालने की कोशिश

की, लेकिन राम मंदिर बनाने

वालों ने कांग्रेस के सारे गुनाह

माफ करके उनके घर जाकर

उनको निमंत्रण दिया परंत कांग्रेस

गुरुवार को रांची में ईद की नमाज अदा करते अकीदतमंद। • फोटोन न्यूज

रांची के मोरहाबादी स्थित हातमा सरना स्थल सहित शहर के अखड़ा और अन्य सरना स्थलों पर परंपरागत रीति-रिवाज से सरहुल की पूजा की गई। मुख्य पाहन जगलाल ने विधि-विधान के साथ सरहल की पजा की। पूजा संपन्न होने के बाद मुख्य पाहन ने घड़े में रखे पानी की दिशा देखकर भविष्यवाणी की कि इस बार झारखंड में मानसून सामान्य रहेगा। झारखंड के हर क्षेत्र में अच्छी बारिश होगी। रांची के विभिन्न अखड़ा और सरना स्थलों से सरहुल पर्व को लेकर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। लोगों में उल्लास दिखा। शोभा यात्रा मुख्य सरना स्थल सिरम टोली में समाप्त हुई। मुख्य पाहन ने अपील की कि वह प्रकृति से छेडछाड ना करें, नहीं तो आने वाले दिनों में हम शद्ध पानी और हवा के लिए तरसेंगे।

लोस चुनाव २०२४ : पहले चरण के लिए सभी दलों ने झोंकी ताकत



गुरुवार को रांची में सरहुल जुलूस में भाग लेते लोग। 🛭 फोटोन न्यूज

: 75,038.15 : 22,753.80

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS सीएम चम्पाई ने राज्य वासियों को ईद और सरहुल की दी बधाई

RANCHI: मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने गुरुवार को राज्य वासियों को प्रकृति पर्व सरहुल और ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा है। कि प्रकृति पर्व सरहल पर समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक भकामनाए एव जाहार। उन्हान लिखा है कि सरहुल का संदेश है कि प्रकृति के पेड़- पौधों, पहाड़, नदी, जमीन, सूर्य की तरह हम सभी आपस में प्रेम, भाईचारे व एकता के साथ रहें तथा समाज से जुडे. रहें।

संदेशखाली पर शिकायतों का अब सीबीआई लेगी संज्ञान

NEW DELHI: संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन कब्जाने की शिकायतों के संबंध में अब सीधे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को शिकायत की जा सकती है। सीबीआई ने इसके लिए ईमेल आईडी जारी की है। सीबीआई ने इस ईमेल आईडी के व्यापक प्रचार के लिए भी स्थानीय प्रशासन से अनुरोध किया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने के लिए सीबीआई ने यह कदम उठाया है। सीबीआई इन शिकायतों पर सीधे संज्ञान लेगी। सीबीआई ने एक जारी बयान में कहा है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ के बुधवार 10 अप्रैल के आदेश के तहत यह ई मेल आईडी बनाई है। इस आईडी पर संदेशखाली उत्तर 24 परगना जिले के व्यक्तियों की शिकायतें दर्ज होंगी।

ईडी के बाद अब सीबीआई की गिरफ्त में के. कविता

NEW DELHI : भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेत्री के. कविता अभी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोपों के तहत जेल में बंद है वहीं जेल में ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पूछताछ के लिए उन्हें गिरफ्त में ले लिया है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने पूछताछ के लिए पहले ही अनुमति ले ली थी। कानूनी जानकारों के मुताबिक शुक्रवार को दिल्ली की अदालत में के. कविता के मामले में सुनवाई है।

हरियाणा में पलटी स्कूल बस, छह बच्चों की गई जान MAHENDRAGARH: हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित कनीना गांव के

पास गुरुवार को स्कुल बस पलटने से छह बच्चों की मौत हो गई और 15 गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। जीएलपी स्कूल कनीना की बस गांव सेहलंग, खेड़ी-तलवाना, खरकड़ा बास, धनौंदा रूट से करीब 43 बच्चों को बैठाया था। इसके बाद करीब 8:30 बजे जब गांव उन्हाणी के नजदीक स्थित महाविद्यालय के पास पहुंची तो मोड़ पर चालक ने बस से नियंत्रण खो दिया और पेड़ से टकराने के बाद बस पलट गई। कुछ प्रत्यदर्शियों का कहना है कि बस चालक शराब के नशे में था। हादसे के बाद मौके पर चीख पकार मच गई, इसी दौरान आसपास के लोगों एवं सडक पर दोनों ओर से आ रहे वाहन चालकों ने मौके से बच्चों को अस्पतालों में पहुंचाया।



उत्तराखंड की आस्था को तबाह

करने की चल रहीं साजिशें

ऋषिकेश के आईडीपीएल हॉकी मैदान में गुरुवार को जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब तो कांग्रेस ने ने उसका भी बहिष्कार कर दिया। प्रण लिया है और सार्वजनिक

रूप से घोषणा की है कि हिन्दु धर्म में जो शक्ति है, उसका विनाश करेंगे। ये कांग्रेस शक्ति स्वरूपा, मां धारी देवी, मां चंद्र बदरी, मां जालपा देवी की शक्ति को खत्म करना चाहती है। उत्तराखंड की आस्था को तबाह करने की जो साजिशें चल रही हैं, उसमें कांग्रेस की ये बातें आग में घी का काम करेंगी। उत्तराखंड की संस्कृति की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। ये वही कांग्रेस है जो कहती रही है कि हर की पौड़ी मां गंगा नदी के किनारे नहीं है। ये कहते हैं, वह एक नहर के किनारे बसी है। अब ये गंगा जी के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं। इन्हें के लोग सबक सिखाकर रहेंगे।

विरोधी है कार्गुस : मदि

आठ किलो का आईईडी बरामद, किया गया डिफ्यूज

BUNDU : लोकसभा चुनाव के पूर्व नक्सलियों के द्वारा बड़ी घटना देने की मंशा को अंजाम देने से पहले ही पुलिस ने कामयाबी हासिल की है। तमाड़ थाना क्षेत्र के मोनोगोरा-अकारकोला निमार्णाधीन मार्ग पर एक पलिया के नीचे से तलाशी के दौरान पुलिस को आठ किलो का आईईडी बम बरामद किया है। जिसके बाद बम को डिफ्यूज कर दिया गया। यह बम तार से जॉइंट किया गया था जहां किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की कोशिश में थे। बम प्रेशर कुकर में बंद कर पुलिया के नीचे रखा हुआ था।

AGENCY ANUPGARH:

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को राजस्थान के अनुपगढ़ और फलोदी में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो हम 30 लाख सरकारी नौकरी युवाओं को देंगे। महिलाओं को सरकारी नौकरी में 50% रिजर्वेशन दिया जाएगा। जो आशा कार्यकर्ता हैं और आंगनबाड़ी में काम करती हैं, उनकी आमदनी दोगुनी कर देंगे। सरकार और पीएसयू में ठेकेदारी प्रथा बंद होगी। लोगों को परमानेंट नौकरी दी जाएगी। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान की 200 सबसे बड़ी कंपनियों के मालिक और सीनियर मैनेजमेंट में पिछड़े वर्ग के लोग नहीं हैं। मोदी ने इन कंपनियों के 16



यवाओं को देगे 30 लाख सरकारी नौकरी : राहल

हिंदुस्तान के 25-30 अमीर लोगों का इतना पैसा माफ कर दिया. जितना 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदरों को मिलता।

मेरे दिमाग में 16 लाख करोड

राहल गांधी ने कहा कि जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। है, चुनाव जीतने के बाद हम कर देना चाहिए।

पैसे माफ करते हैं तो उनकी आदत नहीं बिगड़ती क्या? मेरे दिमाग में 16 लाख करोड़ का नंबर है, मैं उसे देखकर चल रहा हूं। राहल गांधी ने कहा- नरेंद्र मोदी जी ने कहा था मैं भ्रष्टाचार मिटाना

गरीब, पिछड़ों, आदिवासियों,

दलितों को देंगे। लोग कहते हैं कि

इससे आदत बिगड़ेगी, लेकिन कोई

यह बताए कि जब मोदी अमीरों के

चाहता हुं और इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम लाए। इस स्कीम में बीजेपी को हजारों करोड़ उद्योगपतियों ने दिए। मोदी जी ने स्कीम कैसी बनाई, जो स्कीम में पैसा देगा, उसका नाम किसी को नहीं मालम होना चाहिए। कछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह स्कीम गैर काननी है, इसे कैंसिल

मिसिर बेसरा के दस्ते से जुड़े १५ नक्सलियों ने चाईबासा में किया सामूहिक आत्मसमर्पण

खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। राज्य के घोर नक्सल प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में 15 नक्सिलयों ने एक साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में एक नाबालिग बच्चा और दो महिलाएं भी

शामिल हैं। ये सभी पश्चिमी सिंहभूम जिले

के ही निवासी हैं और मिसिर बेसरा के दस्ते

से जुड़े थे। गुरुवार को चाईबासा स्थित

पुलिस लाइन में पश्चिमी सिंहभूम जिला

प्रशासन, पुलिस एवं सीआरपीएफ के समक्ष

PHOTON NEWS CHAIBASA:

Anto serie de la companya de la comp झारखंड में भाकपा माओवादी संगठन के

सामहिक रूप से कोल्हान और सारंडा के बीहड जंगलों में सिक्रय इन नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में रेंगड़ा गांव के गुटूसाई टोला का रहने वाला प्रधान कोड़ा उर्फ देवेन कोड़ा, सासांगसाल गांव निवासी चंद्रोमोहन उर्फ चंद्रो अंगारिया, हुसीपी गांव का पगला गोप उर्फ घासीराम गोप, गोइलकेरा के कुइड़ा गांव के श्रीजंगकोचा का विजय बोयपाई उर्फ अमन बोयपाई, तम्बाहाका के पर्ती टोला का गंगराम पपरती उर्फ मोटका पुरती, टोंटो के रेंगड़ाहातु का बोयो कोड़ा, रेंगड़ाहातु का जोगेन कोड़ा, रेंगड़ाहातु की पेलोंग कोड़ा उर्फ नीशा कोडा, छोटानागरा के बाहदा का सोनु चांपिया, तम्बाहाका के पर्ती टोला का रामजा पुरती उर्फ डुगूद पुरती, तुम्बाहाका के बारूसाई टोला का सोहन सिंह हेम्ब्रम उर्फ सीनू, गोइलकेरा के सासांग का डोरन चाम्पिया उर्फ गोलमाय, तितलीघाट का सुशील उर्फ मोगा चाम्पिया, तितलीघाट की

मनी चाम्पिया व एक नाबालिग शामिल हैं।

पुलवामा मुठभेड़ : भारतीय सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को किया ढेर

गुरुवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच एनकाउंटर जारी है। इसमें सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। वहीं. एक आतंकी अभी भी छिपा हुआ है, जिसे सीआरपीएफ के जवानों ने घेर लिया है।

पुलिस ने बताया कि फारसीपोरा बेल्ट में पुलिस और आर्मी की टीम सर्च ऑपरेशन कर



रही थीं। एक संदिग्ध जगह पर छानबीन के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद यह एनकाउंटर शुरू हुआ था। इससे पहले पुलवामा में अरिहाल गांव में 1 दिसंबर 2023 को आतंकियों के

साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हुई थी। इसमें भी एक आतंकी को मार गिराया गया था।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के कई स्लीपर सेल एक्टिव: जम्म-कश्मीर में चनावों से पहले माहौल बिगाड़ने और आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से जुड़े आतंकी संगठन साजिश रच रहे हैं। इस मंसूबे को लेकर लश्कर-ए-तैयबा कमांडर जुनैद अहमद बट कुलगाम में छिपा है।

सेना बोली- तीनों थे आतंकी, हमले में चार पोते-पोती की भी मौत, उनकी कार पर हुई एयरस्ट्राइक

इजराइली हमले में मारे गए हमास चीफ के तीन बेटे

AGENCY NEW DELHI:

इजराइल के हमले में बुधवार देर रात हमास चीफ इस्माइल हानिए के तीन बेटों की मौत हो गई। 'टाइम्स ऑफ इजराइल' की रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली सेना ने गाजा के अल-शती कैंप के पास एक कार पर एयरस्ट्राइक की। इसमें इस्माइल हानिए के तीन बेटों, 3 पोतियों और एक पोते की मौत हो गई। मौत की पृष्टि खुद हानिए ने की है।

इजराइली सेना का कहना है कि हानिए के तीनों बेटे आतंकी थे। सेना के मुताबिक, अमीर हानिए हमास में स्क्वाड कमांडर था। वहीं, हाजेम और मोहम्मद हानिए ऑपरेटिव्स थे। तीनों सेंट्रल गाजा में हमला करने के लिए जा रहे थे। इनमें से एक इजराइलियों को बंधक बनाने में भी शामिल था।



शहादत का सम्मान करते हैं : इस्माइल हानिए ने कतर के मीडिया हाउस अल जजीरा को तीन बेटों की मौत की पुष्टि की। कहा, ₹उनकी शहादत का सम्मान हमें देने के लिए अल्लाह का शुक्रिया।₹ वहीं, अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में हानिए ने कहा कि हमास सरेंडर नहीं

हानिए बोला- तीनों की करेगा और हमले जारी रखेगा। हानिए कहा, उनका (इजराइलियों का) यरुशलम और अल-अक्सा की आजादी के लिए बहाएंगे। इसी राह पर बिना संकोच के आगे बढ़ते रहेंगे। उनके खून से हम अपने लोगों और अपने उद्देश्य के लिए आशा, भविष्य और स्वतंत्रता लाएंगे।



हमारी मांगें साफ हैं। दुश्मन अगर सोचता है कि बातचीत से कुछ बदलाव आ सकते हैं तो यह उसकी गलतफहमी है। अगर उन्हें लगता है कि मेरे बेटों को निशाना बनाकर हमास को अपनी स्थिति बदलने के लिए मजबूर किया जा सकता है तो यह गलत है। मेरे बेटों का खून हमारे लोगों के खून से ज्यादा प्रिय नहीं है।

हानिए के 13 बच्चे : हानिए ने अल जजीरा को बताया कि उसके 13 बच्चें हैं। 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में अब तक उसने 60 परिजनों को खोया है। हानिए ने कहा कि उसने भी वह दर्द झेला है जो बाकी फिलिस्तीनी झेल रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है। कि हानिए के बेटे ईद मनाने के लिए अपने परिजनों के घर जा रहे थे। तभी इजराइली सेना ने उनकी कार पर एयरस्ट्राइक की। इधर, तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने हानिए के बेटों की मौत पर दुख जताया है। एर्दोगन ने हानिए को फोन कर कहा, ₹मानवता के विरुद्ध किए गए अपराधों के लिए इजराइल को निश्चित रूप से कानून के सामने जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

पांच मई को होगी नीट यूजी की परीक्षा, एनटीए ने दी जानकारी **PHOTON NEWS RANCHI:**

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेस

टेस्ट (नीट) यूजी 5 मई को होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि चुनाव या किसी भी अन्य कारणों से परीक्षा स्थगित नहीं की जाएगी। परीक्षा 5 मई को दोपहर दो बजे से संध्या 5: 20 बजे होगी। इसमें कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। एनटीए की सीनियर डायरेक्टर डॉ साधना पराशर की ओर से इस संबंध में पत्र जारी किया गया है। नीट यूजी 5 मई रविवार को 13 भाषाओं में पेन और पेपर मोड में होगा। इसमें अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू

झारखंड में एमबीबीएस की 900 सीटें तय : झारखंड में एमबीबीएस कोर्स के लिए छह सरकारी और दो निजी मेडिकल



कॉलेज हैं। यहां एमबीबीएस की 930 सीटें तय हैं। राज्य कोटा के अंतर्गत स्थानीय विद्यार्थियों को एमबीबीएस की 613 सीटें मिलेंगी। इनमें सामान्य श्रेणी के विद्यार्थियों का 251 सीटों पर नामांकन होगा। ईडब्ल्युएस का 59, एससी का 61, एसटी का 155, बीसी वन का 51 और बीसी टू के विद्यार्थियों का नामांकन 36 सीटों पर होगा। यूजी नीट के सफल छात्रों के पास एमबीबीएस के अलावा बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) का भी विकल्प है। साल 2024 के लिए सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा अस्पतालों में आयोजित किए जा रहे बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में भी प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को नीट उत्तीर्ण करना आवश्यक है।



संक्रामक रोगों को आम तौर पर लोग संजीदगी से नहीं लेते। मारत में ज्यादातर लोग मुंहासों के इलाज के लिए या तो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं या उन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर देते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो डॉक्टर के पास जा कर इलाज कराते हैं। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मुंहासे पैदा करने वाला बैक्टीरिया एमआरएसए जानलेवा भी हो सकता है।

जानलेवा वेक्टिया

एमआरएसए एंटी बायोटिक का इस्तेमाल भी किया गया, मुंहासे पैदा करने वाला मेथिसिलिन

रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए एक ऐसा बैक्टीरिया है. जो आम तौर पर त्वचा पर आक्रमण करता है। अमेरिका में ज्यादातर त्वचा के रोग इसी विषाणु के कारण होते हैं। मुंहासों तक तो इन पर काबू कर लिया जाता है, लेकिन अगर यह किसी चोट द्वारा खून के अंदर पहुंच जाएं, तो यह शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। खास तौर से ऑपरेशन के दौरान अगर ध्यान न दिया जाए तो यह पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैला सकता है।

एंटी बायोटिक का असर नहीं एमआरएसए को सबसे पहली बार 1961 में

खोजा गया था। इससे छुटकारा पाने के लिए

लेकिन इतने वर्षों में इन विषाणुओं ने खुद को इन दवाइयों के हिसाब से ढाल लिया है। मेथिसिलिन, अमोविसिसिलिन, मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए पेनिसिलिन, ओक्सिसिलिन जैसे ज्यादातर एंटी बायोटिक अब इन पर काम करने में विफल रहते हैं। वैज्ञानिक अब नए एंटी बायोटिक बनाने में लगे हैं।

यूरोप में लाखों बीमार

यूरोप में हर साल चालीस लाख से अधिक लोग अस्पतालों में इन्हीं एमआरएसए विषाणुओं का शिकार होते हैं। इनमें से 35,000 जर्मनी में हैं। एक अध्ययन के अनुसार यूरोप में हर साल 37,000 लोग इसलिए अपनी जान गंवा बैटते हैं,

और समय रहते उनका सही इलाज नहीं हो पाता। यूरोपीय संघ कोशिश कर रहा है कि अस्पतालों में साफ-सफाई के मापदंड अब और विषाणु से संक्रमित हैं। भी सख्त कर दिए जाएं।

मरीज की पहचान जरूरी

जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन चाहता है कि जर्मनी के हर अस्पताल में मरीज को भर्ती करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर ली जाए कि कहीं वह अपने साथ इस कीटाणु को तो नहीं लाया है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीज की पहचान कर ली जाए और उसे बाकी मरीजों से अलग रखा जाए। जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड में 25 प्रतिशत

क्योंकि वे अस्पताल में आकर बीमार पडते हैं मरीजों में यह कीटाणु पाया गया। स्पेन और तुर्की जैसे अन्य दक्षिण यूरोपीय देशों में हालात और भी खराब हैं। वहां 50 प्रतिशत मरीज इस

एमआरएसए का बढता खतरा

पिछले वर्षों में एमआरएसए के केस इतनी तेजी से बढे हैं कि अब इसे कामकाज संबंधी बीमारी के रूप में देखा जा रहा है। जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन के अनुसार जर्मनी में 80 प्रतिशत अस्पतालों में एमआरएसए का खतरा है। इन अस्पतालों से कड़े रूप से यह कहा जा रहा है कि जो लोग साल में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो





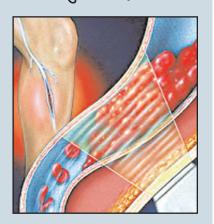
हाउस वाइफ रीता आजकल बहुत चितित रहने लगी है। दरअसल महीने

अस्पताल में दिखाने लाई है। रिकू को बार बार दस्त हो रहे हैं। मात्र ४ दिन पहले ही रिकू को इसी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, तब उसे उल्टी दस्त की वजह से २ दिन के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था।

मे यह तीसरी बार है की वह अपने ६ वर्षीय बेटे रिक्रू को स्थानीय

क्या आप जानते हैं?

क्या है डीप वैन थ्रोमयोसिस यानी 'डी वी टी '? लम्बी दूरी की थकाऊ उड़ान की कीमत अकसर पैरों और हमारी जघाओं को चुकानी पड़ती है।



लक्षण

लम्बी दूरी उड़ान के दौरान काल्फ जैसी डीप वैन्स (निचली शिराओं में) खून का थक्का बनने लगता है। साथ में बेहद का दर्द और इन्फ्लेमेशन होने लगता है। बस यही है 'डीप वैन थ्रोम –योसिस' के लक्षण।

समाधान

डी वी टी का समाधान भी सीधा सरल है। हर एक घंटे के बाद प्लेन में एक सिरे से दूसरे तक टहलिए । पैर लटकाकर बैठे मत रहिए। खूब पानी पीजिए (हाई -डरै -टिड रखिये शरीर को) हो सके तो किसी भी प्रकार पैरों को एलीवेटिड रखिए । वैसे आप को बता दें कि आजकल फ्लाइट के दौरान पहने जाने वाले विशेष मौजे (सॉक्स)भी उपलब्ध हैं।

यह फ्लाईट सॉक्स खास तौर पर डिजाइन किए गए कम्प्रेशन होजरी से तैयार किये जाते हैं। ये रक्त प्रवाह को पैरों की और मोड कर दिल तक ले जाते हैं। यह पैरों पर इस तरह से दबाव (प्रेशर) डालते हैं, जिससे दर्द घुटनों से पैरों के टखनों (एंकल) की ओर मुड़ जाता है।



बाल रोग विशेषज्ञ ने रीता को बताया की रिंकू की बीमारी खाने से उत्पन्न बैक्टीरिया की वजह से हुई है। इसलिए उसे रिंकू की खानपान की आदतों के प्रति खास तौर पर चौकन्ना रहना होगा। डॉक्टर ने रीता को यह भी बताया कि अपने बच्चे को खाना देते वक्त उसे क्या करना है और क्या नहीं।

डॉक्टर द्वारा दी गई सूची को पूरा पढ़ने के बाद लगा जैसे रीता रो पड़ेगी, क्योंकि इस सूची में ऐसा कोई काम नहीं था जो उसने न किया हो। एक शिक्षित व समझदार मां के तौर पर रीता ने बहुत अच्छी तरह अपने बच्चे की सेहत व भलाई के हरसंभव कदम उठाया था।

रीता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि रिंकू वही पानी पीए जो छना व उबला हुआ हो। उसने अपने बच्चे को हमेशा ताजा बना हुआ भोजना दिया। वास्तव में रीता के पति व उसकी सहेलियां उसका यह कह कर मजाक भी उड़ाते थे कि अपने बेटे के मामले में वह कुछ ज्यादा ही हाइजीनिक है। रीता ने बहुत सोचा, लेकिन फिर भी वह उस कारण को नहीं ढूंढ़ पाई, जिस वजह से उसके बेटे को बार बार संक्रमण हो रहा था।

उदाहरण मात्र है

रीता तो मात्र एक ही उदाहरण है। हमारे देश में ऐसी हजारों माताएं हैं जो उस कारण को खोज रही हैं, जिसकी वजह से उनके बच्चे व परिवार के अन्य सदस्य बार बार बीमार पड़ते हैं। किंतु लगातार प्रयासों के

भी फैलाते हैं रोग

बावजूद भी वे इन संक्रामक बीमारियों को अपने घर से दूर नहीं रख पा रही हैं।

वरिष्ट चिकित्सकों के अनुसार

जब हम भोजन की साफ-सफाई के बारे में बात करते हैं तो बर्तनों का जिक्र शायद ही कभी आता हो। वास्तव में बर्तन भोजन संबंधी स्वच्छता का सबसे अहम हिस्सा हैं, क्योंकि बर्तनों में ही खाना पकाया, परोसा और ले जाया जाता है। जिन बर्तनों को ठीक से धोया नहीं जाता, उनमें ऐसे जीवाणु पनप जाते हैं, जो रोगकारक होते हैं और ऐसे बर्तनों से बीमारी फैल सकती है।''

तो क्या है इसका हल?

सर्वश्रेष्ठ तरीका तो यही है कि बर्तनों को रोगाणुओं से मुक्त किया जाए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सलाह दी जाती है कि बर्तनों को धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में जीवाणुनाशक एजेंट होना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि बर्तन धोने के लिए जो रासायनिक एजेंट इस्तेमाल किए जाएं वे सुरक्षित हों और उनसे किसी किस्म का नुकसान न हो। साइक्लोजैन ऐसा रोगाणुरोधी एजेंट हैं, जो इस उद्देश्य को पूरा करते हैं।

उद्देश्य को पूरा करते हैं साइक्लोजैन

साइक्लोजैन मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हैं और ये बर्तनों से 85 प्रतिशत बैक्टीरिया को साफ करने में सक्षम हैं। ये रसायन बैक्टीरिया को धो डालते हैं और लगभग 8 घंटों तक उन्हें फिर से पनपने से भी रोकते हैं। इस वक्त भारतीय बाजारों में कई ब्रांड नामों से 'डिश वॉश' फॉर्मूला उपलब्ध हैं, जिसमें साइक्लोजैन मौजूद हैं।

अनदेखा कर देते हैं अहम पहल

साफ–सफाई के सभी मानकों का पालन करने पर भी हम में से अधिकतर लोग भोजन दूषित होने के सबसे अहम् पहलू को अनदेखा कर देते हैं- वे बर्तन जिनमें हम खाना पकाते, रखते और खाते हैं। आम तौर पर प्लेटें और टिफिन को सिर्फ पानी से धो लिया जाता है। हम सभी जानते हैं कि नल से आने वाला पानी रोग फैलाने वाले जीवाणुओं को लिए होता है।

भले ही आप दो-तीन बार पानी को छानें या उबालें या फिर गर्मागर्म खाना बना कर परोसें; लेकिन आपकी इन कोशिशों पर पानी फिर जाएगा, अगर यह खाना-पानी ऐसे बर्तनों में परोसा जाए, जिन्हें रोगाणुओं से मुक्त नही किया गया

गिलास, कटोरी, थाली, टिफिन आदि में मौजूद बैक्टीरिया भोजन व पानी में बड़ी तेजी से मिल जाते हैं। एक बार भोजन या पानी दूषित हो गए तो फिर वे हमेशा के लिए दूषित

ही रहेंगे।



BRIEF NEWS (KOLHAN)

मिटाई के डिब्बे व नाश्ता-भोजन के पार्सल पैकेट पर

जिला बदर किए जाएंगे बिट्ट मिश्रा संदीप थापा सहित 24 अपराधी

एसएसपी ने डीसी को उपलब्ध कराई अपराधियों की सूची

PHOTON NEWS RANCHI:

रांची जिला प्रशासन ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त करीब 24 से अधिक लोगों को जिला बदर करने की तैयारी की है। जिला प्रशासन ने इसके लिए कार्रवाई भी शुरू कर दी है। रांची एसएसपी ने रांची डीसी को दागी व्यक्तियों की सूची उपलब्ध करा दी है। जिसके आधार पर डीसी ने अपने कोर्ट में कार्रवाई शुरू कर अपराधियों को जिला बदर करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

रांची एसएसपी ने जिला बदर के साथ-साथ कुछ अपराधियों के उनके जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ

PHOTON NEWS RANCHI:

कोयलांचल के कुख्यात अपराधी

विकास तिवारी ने गैंगस्टर लॉरेंस

विश्नोई गैंग से हाथ मिला लिया

है। झारखंड एटीएस की जांच में

इस बात का खुलासा हुआ है।

एटीएस ने विकास तिवारी गैंग के

अपराधी गोबिंद राय को बीते दिनों

गिरफ्तार किया था। एटीएस की

जांच में खुलासा हुआ है कि

विकास तिवारी के कहने पर

गोविंद राय ने हरियाणा के गुड़गांव

में एक मार्च को कारोबारी सचिन

मुंजाल की हत्या में शामिल

अपराधियों को शरण दी थी।

सचिन मुंजाल की हत्या लॉरेंस

विश्नोई गैंग ने कराई थी। बता दें

कि विकास तिवारी इन दिनों

हजारीबाग के जेल बंद है।



थाना हाजिरी का भी प्रस्ताव रांची डीसी को भेजा है। जिला प्रशासन इन अपराधियों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का मौका दे रहा है। अगर जिला प्रशासन

कोयलांचल के अपराधी विकास तिवारी ने

गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई गैंग से मिलाया हाथ

झारखंड एटीएस की जांच में इस बात का हुआ खुलासा

लॉरेंस बिश्नोई के करीबी

सहयोगी रोहित गोदारा ने हत्या

की ली थी जिम्मेदारी : बता दें कि

कारोबारी सचिन मुंजाल की एक

मार्च की रात रोहतक में एक ढाबा

के सामने गोली मारकर हत्या कर

दी गयी थी। सचिन अपनी मां, पत्नी

और दो बच्चों के साथ एक शादी

में शामिल होने के लिए गुरुग्राम से

पंजाब के संगरूर जा रहे थे। जेल

में बंद डॉन लॉरेंस बिश्नोई के

तो जिला बदर और थाना हाजिरी की कार्रवाई की जायेगी। इस बार जिला बदर के लिए प्रस्तावित नामों में एक महिला का भी नाम शमिल है, जो जमीन पर कब्जा

करीबी सहयोगी गैंगस्टर रोहित

गोदारा ने इस हत्या की जिम्मेदारी

ली थी। रोहित गोदारा कनाडा में

बैठा है और वहीं से घटना को

अंजाम दिला रहा है। इससे पहले

29 मई 2022 को पंजाबी गायक

सिद्ध मुसेवाला की हत्या कर दी

गयी थी। इस हत्या के बाद से

सचिन की हत्या सातवीं घटना थी,

जिसकी विदेश में बैठे गैंगस्टरों ने

में विकास को उम्रकैद : गैंगस्टर

सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में

हजारीबाग एडीजे कोर्ट ने विकास

तिवारी समेत पांच अपराधियों को

आजीवन कारावास की सजा सुनाई

है। कोर्ट ने 11 सितंबर 2020 को

ही इन्हें दोषी करार दिया था।

सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड

जिम्मेदारी ली थी।

कुख्यात है। पिछले वर्ष भी रांची जिला प्रशासन ने करीब 170 से ज्यादा आपराधिक प्रवृति के लोगों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए थाना हाजिरी, जिला बदर और सीसीए की कार्रवाई

22 अपराधियों को जिला बदर करने की तैयारी : रांची जिला प्रशासन जिन 22 अपराधियों को जिला बदर करने की तैयारी में है, उसमें बिट्ट मिश्रा, संदीप थाना, अली खान (डोरंडा), विक्की जायसवाल उर्फ ऋषि रंजन, सीमा तिर्की, सरफराज उर्फ भोलू, संदीप बागे,

ईद गिले-शिकवे दूर करने

का दिन : मौलाना मिस्बाही

RANCHI: रांची हरमू ईदगाह में

ईद नमाज से पूर्व इमामे ईदेन हजरत

मौलाना डॉक्टर असगर मिस्बाही

अपने संदेश में कहा कि ईद

मुसलमान का सबसे बड़ा त्यौहार

है। ईद खुशियों और मुसर्रतो का

त्यौहार है। रमजान उल मुबारक में

मुसलमाननो ने जो रोजे रखें, तरावी

पढ़ी और अच्छे काम किया उन

सब का बदला ईद के दिन अल्लाह

पाक देते हैं। ईद मिलने और मिलाने

का दिन है। गिले शिकवे दूर करने

का दिन है?। मौलाना ने कहा के

मुसलमानो को चाहिए के वह

अल्लाह और रसूल की बात मान

कर गुनाहों से बचने की कोशिश

करें। कुरान की तिलावत करें और

उस पर अमल करने की कोशिश

करें। इस्लाम में शराब, अफीम,

ड्रग्स, ब्राउन शुगर, और चरस

PHOTON NEWS RANCHI:

आनंद राय, सजल कमार महतो, मजीद अंसारी, अली खान (चान्हो), मनु कुरैशी, खैरुद्दीन अंसारी, मिथिलेश महतो, चिंटू बड़ाइक, अफसरी अंसारी, मुन्ना उरांव, पप्पू गद्दी, अली हुसैन, परवेज आलम, राकेश सिंह उर्फ डिंपू सिंह और तस्लीम खान शामिल है।

तीन अपराधियों के खिलाफ थाना हाजिरी का प्रस्ताव: रांची एसएसपी ने कुछ अपराधियों के थाना हाजिरी का प्रस्ताव रांची डीसी को भेजा है। इसमें सूरज करमाली, छोटू रजक और सैयद सरताज शाह का नाम शामिल है। के झंडे, पुलिस कर रही जांच

रांची में लहराए गए फिलीस्तीन

RANCHI : गुरुवार को कई धर्मी का सामाजिक समारोह रांची की सडकों पर हो रहा था। कहीं ईदी मिल रही थी, कहीं सरहुल के गलाल उड रहे थे. तो कहीं नवरात्र का उपवास हो रहा था। इस बीच कुछ असामाजिक तत्वों ने कुछ ऐसा किया, जिससे पुलिस प्रशासन के कान खड़े हो गये। कुछ युवक हरम् बाई-पास रोड स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास फिलीस्तीन का झंडा हाथों में लेकर खड़े दिखे। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस इसकी जांच कर रही है। सुखदेव नगर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जानकारी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिली है। जिसकी जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खगला जा रहा है। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर

डोरंडा ईदगाह में मौलाना शिबली



PHOTON NEWS RANCHI: गुरुवार को डोरंडा ईदगाह में ईद की नमाज मौलाना सैय्यद शाह अल्कमा शिबली कादरी ने पढ़ाई। मौके पर उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार आपसी भाईचारगी और मोहब्बत का पर्व है। पूरे प्रेम और मोहब्बत के साथ पर्व को मनाएं। सभी धर्मो का सम्मान करें। गरीबों की ज्यादा से

बाद पीएलएफआई उग्रवादी को किया गिरफ्तार

ईद, सरहल और रामनवमी **भाईचारगी के साथ मनाएं** : हमारे भारत देश में रहने वाले सभी हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई अपने भाई है। आज ईद और सरहुल दोनों एक ही दिन है, तो दोनो पर्व को पुरे प्रेम और मोहब्बत के साथ मनाएं। आने वाला पर्व रामनवमी भी आपसी भाईचारगी और मोहब्बत के साथ मनाएं। समाज को तोड़ने के बजाय

कादरी ने पढ़ाई ईद की नमाज



अकीतदमंदों से मिलते मौलाना सैय्यद शाह अल्कमा शिबली। • फोटोन न्यूज

आदि हराम है। मुसलमानो को चाहिए कि इससे दूर रहे। बल्कि ज्यादा मदद करें। हमें अपने देश की जोड़ने का काम करें। साथ ही उन्होंने इसके खिलाफ जागरूकता चलाने तरक्की और विकास कैसे हो, इस कहा कि लोकसभा चुनाव होने वाला है। दिशा में कार्य करने चाहिए। इसमें ज्यादा से ज्यादा मतदान करें। एनआईए ने झारखंड-असम में छापेमारी के

निशिकांत का दावा, चम्पाई को कुर्सी छोड़ने का फरमान

कल्पना को सीएम बनाना चाहते हैं हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI:

राजनीति में कौन कब क्या दावा करने लगे, यह कहा नहीं जा सकता। अपडेट खबरिया है कि झारखंड के गोड़ा से बीजेपी सांसद निशिकांत दबे का दावा है कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चम्पाई सोरेन को सीएम की कर्सी छोडने का फरमान जारी किया है। निशिकांत के मताबिक, हेमंत अब अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को सीएम की कुर्सी पर बैठाना चाहते हैं। निशिकांत का कहना है कि यही वजह है कि सीएम चम्पाई सोरेन दो दिन से ना सरकारी कार्यक्रमों में पहुंच रहे हैं और ना पार्टी के कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। बीजेपी सांसद ने ये दावा सोशल मीडिया पर किया है।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि झारखंड की राजनीति में खेला होगा। पहले सीता सोरेन ने जेएमएम छोड़ा, फिर लोबिन हेंब्रम ने राजमहल सीट से निर्दलीय चनाव लंडने की घोषणा की। चमरा लिंडा भी नाराज चल रहे हैं। ये



सारे संकेत बता रहे हैं कि झारखंड की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं है। हालांकि, निशिकांत के इस पोस्ट पर जेएमएम या उसकी सहयोग पार्टियों का किसी तरह की कोई प्रतिक्रिया नहीं अब तक नहीं आई है।

एक दिन पहले कांग्रेस विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने भी एक पोस्ट किया था। उस पोस्ट में एक वीडियो भी है। इसमें जेएमएम विधायक और सरकार में मंत्री बसंत सोरेन भी नजर आ रहे हैं। इरफान अंसारी ने कहा है कि निशिकांत दुबे ने राज्य के दो मंत्री बादल और हफीज़ुल हसन को खुले मंच से चुनौती देकर डराने का काम माह-ए-रमजान पूरा होने की खुशी में मनी ईद



RANCHI : माह-ए-रमजान पुरा होने की खुशी में आज ईद मनाई जा रही है। कांके क्षेत्र के ईदगाह और मस्जिदों में अपने निर्धारित समय पर नमाज अदा की गई। नमाज के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की बधाई दी। वहीं पुलिस-प्रशासन की ओर से ईद को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पिठौरिया क्षेत्र की बात करें, तो यहां भी उल्लास के साथ ईद मनाई गई। पिठौरिया चौक ईदगाह, पिरुटोला ईदगाह, कोलदोरो इस्लामपुर ईदगाह, कोनकी, ऊरुगुहू, काटमकुली, करकट्टा, कानन्दु, चंदवे, बाडू समेत तमाम ईदगाह और मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की और एक दूसरे को मुबारकवाद पेश किया। जिसमें आम लोग और कई नेता भी शामिल थे। इस मौके पर बच्चों ने जमकर खुशी मनाई।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राज्य पुलिस के सहयोग से झारखंड और असम में छापेमारी के बाद पीएलएफआई उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। एनआईए की ओर से गरुवार को मिली जानकारी के अनुसार बीते बुधवार को एनआईए की टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से झारखंड में खुंटी, रांची और असम के दो ठिकानों पर छापेमारी और तलाशी ली। एनआईए ने खंटी जिले से बिनोद मुंडा उर्फ सुक्खवा को गिरफ्तार किया है। जबकि छापेमारी में 11000 रुपये, दो वॉकी टॉकी, पांच मोबाइल फोन, सिम कार्ड के साथ-साथ से पीएलएफआई दस्तावेजों सहित आपत्तिजनक सामग्री एनआईए की टीम ने जब्त किया है। चार मामलों वांछित बिनोद पीएलएफआई का एक सशस्त्र



खूंटी पुलिस का भी वांछित था बिनोद मुंडा

एनआईए जांच में पता चला है कि बिनोद मुंडा झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ और ओडिशा के कोयला कारोबारी, ट्रांसपोर्टरों, रेलवे ठेकेदारों सहित अन्य कारोबारी से रंगदारी वसलता था। बिनोद मुंडा खूंटी पुलिस का भी वांछित था। हालांकि वह कई वर्षो से रांची नगड़ी इलाके में सक्रिय था। मामले में इससे पूर्व दो

आरोपितों को रुपये के साथ गिरफ्तार किया गया था। तीन लाख नकद और हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया था। एनआईए ने संगठन के सुप्रीमो दिनेश गोप की गिरफ्तारी के बाद संगठन को पुनर्जीवित करने की कोशिश करने के लिए मार्टिन केरकट्टा और पीएलएफआई के अन्य सदस्यों के खिलाफ आईपीसी और यूएपीए की धाराओं के तहत 11 अक्टूबर 2023 को

मामला दर्ज किया गया था। पांच दिनों में ट्रैफिक नियमों

१०५५ लोगों का कटा चालान है। पिछले पांच दिनों में कुल चालान काटा गया है। इनमें 205, 188, 255, 188 और 219 को बताया कि शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस ,अनाधिकृत रूप रूप से सूचक पट्ट लगाकर घुमने वालों के खिलाफ अभियान चला

अभियान जारी रहेगा।

लिखा होगा 'बिना फिकर... वोट कर' JAMSHEDPUR : इस बार मतदान 📱 का प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत अब मतदाता जागरुकता होटल-रेस्टोरेंट

से भी होगा। मिठाई के डिब्बे या नाश्ता-

भोजन के पैकेट पर भी यदि आपको मतदान के लिए प्रेरित किया जाए, तो चौंकिएगा नहीं। मिठाई के डिब्बे व नाश्ता भोजन के पार्सल पैकेट पर लिखा होगा 'बिना फिकर... वोट करें'। इसे लेकर समाहरणालय सभागार में गुरुवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरुकता कार्यक्रम हुआ, जिसमें उपविकास आयक्त सह वरीय पदाधिकारी स्वीप कोषांग मनीष कमार ने कहा कि जमशेदपर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत 25 मई को मतदान दिवस है। इसके लिए अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। होटल व रेस्टोरेंट संचालक मिठाई के डिब्बों या खाने के पार्सल में मतदाता जागरुकत स्टीकर लगाकर घर–घर तक मतदान दिवस के संदेश को पहुंचाएं। इसके साथ ही मॉल, कोंचिग, होटल रेस्टोरेंट में सेल्फी प्वाइंट, पोस्टर, बैनर लगाकर भी मतदान के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक मतदातओं को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएं या अन्य कोई भी गतिविधि संचालित करें,

ईद के जश्न में डूबी लौहनगरी, मस्जिदों व ईदगाह मैदान

में अदा की गई नमाज JAMSHEDPUR : रमजान का महीना समाप्त होने के बाद वह घड़ी आ गई, जब चारों ओर ईद की खुशियां बिखरने लगीं। इसकी शुरूआत गुरुवार को ईद की नमाज से हुई। सुबह-सुबह



शहर के मस्जिदों व ईदगाह मैदानों में अकीदतमंदों ने ईद की नमाज अदा की। इस दौरान पूरा माहौल खुशगवार हो गया, जब मुस्लिम समुदाय के लोग एक-दूसरे से गले मिल कर ईद की बधाई दी। मानगो के बारी मस्जिद, मुंशी मोहल्ला मस्जिद, मदीना मस्जिद, जाकिरनगर के शिया मस्जिद, साकची व बिष्टुपुर के जामा मस्जिद सहित धतकीडीह, गोलम्री, टेल्को, जुगसलाई, परसुडीह सहित शायद ही कोई क्षेत्र बचा हो, जहां ईद की खुशियां न बिखरी हो। सड़क पर नए कपड़े पहन ईत्र की सुगंध बिखेरते, खासकर युवाओं की टोली बाइक से घूमती नजर आ रही है। जुबिली पार्क के आसपास दोपहर से ही चहल-पहल दिखनी शुरू हो गई है। शाम को एक-दूसरे के घर जाकर सेवई–लच्छा चखने का सिलसिला शुरू होगा, जो देर रात तक बदस्तूर चलेगा। ईद को लेकर जिला प्रशासन भी काफी सतर्क दिखा बुधवार शाम से ही मानगो, साकची, धतकीडीह, गोलमुरी, टेल्को, जुगसलाई, परसुडीह सहित तमाम मस्जिदों के पास जिला पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए हैं। ऐहतियात के तौर पर वज्रवाहन व एंबुलेंस के अलावा मेडिकल टीम तैनात की गई है।

रामनवमी पर अखाड़ों से निकलेगी भव्य शोभायात्रा

JAMSHEDPUR : चैत्र माह के शक्ल पक्ष की नवमी 17 अप्रैल को है. जबिक रामनवमी झंडे का विसर्जन 18 अप्रैल को होगा। लौहनगरी में दोनों दिन रामनवमी अखाड़ों की चहल-पहल देखने लायक होती है। शहर के



सभी अखाड़ों में भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसी कड़ी में भुइयांडीह के नीतिबाग कॉलोनी स्थित श्रीश्री शिव हनुमान मंदिर के उदय सिंह अखाडा में गुरुवार को रामनवमी के संदर्भ में बैठक की गई, जिसमें जमशेदपुर कंद्रीय रामनवमी समिति के संरक्षक प्रमोद तिवारी, अध्यक्ष अरुण सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन द्विवेदी, उपाध्यक्ष - विजय तिवारी, सचिव धर्मेंद्र व गुलजार सिंह उपस्थित हुए। उदय सिंह अखाड़ा समिति के अध्यक्ष विवेक सिंह ने केंद्रीय समिति के सदस्यों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया एवं ज्ञापन सौंपा, जिसमें अखाड़ा के लाइसेंस एवं रामनवमी विसर्जन रूट के विषय पर कुछ समस्या रखी। अखाड़ा समिति ने रामनवमी पूजा बड़े धुमधाम एवं शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन स-समय करने का भी निर्णय लिया, जिसमें अखाड़ा सिमति के सदस्य दीपक मजूमदार, मोहित सिंह, राहुल सिंह, शुभोदीप बोस, अनूप कुमार आदि उपस्थित थे।

सरहल शोभायात्रा में पारंपरिक गीत-संगीत पर झमते

रहे आदिवासी-मूलवासी सरहुल पूजा समिति द्वारा गुरुवार 👢 समाज भवन प्रांगण से भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें



आदिवासी मूलवासी समुदाय के उरांव, हो, मुंडा, संथाल, मुखी, भुइयां, तुरी, लोहरा समाज समेत अन्य सामाजिक संगठन के महिला-पुरुष,बच्चे-बच्चियां, युवक-युवतियां अपने पारंपरिक परिधान एवं वाद्य यंत्रों के साथ शामिल हुए। इस वर्ष शोभायात्रा मुख्य लाइसेंसधारी गंगाराम तिर्की के नेतृत्व में आयोजित की गई। शोभायात्रा सीतारामडेरा से प्रारंभ होकर लाको बोदरा चौक, सीतरामडेरा थाना, एग्रिको लाइट सिग्नल, भालूबासा, कुम्हारपाडा, रामलीला मैदान, साकची मुख्य गोलचक्कर, बसंत सिनेमा रोड, कालीमाटी रोड, टुइलाडूंगरी गोलचक्कर, गोलमुरी होते हुए पुनः सीतारामडेरा लौटी। इसमें झामुमो नेता मोहन कर्मकार, समाजसेवी शिवशंकर सिंह, सौरभ विष्णु सहित कई गणमान्य शामिल हुए।

सांसद ने ज्योतिबा फुले को किया नमन

JAMSHEDPUR : सांसद बिद्यत बरण महतो ने गरुवार को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। माली (मालाकार) कल्याण समिति के तत्वावधान) कीताडीह स्थित यादव भवन में आयोजित जयंती समारोह में सांसद ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले सत्य के अन्वेषी थे। उन्होंने पिछड़े, दलित एवं महिलाओं के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। आज हम सबको संकल्प लेना है कि हम सभी उनके बताए हुए मार्ग का अनुकरण करेंगे। इस अवसर पर किशोर यादव, विजय टाकुर, संजय मालाकार, प्रकाश विश्वकर्मा, सुरेश निषाद, ललन यादव, राजू प्रसाद, भोला भगत, भोला यादव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद चम्पाई सरकार की बढ़ी सक्रियता, जून-जुलाई के बीच वोटिंग संभव

नगर निकाय चुनाव को लेकर रेस हुई सरकार

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड हाई कोर्ट के कड़े रुख के बाद चम्पाई सरकार की सिक्रयता बढ़ गई है। सरकार जून-जुलाई के बीच में राज्य में नगर निकाय चुनाव करवा सकती है। राज्य पिछड़ा आयोग ने इस बात के संकेत दिए हैं। हाईकोर्ट के कड़े रूख के बाद सरकार और आयोग रेस हो गए हैं। राज्य पिछड़ा आयोग पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट की तैयारी में जुट गया है। आयोग ने संकेत दिए हैं कि राज्य में जैसे ही आदर्श आचार संहिता समाप्त होगी, आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। इसके बाद राज्य में नगर निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो जाएगा।



पिछले साल अप्रैल में समाप्त हो चुका है नगर निकायों का कार्यकाल : उल्लेखनीय कि रांची सहित राज्य के सभी नगर निकायों का कार्यकाल बीते वर्ष अप्रैल में समाप्त हो चुका है। राज्य निर्वाचन आयोग को कार्यकाल समाप्त होने तक चुनाव करा लेना था। इसकी तैयारी भी कर ली गयी थी। लेकिन आजस् पार्टी के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने नगर निकायों में

ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नगर निकाय क्षेत्र में ओबीसी को आरक्षण देने के लिए ट्रिपल टेस्ट कराने का आदेश दिया, जिसकी वजह से चुनाव फिर से टल गया। चुनाव नहीं होने से हो रहे हैं ये

नुकसान : झारखंड में नगर निकायों का चुनाव नहीं होने से राज्य सरकार को आर्थिक नुकसान हो रहा है। लेकिन, चुनाव कराने में विलंब होने के कारण सरकार को 15वें वित्त आयोग की मदद से वंचित होना पड़ सकता है। झारखंड सरकार के अनुसार, वित्त आयोग से झारखंड में शहरी निकायों के विकास के लिए 1600 करोड़ की सहायता राशि मिलनी है, लेकिन तय समय पर चुनाव

कोर्ट ने अपने पुराने आदेश पर रोक लगाने से किया इनकार

बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट की डबल बेंच ने 8 अप्रैल को हुई सुनवाई में सिंगल बेंच के 4 फरवरी को दिए उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें अदालत ने राज्य सरकार को तीन हफ्ते में निकाय चुनाव की घोषणा करने का आदेश दिया था। अदालत ने कहा था कि ट्रिपल टेस्ट का बहाना बनाकर सरकार निकाय चनाव रोक नहीं सकती है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद आयोग हर मंगलवार को टिपल टेस्ट को लेकर बैठक कर

नहीं होने से वित्त आयोग इस पर रोक लगा सकती है। बता दें कि शहरी विकास, शहरों में नागरिक सुविधा

विकसित करने औप अपने संसाधन

रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी नगर निकाय क्षेत्र में ओबीसी को आरक्षण देने के लिए टिपल टेस्ट कराने का आदेश दिया है। ऐसे में अब सरकार के पास निकाय चुनाव कराने के अलावा कोई विकल्प नहीं बच रहा है। इसलिए सरकार ने राज्य निर्वाचन आयोग को जल्द ट्रिपल टेस्ट कराने के लिए मौखिक निर्देश दिया है, ताकि लोकसभा चुनाव के बाद जून से जुलाई के बीच नगर निकाय चुनाव कराया जा

को बढ़ाने के लिए नगर निकायों के लिए केंद्र सरकार द्वारा वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर राज्यों को ग्रांट स्वीकृत की जाती है।

का उल्लघंन करने वाले

RANCHI: राजधानी में ट्रैफिक नियमों का पालन कराने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा 1055 लोगों का नियम के उल्लंघन करने के मामले में चालान शामिल है। ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली ने बताया गुरुवार से अपने चार पहिया वाहन के शीशे में ब्लैक फिल्म, अनाधिकृत रही है। नियम का उल्लघंन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुये चालान काटा जा रहा है। यह

मौसम के बदले मूड ने दी गर्मी से राहत, १४ तक रहेगाँ बारिश का असर PHOTON NEWS RANCHI:

राजधानी रांची सहित झारखंड के

अन्य जिलों के लोगों को मौसम के बदले मुंड के कारण गर्मी से राहत मिली। बुधवार की सुबह राजधानी समेत आस पास के हिस्सों में हल्के दर्जे की बारिश रिकॉर्ड की गई। गुरुवार की सुबह भी बुंदाबांदी हुई और तापमान में गिरावट देखी गई। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 14 अप्रैल तक राज्य में बारिश का असर देखा जाएगा। केंद्र की मानें तो 11 और 12 अप्रैल तक राज्य के दक्षिणी और मध्य भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है।

वज्रपात होने की भी संभावना : इसका असर पूर्वी सिंहभूम, सिंहभूम, पश्चिम सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, गुमला, खुंटी, रांची, लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो जिले में पड़ने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं



संभावना है। तेज हवा भी चलेगी। इसकी गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है. वहीं, 13 और 14 अप्रैल को

राज्य के पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसका असर गढ़वा, पलाम्, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा जिलों में पड़ने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 12 अप्रैल तक तापमान में तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके बाद तापमान में 5 डिग्री तक की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की गयी है।

काराकाट में सियासी हवा का रुख मोड़ सकेंगे पवन सिंह

सासाराम। काराकाट संसदीय क्षेत्र से भोजपुरी स्टार एवं सिंगर पवन सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही क्षेत्र में राजनीतिक तुफान खडा हो गया है। बड़ा सवाल है कि पवन सिंह की उम्मीदवारी से काराकाट क्षेत्र की हवा बदल जाएगी, क्या यहां का मतदान प्रभावित होगा? पवन सिंह की उम्मीदवारी से राजपूत और यूथ वोटर पर क्या असर पड़ेगा। क्या पवन सिंह अपने फैंस को वोटर में बदल पाने में कामयाब होंगे?माना जाता है कि काराकाट संसदीय क्षेत्र में अगडी जातियों में सबसे अधिक संख्या राजपूत वोटरों की है। इनकी संख्या करीब 2 लाख 16 हजार हैं। इनके बाद क्षेत्र में करीब 93 हजार ब्राह्मण और 62 हजार भूमिहार वोटर हैं। साल 2009 के परिसीमन से पहले काराकाट का इलाका बिक्रमगंज लोकसभा के तौर पर जाना जाता था। यहां 2009 से पहले हुए लोकसभा चुनावों में राजपूत उम्मीदवार जीतते रहे हैं। 2007 के



उपचुनाव में मीना सिंह, 2004 में अजीत सिंह जीते थे। 1998 में विशष्ट नारायण सिंह, 1984 और 1980 में तपेश्वर सिंह यहां से सांसद बने। 1962 में बिक्रमगंज लोकसभा सीट बनने के बाद हुए पहले चुनाव में भी राम सुभाग सिंह सांसद बने थे। फर्स्ट टाइम वोटर्स पर पकड़ डेहरी के युवा पत्रकार कमलेश सिंह कहते हैं कि पवन सिंह का युवाओं में जबरदस्त क्रेज है। इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता। जब भी जिले में पवन

सिंह का कार्यक्रम हुआ है, भीड आउट ऑफ कंट्रोल हो गई है। ऐसे में युवा वोटरों पर पवन सिंह का पडेगा। इससे इनकार नहीं किया जा सकता। कमलेश सिंह के अनुसार काराकाट संसदीय क्षेत्र में 18-19 साल की उम्र के लगभग तीस हजार वोटर हैं। 18 से 25 साल की उम्र में करीब पौने दो लाख वोटर है। अब बड़ा सवाल है कि पवन सिंह के ये फैंस क्या वोट में बदल पाएंगे ?काराकाट में ठऊअ की ओर से रालोसपा के टिकट पर उपेंद्र



कुशवाहा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, (338,892) मिले थे। उनके उनके सामने महागठबंधन से सामने राजद की कैंडिडेट कांति भाकपा-माले के राजाराम सिंह को 29.6% उम्मीदवार हैं। 2019 में उपेंद्र (233,651) मिले थे। 2014 में कुशवाहा जदय के महाबली सिंह राजाराम सिंह भाकपा-माले के से करीब 84 हजार वोटों से चुनाव कैंडिडेट थे, तब उन्हें 4.1% वोट हार गए थे, लेकिन उन्हें 36.1% (32,686) मिले थे। 2009 में वोट (313,866) मिले थे। इस राजद की कांति सिंह 30.6% वोट चुनाव में भाकपा-माले के कैंडिडेट के साथ दूसरे स्थान पर रही थीं। रहे राजाराम सिंह को 2.9% वोट चुनाव जीतने वाले जदयू के (24,932) मिले थे। इससे पहले, महाबली सिंह को 34.1% वोट 2014 में जब कुशवाहा सांसद बने मिले थे। भाकपा-माले के टिकट थे, तब उन्हें 42.9% वोट पर चुनाव लड़े राजाराम सिंह को

काराकाट लोकसभा क्षेत्र में रोहतास के तीन विधानसभा क्षेत्र काराकाट, डेहरी और नोखा आते हैं। जबकि, औरंगाबाद जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र ओबरा, गोह और नवीनगर आते हैं। इसी ओबरा विधानसभा क्षेत्र से राजाराम सिंह 1995 और 2000 में विधायक बने थे।पवन सिंह आरा से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन वहाँ से भाजपा उम्मीदवार आरके सिंह भी राजपूत हैं। ऐसे में पवन सिंह ने काराकाट की चना है। यहां एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के उम्मीदवार कुशवाहा जाति के हैं। ऐसे में अगड़ी जातियों में पवन सिंह की उम्मीदवारी का असर दिख सकता है। 2014 एवं 2019 के चुनाव में काराकाट संसदीय क्षेत्र में सीधा मुकाबला रहा है। एनडीए और महागठबंधन के उम्मीदवार ही आमने-सामने रहे हैं। इस बार भी माना जा रहा था कि एनडीए के उपेंद्र कुशवाहा एवं इंडिया गठबंधन के राजाराम में ही सीधा

राम अवतार दास जी, हीरालाल दास

जी, राम उदार दास जी, रामजी दास

जी एवं अन्य लोग शामिल होंगे।

आज मंडप प्रवेश, अग्नि प्रकट, पंचांग

पुजन, वेदी पुजन का आयोजन होगा।

जबिक 12 अप्रैल शुक्रवार से 14 अप्रैल

र्यववार तक हवन पूजन, प्रवचन, रामलीला

रासलीला का आयोजन होगा। 15 अप्रैल

सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ 16 अप्रैल

मंगलवार को पुणार्त्तीत, भंडारा और विदाई का

आयोजन होगा।आयोजनकर्ता अजित

कुशवाहा ने बताया कि जगदीशपुर

प्रखंड के हरनही गांव में जगदीशपुर

प्रखंड के बीमवा पंचायत के हरनहीं में

निदेशानुसार डीजे नहीं बजाने का

निर्देश दिया गया था।डीजे को

डाइवर्ट करके जुलूस नहीं तो वोट

नहीं का बैनर लगा दिया है जबकि

जुलुस की परमिशन जिला प्रशासन

द्वारा दी जा रही है। सरकार की

गाइडलाइन के अनुसार आप जुलूस

निकाल सकते हैं कोई दिक्कत नहीं

है। लोगों को बहकाने का यह

सूर्य मंदिर का स्थापना हुआ था।

6.5% वोट (37,493) मिले थे।

संक्षिप्त डायरी

नाबालिंग के अपहरण के मामले में 3 फरार आरोपी गिरफ्तार

शेखपुरा। में एक नाबालिग बालिका के अपहरण के मामले में कार्रवाई करते हुए नगर थाना पुलिस ने नगर परिषद के बाजितपुर गांव से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जहां गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश कुमार के दो पुत्र सुजीत कुमार और सतीश कुमार सहित अरुण चौधरी के



पुत्र राजेश कुमार के रूप में हुई है। हालांकि राजेश कुमार का नाम प्राथमिकी में दर्ज नहीं था। छापेमारी का नेतत्व नगर थाना अध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार ने की छापामार दल में नगर थाना में तैनात दारोगा देवेंद्र कुमार , एएसआई पंकज कुमार सिंह के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस बल शामिल थे। पोस्को एक्ट के तहत गिरफ्तार हुए सभी इस संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले साल 24 नवंबर को नाबालिंग बालिका का अपहरण बदमाशों ने कर लिया था। जिसके बारे में नगर थाना में एक पोस्को अधिनियम के तहत एक प्राथिमकी दर्ज कराई गई थी। उसके बाद से यह सभी अभियुक्त गण फरार चल रहे थे। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सभी अभियुक्त घर में छिपे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम गांव पहुंचकर इनके घरों की घेराबंदी कर तीनों को घर से गिरफ्तार कर ली। गिरफ्तार तीनों फरार आरोपियों को पुलिस ने शेखपुरा जेल भेज दिया गया है।

भाजपा नेता अजफर शम्सी ने तेजस्वी-सहनी को घेरा

मुंगेर । भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजफर शम्सी ने तोपखाना बाजार स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बात करने के दौरान कहा कि बिहार की 40 सीट पर एनडीए जीतेगी। जनता ने मन बना लिया है। कहा कि एक तरफ विकास दूसरी तरफ अपराध का राजनीतिकरण के साथ तृष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। आगे बोला कि बिहार और देश के अंदर लोगो ने देख लिया



विकास सिर्फ मोदी जी के नेतृत्व में हो सकता है, जिसके कारण विपक्ष के लोग हताश और निराश में है। उन्होंने तेजस्वी और मुकेश सहनी पर निशाना साधते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन में प्रत्याशी की घोषणा करने में पसीने छट रहें हैम। प्रदेश प्रवक्ता ने मकेश साहनी और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों को सिर्फ अपने स्वास्थ्य की चिंता है, जिस कारण यह लोग सनातन धर्म को भी कुछ नहीं समझते हैं। अभी पूरे प्रदेश में चैत्र नवरात्र का उत्सव है और इस बीच वह मछली खाकर सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं। कहा कि इस बार के लोकसभा चुनाव में जनता ही आगे है और उन्होंने पुरे तरीके से केंद्र के विकास को लेकर इस बार फिर प्रधानमंत्री का जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी को ही देना चाह रहे हैं। इसके लिए जनता ने तरीके से मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि सारे लोग केंद्र और बिहार के विकास को जानते हैं क्योंकि अभी क्षेत्र में भी अगर प्रत्याशी और नेता जा रहे हैं तो वह बिहार के विकास और केंद्र के विकास का ही चर्चा करते नजर आते हैं। कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि उसे समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री के द्वारा कहा जाता था कि हम यहां से 100 भेजते हैं और लाभुक तक पहुंचते पहुंचते 15 रुपये हो जाता है। अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगर किसी लागू के खाता में 100 भेजा जाता है तो वह पूरा 100 रुपया लागू के खाता तक पहुंच जाता है यह भाजपा और कांग्रेस सरकार की अंतर है।

AIMPLB के सचिव मौलाना अहमद ने पढ़ाई ईद की नमाज



मुंगेरे। के कई ईदगाह में लोगों ने ईद की नमाज पढ़ी। इस दौरान डीजे कॉलेज के पास स्थित मैदान में भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग जुटे। नवाज पढ़ने के बाद सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद मुबारक कहा। वहीं ईद मनाने के लिए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी मुंगेर पहुंचे और ईद की नमाज सभी को पढ़ाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज ईद का पावन अवसर है। इस पर देशवासियों को बधाई देते हं। इस तपती धूप में एक महीने तक रोजा रखने के बाद आज खुशहाली मनाने का दिन है। उससे पहले ईदगाह में एक जगह सभी आकर ईद की नमाज पढ़ कर दुआ करते है।वहीं उन्होंने आगे कहा कि देश के सामने आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि किसी हुकूमत के पास कोई आइडियोलॉजी नहीं है। हर कोई पैसा लेकर काम कर रहा है। इसलिए एक आइडियोलॉजी होना जरूरी है ताकि देश आगे बढ़ सके। इसके साथ ही ईद को लेकर ईदगाह के पास कुछ समाजसेवी लोगों ने सरबत, पानी और चाय का स्टॉल लगाया था। इसके अलावा ईद की मुबारक देने के लिए नगर निगम की मेयर कुमकुम देवी, मुंगेर लोकसभा सीट से महागठबंधन प्रत्याशी अनीता देवी और उसके पति अशोक महतो भी ईदगाह के पास पहुंचे। मुस्लिम समुदाय के लोगों को ईद की बधाई देते हुए 23 अप्रैल को नामांकन में आने की अपील भी की ईंद की नमाज पढ़ने आए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने ईंद की बधाई

कैमूर स्तंभ से चकबंदी तक अबतक नहीं बनी सड़क



कैमर। कैमर के नगर परिषद भभुआ द्वारा चकबंदी रोड से कैमूर स्तंभ तक सड़क का निर्माण 24 लाख रुपए की लागत से दिसंबर 2023 तक पूरा करना था। लेकिन सड़क बनाने वाले संवेदक के मनमानी और अधिकारी के उदासीनता के कारण आज भी अधूरा है। संवेदक द्वारा पूरे सड़क की खुदाई कर दी गई है जिससे सड़क के खोदे गए गड्ढे में नाली का गंदा पानी भर गया है और इसी गंदे पानी से होकर लोगों को गुजरना पड़ रहा। यह भभुआ शहर के मुख्य मार्ग में से एक है। जेसीबी चालक अजय गुप्ता ने बताया हम यहां काम करने के लिए आए तो ग्रामीणों द्वारा रोक दिया गया और बोला गया कि जो पहले से गड्ढे की खुदाई की गई है, वहां तक सड़क दुरुस्त कराई जाए।फिर मैं अपना काम रोक दिया और संवेदक जेई से मिलने के लिए गए हए हैं। जो उनकी समस्या है वाजिब है जिस तरह से खुदाई कर-के छोडा गया है किसी को भी

परेशानी होगी।ग्रामीण पप्पू पांडे, प्रवीन सिंह, रोशन कुमार, प्रकाश पांडे ने बताया कैमूर स्तंभ से चकबंदी रोड तक यह सड़क बन रही है। लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों के लापरवाही के कारण सड़क की खुदाई करके छोड़ दिया गया है, जिससे बहुत परेशानी हो रही है। इस रास्ते में कोचिंग, विद्यालय, अस्पताल सहित कई दकान और संस्थान है। अधिकारी भी इधर रहते हैं उसके बावजूद नगर परिषद भभुआ के पदाधिकारी के उदासीनता के कारण हालत खराब है।नगर परिषद भभुआ के उपसभापति प्रतिनिधि शैलेंद्र कुमार ने बताया 24 लाख की एस्टीमेंट से इस सड़क का निर्माण नगर परिषद भभुआ द्वारा कराया जा रहा है। लेकिन संवेदक के मनमानी के कारण और पदाधिकारी की लापरवाही के कारण सड़क अधूरा पड़ा हुआ है। जबकि दिसंबर 2023 में ही सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लेना था।

सतचंडी महायज्ञ को लेकर जलभरी का आयोजन

आरा भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड अंतर्गत हरनही गांव में निर्मित सूर्य नारायण प्राण प्रतिष्ठा सह सतचंडी महायज्ञ को लेकर भव्य कलश शोभा यात्रा सह जलभरी का आयोजन किया गया। कलश यात्रा हरनही गांव से निकलकर दुलौर गांव स्थित नदी पर पहुंची। कलश यात्रा में सैकड़ों युवती, महिलाएं और ग्रामीण कलश में जल भरकर वापस यज्ञ स्थल पहुंचे। शोभा यात्रा के दौरान ऊंट, हाथी, घोड़े व गाजेझ बाजे के साथ हजारों श्रद्धालु शामिल हए।श्री राम जीवन दास जी महाराज के परम शिष्य श्री श्री 1008 श्री

कैम्र। कैम्र के भभुआ में आज

ईद मनाई जा रही जहां अहले सुबह

राजेंद्र सरोवर पर एक बैनर टंगा

मिला जिस पर लिखा था जुलूस

नहीं तो वोट नहीं चुनाव बहिष्कार।

जिला प्रशासन के पास मामला

संज्ञान में जाते ही डीएम सावन

कुमार ने बैनर लगाने वाले के

खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और

बैनर छापने वाले के खिलाफ भी

कार्रवाई करने का निर्देश भभुआ

थानाध्यक्ष को दिया। कैमूर डीएम

और एसपी ललित मोहन शर्मा ने

संयुक्त रूप से वीडियो जारी कर

लोगों से आह्वान किया है कि

रामनवमी जुलूस निकालने पर

किसी भी प्रकार का रोक नहीं

लगाया गया है। जबकि डीजे को



बैजनाथ दास जी महाराज महा मंडेश्वर और त्यागी बाबा, संत श्री सीताराम बाबा की ओर से प्राण प्रतिष्ठा किया जा रहा। जिसमें अयोध्या काशी, मथुरा, वृंदावन से संत

महापुरुषों का आगमन हो रहा है। श्री सत्य चंडी महायज्ञ के आयोजन के दौरान रामलीला और प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। प्राण प्रतिष्ठा

राजेंद्र सरोवर के पास लगे पोस्टर पर बवाल



प्रतिबंधित किया गया है। अगर कोई उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।डीएम ने बताया कि आज सबह 9 बजे के लगभग अनमंडल पुलिस पदाधिकारी भभुआ ने बताया कि पोस्टर लगा है। इसका संज्ञान समिति की बैठक में सरकार के

मिलते ही एसपी के साथ सदर प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रिंटिंग प्रेस जहां से छपी है, उसके विरुद्ध भी एफआईआर करने का निर्देश दिया है। शांति

महिला का इलाज के दौरान आज

मौत हो गई। जानकारी के अनुसार

दारौंदा थाना क्षेत्र के कोथुआ

सारंगपुर के रहने वाले रामदास साह

के पत्र धर्मराज साह को पीबीती रात

सांप ने काट लिया। तभी धर्मराज

साह को स्थानीय कुछ लोग उसे

इलाज के लिए सीवान के सदर

अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां

इलाज के बाद सभी फिर वापस घर

लौट रहे थे। अस्पताल से लौटने के

दौरान हुआ हादसा इसी दौरान

तरवारा मोड़ के पास स्कॉर्पियो

अनियंत्रित होकर डिवाइडर से

प्रयास किया गया है। सीसीटीवी फुटेज से बैनर लगाने वाले को चिह्नित किया जाएगा।

उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। राजेंद्र सरोवर के पास लगे पोस्टर पर बवालःजुलूस नहीं तो वोट नहीं का नारा, चुनाव बहिष्कार की धमकी; एसपी बोले-सख्त कार्रवाई

११ घर जलकर राख अलग-अलग जगहों पर हुई अगलगी की घटना

मुंगेर। में बुधवार को अलग-अलग जगह पर अगलगी की घटना घटित हुई है। इस घटना में कुल 11 घर जलकर नष्ट हो गई है, जिसमें पहली घटना मुंगेर जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनियाचक गांव में हुई है। दूसरी घटना वासुदेवपुरम थाना क्षेत्र के चूरम्बा गांव में हुई है। दोनों जगह पर फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग पर काबू पाया गया। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मानियारचक पीर स्थान के पास बुधवार को अचानक आग लगने से लगभग 10 झोपड़ी नुमा घर जलकर नष्ट हो गई। इस अगलगी की घटना में अनाज, कपड़ा, बरतन, टीवी, पंखा सहित नगद रुपए भी जलकर नष्ट हो गई है। हालांकि, अगलगी की घटना में कितना का नुकसान



हुआ इसका अब तक पता नहीं चल पाया है। वहीं, आग की घटना की सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम और स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस और

सदर सीओ कार्यालय के कर्मी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। जिसके बाद घटनास्थल पर जांच करने के बाद सभी पीड़ित का लिस्ट तैयार कर चले गए। कर्मियों ने कहा कि आपदा के तहत जो होता है वह दिया जाएगा। इसके अलावा पीड़ित

परिवार को राहत सामग्री दिया जाएगा। जबकि इस मौके पर तारापुर दियारा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बमबम कुमार चौधरी भी मौजुद थे।वहीं, घटना के संबंध में मंडल और जीवन मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि शाम के लगभग 3 बजे हमलोग आसपास के खेत और भट्टा पर मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। तभी अचानक घर से सूचना आया कि घर में आग लग गई है। इसके बाद हमलोग किसी तरह यहां पर आए और आग की लपटें बुझाने का प्रयास करने में जुटे। लेकिन कामयाब नहीं हो सके और देखते ही देखते लगभग आग की घटना में 10 घर जलकर पूरी तरीके से नष्ट

सीवान। के सराय थाना क्षेत्र के तरवारा मोड़ के पास एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकड़ा गई। जिसमें स्कॉर्पियो में सवार एक महिला समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल

NDA प्रत्याशी ललन सिंह पर JCB से पुष्प वर्षा

डिवाइडर से टकराई स्कॉर्पियो, ६ लोग जख्मी

टकडा गया और पलट गई। इस दौरान स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग घायल हो गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों के मदद से इलाज के लिए सभी लोगों को सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज चल रहा है। इन घायलों में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका की पहचान बैजनाथ साह की 50 वर्षीय पत्नी प्रभावती देवी के रूप में हुई है।



देते हुए कहा कि आज अमन चैन की दुआ मांगी है।

बाइक से मां और बेटा नीचे गिरे, ट्रक ने कुचला



आरा। भोजपुर में गुरुवार को सड़क हादसे में मां और 7 माह के मासूम की मौत हो गई। दरअसल, महिला अपने पति और दो बेटे के साथ बाइक से पटना आ रही थी। रास्ते में ब्रेकर पर बाइक के चढ़ते ही महिला और उसके गोद से 7 माह का बेटा सड़क पर गिर गए। लोग कुछ समझ पाते इससे पहले ही पीछे से आ रहे बालू लदे ट्रक ने दोनों को कुचल दिया। घटना आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के

कोईलवर थाना क्षेत्र के झलकू नगर मोड़ के पास हुई। मृतकों की पहचान रूबी देवीँ (28) और 7 माह के पुत्र करण कुमार के रूप में की गई। वहीं, परसा बाजार थाना क्षेत्र के सलालपुर गांव निवासी धनंजय मांझी (रूबी देवी के पति) और बेटा चंदन कुमार (2) जख्मी है। इधर, घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रक को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। ड्राइवर भाग निकला। जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हालांकि पुलिस की सिक्रयता के बाद जाम हटा दिया गया। मृतका रूबी देवी की भाभी गुड़िया देवी ने बताया कि रूबी के पिता गिर गए थे और उनका हाथ फैक्कर कर गया था। उन्हीं से मिलने के लिए मंगलवार की दोपहर वह अपने पति और दो बेटों के साथ बड़हरा थाना क्षेत्र के रामशहर गांव अपने मायके आई थी।

मुंगेर। से NDA प्रत्याशी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह गरुवार को जिला पहुंचे। इस

दौरान जमालपुर नगर परिषद में कार्यकताओं द्वारा जेसीबी से उनके ऊपर फूल की वर्षा कर उनका स्वागत किया। वहीं, दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी कुमारी अनिता ईदगाह और मस्जिदों में लोगों से मिल रही हैं।चौथे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशी जोर शोर से जुट गए हैं। गली, मोहल्ले में जाकर जनता से मिल रहे हैं। अपने पक्ष में वोट देने की अपील कर रहे हैं। वहीं, मुंगेर जदयू सांसद सह प्रत्याशी ललन सिंह अपने एनडीए कार्यकताओं के साथ तीन दिनों से क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को ललन सिंह जमालपुर और धरहरा



प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। द्वारा फूल की वर्षा की। इसके

बाद ललन सिंह जुबली वेल स्थित हनुमान मंदिर में माथा वहीं, जमालपुर पहुंचते ही ठेका और पूजा अर्चना की। वहीं, कार्यकताओं ने प्रत्याशी पर खउइ दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी आज ईद के मौके



पर ईदगाह और मस्जिदों में नमाज पढ़कर घर जा रहे मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की। अपने पक्ष में वोट डालने की अपील की। चौथे

चुनाव को लेकर प्रत्याशी जोर शोर से जुट गए हैं। गली, मोहल्ले में जाकर जनता से मिल रहे हैं। अपने पक्ष में वोट देने की

कार्यकताओं के साथ तीन दिनों से क्षेत्र का भ्रमण कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को ललन सिंह जमालपुर और धरहरा प्रखंड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। वहीं, जमालपुर पहुंचते ही कार्यकताओं ने प्रत्याशी पर खउइ द्वारा फूल की वर्षा की। इसके बाद ललन सिंह जुबली वेल स्थित हनुमान मंदिर में माथा ठेका और पूजा अर्चना की। वहीं, दूसरी ओर इंडिया गठबंधन के राजद प्रत्याशी आज ईद के मौके पर ईदगाह और मस्जिदों में नमाज पढ़कर घर जा रहे मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की। अपने पक्ष में वोट

डालने की अपील की।

अपील कर रहे हैं। वहीं, मुंगेर

जदयू सांसद सह NDA प्रत्याशी

ललन सिंह अपने एनडीए

श्रेष्ट लेखक परम पूज्य महामना ज्योतिबाफ़ुले जी की मूर्ति

पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्टी का कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता अमरोहा। शिक्षा और सामाजिक क्रांति के अग्रदूत,महान समाज सुधारक, कुशल वक्ता, श्रेष्ठ लेखक परम पुज्य महामना ज्योतिबा फले जी की पावन जन्मोत्सव के अवसर पर कलेक्ट्रेट ऑफिस में लगी महामना ज्योतिबाफुले जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं विचार गोष्ठी का कार्यक्रम जिला सैनी सभा के सौजन्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. के. एस. सैनी जी ने की व संचालन राजपाल सैनी (प्रधान जी)

इस अवसर कई वक्ताओं ने महामना ज्योतिबा फुले के जीवन संघर्ष पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी कड़ी में एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर



एसोसिएशन के पूर्व जिला अध्यक्ष वरण सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की महामना फूले का जीवन और उनका संघर्ष इस देश के प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणा है। आज आधुनिक भारत में अगर सच में कहें तो जिस महामानव ने

छूत भेदभाव और कुरीतियों का खुलकर विरोध करके समानता स्थापित करने के साथ-साथ शिक्षा के प्रचार प्रसार पर सबसे ज्यादा अगर जोर दिया

शिक्षा की नींव रखी और आज अगर भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में सशक्त हो रही हैं तो उसका श्रेय केवल और केवल ज्योतिबा फुले को जाता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र के अलावा किसानों की आसमान छूती समस्याओं के खिलाफ भी आंदोलन चलाकर उन समस्याओं का निराकरण कराया और उन समस्याओं को अपनी एक बहुत शानदार कृति किसान का कोड़ा में लिखा है। हर क्षेत्र में दलितों पिछड़ों और अधिकार वंचितों को गुलामी की जिंदगी से निजात दिलाने के लिए आंदोलन चलाया और गुलामगिरी नामक क्रांतिकारी पुस्तक लिखकर

किया। सती प्रथा के खिलाफ जो कानून बना यह ज्योतिबा फुले की देन है। विधवा औरतों की पहाड सी समस्याओं को के खिलाफ आंदोलन चला कर उनको समाप्त करने का काम करके विधवा पुनर्विवाह की वकालत की। भारत में ऐसा क्रांतिकारी समाज सुधारक शायद ही कोई हो जिसे शिक्षा होना पड़ा हो। हमें ज्योतिबा फुले जैसे उनके लिखे साहित्य को पढ़ने की आवश्यकता है ताकि उनके विचार जन-जन तक पहुंचे और यह देश फिर

जिला सैनी सभा के द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम सेप्रधानमंत्री, भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को विज्ञापन दिया गया।

जिसमें जिले का नाम पुनः ज्योतिबा फुले नगर करने, जातिगत जनगणना कराने, रोहिणी आयोग को लागू करने, सैनी माली कुशवाहा मौर्य समाज को अति पिछड़े वर्ग में शामिल करने तथा पूरे देश में एक देश,एक सी शिक्षा जैसा कानून लागू करने की मांग की गई है।

इस अवसर पर सर्वश्री गंगा शरण सैनी, मनोनीत कुमार सैनी, राजकुमार सैनी, योगेश कुमार सैनी, विजेंद्र सिंह संजीव

सकुशल सम्पन्न हुई ईद-उल-फितर की नमाज, मांगी अमन चैन की दुआड्रोन से की गई निगरानी

रोडवेज में डीजल चोरी का बरेली से लखनऊ

तक हल्ला, एमडी ने तलब की रिपोर्ट, एआरएम

समेत कर्ड अफसरों पर गिरेगी गाज

संवाददाता बरेली। रोडवेज में डीजल चोरी का मामला तुल पकड़ गया है। बरेली से लेकर लखनऊ तक डीजल चोरी का हल्ला है। रोडवेज एमडी मासूम अली सरवर ने पूरे मामले की रिपोर्ट तलब की है। बरेली डिपो के एआरएम, फोरमैन, अकाउंटेंट, डीजल इंचार्ज समेत कई पर गाज गिर सकती है। जीएम टेक्निकल और बरेली रीजन के नोडल अधिकारी अजीत सिंह मामले में रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं।पोल खुलने पर इनको किया था निलंबित भ्रष्टाचार की पोल खुली तो लिपिक मोहम्मद अजीम और सुनील सक्सेना को निलंबित करते हुए आरएम दीपक चौधरी ने लेखाकार ओमपाल सिंह से जवाब तलब किया है। रोडवेज में 30

डीजल चोरी व मिलावट के मामले पकड़े गए थे। अधिकारियों ने तब मामले को रफादफा कर दिया था। एआरएम बरेली डिपो ने भी इसके बाद वर्कशॉप के डीजल पंप का निरीक्षण तक नहीं किया। रिकॉर्ड का मिलान भी नहीं किया गया। ऐसे में डीजल चोरी होती रही। सेवा प्रबंधक धनजी राम ने इस संबंध में शासन को पत्र लिखा।एरआरएम, फोरमैन समेत कई से मांगा जवाब जांच में पता लगा कि वर्षों से डीजल की आपूर्ति व खपत का ऑडिट ही नहीं कराया गया है। ऑडिट में घपले का खुलासा होने के बाद एआरएम, फोरमैन, अकाउंटेंट, डीजल इंचार्ज भी लपेटे में आ गए हैं। इन पर भी कार्रवाई हो सकती है। नोडल अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि डीजल की आपूर्ति और खपत में गड़बड़ी से निगम को नुकसान हुआ है। जांच के बाद रिपोर्ट एमडी को दी जाएगी। इस मामले में आरएम दीपक चौधरी ने बरेली डिपो के एआरएम संजीव कुमार श्रीवास्तव और रुहेलखंड डिपो के एआरएम अरुण वाजपेई से स्पष्टीकरण

संवाददाता बरेली। ईदगाह समेत सभी प्रमुख दरगाहों, खानकाहों व मस्जिदों की इतेजामिया कमेटी ने ईद की नमाज का समय घोषित कर दिया है। मुख्य नमाज बाकरगंज स्थित ईदगाह में सबह 10:30 बजे अदा की जाएगी। कुछ मस्जिदों में दो शिफ्टों में भी नमाज की व्यवस्था की गईं है।बरेली, शहर में धमधाम से आज यानि गरुवार को ईद-उल-फितर का त्योहार धमधाम के साथ मनाया जा रहा है। मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दुसरे को गले लगाकर बधाई दीं। इस दौरान शहर की मस्जिदों में शालीनता से ईद की नमाज अदा की जाएगी। बता दें कि बुधवार शाम ईद के चांद का दीदार हुआ और लोगों ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।



अदा जिले में ईद पर ईदगाह समेत तमाम मस्जिदों में हजारों लोगों ने खुशनुमा माहौल में नमाज अदा की। दरगाह खानकाह-ए-नियाजिया में सुबह 9:30 बजे नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद देश में अमन, एकता और अब्दुर्रहीम नश्तर फारूकी ने बताया कि ईद खुशहाली के लिए दुआ मांगी। लोगों ने गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। उसके 11 अप्रैल को मनाई जा रही है। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किए गए बाद बाकरगंज स्थित ईदगाह पर 10.30 है ईदगाह पर सैकड़ों लोगों ने की नमाज बजे नमाज अदा की गई। शहर की अन्य

दरगाहों व मस्जिदों में भी शालीनता से नमाज अदा कर मुल्क के अमनो चैन की दुआ की गई ।ड्रोन से निगरानी इस खास मौके पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा और निगरानी के खास बंदोबस्त किए हैं। घनी आबादी वाले इलाकों में ड्रोन की मदद से निगरानी की जा रही है। शहर की सभी मस्जिदों और ईदगाह पर पुलिस तैनात की गई है। पुलिस अधिकारियों के साथ टीम बनाकर प्रशासन के अफसर भी भ्रमण पर रहेंगे।

रिश्तेदार को फंसाने की नीयत से एक युवक ने हाईवे पर अपने वाहन में खुद ही आग लगा दी,

संवाददाता शाहजहांपुर। खुटार में जब तक फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई, तब तक वाहन पूरी तरह से जल चुका था। पुलिस ने साजिश रचने वाले युवक का शांतिभंग में चालान कर दिया शाहजहांपुर के रामलीला मैदान में मेयर और पार्षदों का किया शपथ समारोह



सिंधौली के गांव बेनीपुर निवासी अपनी सास सुमन मिश्रा को लेकर पुवायां के गांव बितौनी जा रहा था। नेशनल हाईवे-731 पर सुबह करीब 8:30 बजे खुटार क्षेत्र में गोमती पुल के पास सास को उसने उतार दिया। इसके बाद वाहन में आग लगा दी। मेडिकल कॉलेज के छात्र को हॉकी से जमकर पीटा, तीन पर रिपोर्ट दर्ज आसपास के लोगों ने मामले

की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। इधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गोल्डन से पुछताछ की। उसने बताया कि उसके रिश्तेदार ने वाहन रुकवाकर उसमें आग लगा दी और फरार हो गया। शक होने पर पुलिस गोल्डन और उसकी सास को

भमोरा क्षेत्र में सप्ताहभर पहले एक छात्रा की हत्या कर दी गई थी



पांच गो तस्करों के खिलाफ

से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित डम्पर ने बाइक सवार लोगो को रौंद डाला, बरेली। यूपी के पीलीभीत जनपद मे सडक हादसे में बाइक सवार एक पीलीभीत हरिद्वार नेशनल हाईवे पर दो महिला सहित 4 लोगों की मौके पर ही बाइक सवारों व डंपर की आमने-सामने दर्दनाक मौत हो गई।घटना से इलाके में भिंड़त हो गई। दो बाइकों में एक पर 3 हड़कम्प मच गया, मौके पर स्थानीय व दुसरी बाइक पर दो लोग सवार थे। लोगो ने हाइवे जाम कर दिया, घटना जिसमें टक्कर के बाद मौके पर एक की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुची महिला सहित 3 लोगो की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना के पुलिस ने मृतको के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुताबिक यह सभी लोग ईद की नमाज और 1 घायल युवक आकिब को गंभीर पढ़ कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया।परिजनों को मौत की अवस्था मे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों के खबर लगते ही परिजनों में कोहराम प्राथमिक उपचार के दौरान ही उसकी मच गया है। घटना थाना जहानाबाद इलाके के स्थित निसरा बारातबोझ गांव भी मौत हो गई। बही घटना की सूचना की है।थाना जहानाबाद अडोली गांव पर सपा कांग्रेस इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी भगवत शरण गंगवार निवासी उवैश पत्नी शाकरा, आकिब

भी जिला अस्पताल पहुँचे जहां मृतकों

के परिजनों से बातचीत कर सभी को

ढांढस बंधाया। और जिले के डीएम व

एसपी को भी घटना से अवगत कराया।

पीलीभीत में हुए सड़क हादसे

में एक महिला ब ५ की मौत

संवाददाता बरेली। कुशीनगर शर्मा के खिलाफ हाटा कोतवाली 11अप्रैल उतर प्रदेश के कुशीनगर मे तस्करों के खिलाफ चल रही कार्रवाई के क्रम में हाटा कोतवाली पुलिस ने पांच गो तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। सभी आरोपी देवरियाए गोरखपुर और कुशीनगर जिले के रहने वाले है। हाटा कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली तुलादास निवासी नसरूल्लाहए पिपरा कपूर के निवासी म0 ईमानदार, पटहेरवा थाने के मेंहदिया बुजुर्ग गांव के दुर्गेश प्रसाद, गोरखपुर जिले के बहरामपुर गांव के दीनानाथ यादव और तमकुहीराज थाना

क्षेत्र के बसडीला बुजुर्ग निवासी संजय

चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की निगाहें बरेली पर थीं। उन्होंने

सांसद संतोष गंगवार को पूरी तवज्जो

दी। दोनों की गर्मजोशी के साथ

मुलाकात हुई। अन्य नेताओं के

मुकाबले संतोष गंगवार को बातचीत

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवार्ड की है। बताया जा रहा है कि इन सभी आरोपियों के खिलाफ हाटा कोतवाली सहित विभिन्न थानों में गो तस्करी और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है। पुलिस के बताया कि यह सभी मिल कर गो तस्करी सहित अन्य आपराधिक वारदातों का संचालन करते हैं। पुलिस ने नसरूल्लाह को इस गैंग का सरगना बताया है। इन सभी के खिलाफ हाटा कोतवाल राजप्रकाश सिंह तहरीर पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।



तहरीर पर छात्रा के माता-पिता समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि छात्रा ने प्रेमी के खिलाफ बयान नहीं दिए तो नाराज पिता ने बेटी की हत्या कर दी। छात्रा एक युवक से प्रेम करती थी। छह महीने पहले रामगंगा किनारे लगे मेले से वह लापता हो गई थी और देर रात अपने घर पहुंची थी। तब तक

छात्रा के परिजनों ने इस युवक के खिलाफ बेटी को अगवा करके दुष्कर्म करने की रिपोर्ट कराई थी। गंभीर धाराओं में रिपोर्ट हुई तो छात्रा ने कोर्ट में बयान दिया कि उसे मितभ्रम हो गया था। इसमें युवक की कोई गलती नहीं है। इस केस में लगातार तारीख पड़ा रही थी। परिजन चाहते थे कि छात्रा प्रेमी के खिलाफ बयान दे। लेकिन छात्रा ने प्रेमी के खिलाफ बयान नहीं दिए इसलिए परिजनों ने उसकी हत्या कर दी। आरोप है कि परिजनों की बात न मानने पर 27 मार्च की रात छात्रा को उसके पिता. मां, भाई, चाचा व ताऊ ने गला घोंटकर मार दिया। अगले दिन तड़के ही रामगंगा नदी के किनारे उसका अंतिम संस्कार कर दिया। सुबह होने पर आसपास के लोग जुटने लगे तो अधजले शव को रामगंगा में बहा दिया। एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि युवक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। प्राथमिक तौर पर हत्या का आरोप सही लग रहा है। विवेचना में जो स्थिति सामने आएगी, उसके मताबिक कार्रवाई की जाएगी।

संतोष गंगवार के समर्थन में पोस्टर वायरल, लिखा- 'संतोष

संक्षिप्त डायरी

आखिर क्यों गिरफ्तार नहीं हुए तौकीर रजा?, अदालत के आदेश के बाद भी पुलिस की गिरफ्त से रहे दूर



संवाददाता बरेली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मौलाना तौकीर के सिर से गिरफ्तारी की तलवार फिलहाल हट गई है। इसके बाद सवाल उठ रहा है कि पहले फास्ट ट्रैक कोर्ट और फिर जिला जज की अदालत के आदेश के बाद भी पुलिस आखिर क्यों तौकीर को गिरफ्तार नहीं कर सकी। अफसर गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर कई राज्यों में दबिश देने का दावा तो करते रहे लेकिन असल में तौकीर कई दिनों से बरेली में ही थे। इसी जुमे को उन्होंने दरगाह आला हजरत की रजा मस्जिद में अलविदा की नमाज भी अदा की थी।सेशन कोर्ट के एक के बाद एक आदेश और पुलिस की टालमटोल कई सवाल खड़े कर रही है। पांच मार्च को दंगे का मुख्य अभियुक्त करार देकर तौकीर को फास्ट ट्रैक कोर्ट ने हाजिर होने का आदेश दिया लेकिन पुलिस ने अगली तारीख तक समन ही तामील नहीं कराया। इसके बाद 13 मार्च को गैरजमानती वारंट जारी हुआ तो टीमें गठित कर देश के कई राज्यों में दिबश देने का दावा किया गया लेकिन तौकीर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। सत्रों के मताबिक इस बीच पुलिस टीमें दिल्ली में मौलाना के नजदीक भी पहुंचीं लेकिन फिर भी उन पर हाथ नहीं डाल सकीं। इस बीच 19 मार्च को जैसे ही हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट के आदेश पर रोक लगाकर तौकीर को 27 मार्च तक पेश होने का आदेश दिया, तौकीर बरेली में प्रकट हो गए। उन्होंने बाकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। हाईकोर्ट की ओर से दी गई मोहलत खत्म होने के दो दिन पहले वह बरेली के ख़ुशलोक अस्पताल में भर्ती हो गए जहां से उन्हें बाईपास सर्जरी के लिए दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया। इस बीच पुलिस ने उन पर निगरानी तक नहीं रखी। 27 मार्च के बाद गैरजमानती वारंट फिर प्रभावी हो गया, तब भी पुलिस ने दिल्ली में भर्ती बताए जा रहे तौकीर पर निगरानी बैठाने की कोशिश नहीं की। गिरफ्तारी वारंट के प्रभावी रहते ही तौकीर पिछले दिनों बरेली आ गए। पुलिस अफसरों के दावों के मुताबिक इस समय भी दो टीमें तौकीर की तलाश कर रही थीं। तौकीर ने बरेली आने के बाद जुमे पर रजा मस्जिद में सैकड़ों लोगों के बीच अलविदा की नमाज भी अदा की। कहा जा रहा है कि ऐसा बहुत मुश्किल है कि पुलिस को इसकी भी जानकारी न रही हो। गिरफ्तारी न होने पर बार-बार नाराजगी जताती रही अदालतदंगे के केस में पिछली सुनवाई के दौरान भी जिला जज ने इस बात पर नाराजगी जताई थी कि तौकीर न पेश हुए न उन्हें गिरफ्तार किया गया। इससे पहले मार्च में भी केस की तीन-चार सुनवाई हुईं, हर बार अदालत ने गिरफ्तारी न होने पर नाराजगी जताई लेकिन पुलिस एक बार भी तनाव में नहीं

शिक्षकों ने किया तीन घंटे तक कुलसचिव का घेराव, पंचर की कार



संवाददाता बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में बुधवार को शिक्षकों और कुलसचिव के बीच तीखी झड़प हुई। वेतन से जुड़ी फाइलें आगे नहीं बढ़ाने का आरोप लगाते हुए शिक्षकों ने तीन घंटे तक कलसचिव का कार्यालय में ही घेराव किया। उनकी कार के पहियों की हवा निकालकर पंचर कर दी। प्रशासनिक भवन के सामने प्रदर्शन भी किया। कुलपति के हस्तक्षेप पर मामला शांत हुआ। दोपहर दो बजे विश्वविद्यालय परिसर के कई शिक्षक कुलसचिव कार्यालय पहुंचे थे। वहां वेतन निर्धारण की फाइल बढाने को लेकर शिक्षकों की काफी देर तक कलसचिव से बहस हुई। हंगामा देखकर सुरक्षाकर्मी भी कमरे के बाहर तैनात कर दिए गए। शाम पांच बजे तक सुनवाई न होने पर आक्रोशित शिक्षकों ने बाहर जा रहे कुलसचिव के सामने ही उनकी कार के पहियों की हवा निकालकर पंचर कर दी। कुलपित के हस्तक्षेप और तीन दिनों में समाधान का आश्वासन देने पर शिक्षक शांत हुए। शिक्षकों का आरोप है कि पद के अनुसार वेतन निर्धारण संबंधी फाइल कुलपित कार्यालय से पास हो चुकी है। उसके बाद भी कुलसिचव ने रोकी हुई है। कुलसचिव विश्वविद्यालय से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों में अनियमितता बरत रहे हैं। प्राथमिकता वाले मुद्दों की अनदेखी कर विश्वविद्यालय का आर्थिक और शैक्षणिक नुकसान किया जा रहा है। नगर निगम का बकाया भुगतान न करने से विवि पर सात करोड़ रुपये का अधिभार पड़ रहा है।कुलपित से मांग की कि व्यक्तिगत जवाबदेही तय करते हुए कुलसचिव के वेतन और चल-अचल संपत्ति से अधिभार की कटौती की जाए। कुलसचिव को सरकारी वाहन, सुरक्षाकर्मी, सफाईकर्मी, माली जैसी सुविधाएं दी गई हैं। ये सुविधाएं इन अधिकारियों को देने का कोई प्रावधान नहीं है। इन अनिधकृत सुविधाओं को समाप्त किया जाए। इस दौरान प्रो. एके सिंह, प्रो. मदन लाल, प्रो. राकेश मौर्य, प्रो. उपेंद्र बालियान, डॉ. कौशल किशोर, डॉ. दीपक गंगवार उपस्थित रहे। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलसचिव अजय कृष्ण ने बताया कि शिक्षक कार्यालय में बात करने आए थे। उनकी समस्याओं को सुना गया। मैं शासन के निदेशींनुसार नियम से काम कर रहा हूं।

हिस्ट्रीशीटर ने पहना भगवा चोला, भाजपा सांसद व कैबिनेट मंत्री ने ज्वाइन कराई पार्टी, रासुका, हत्या के दर्ज हैं मुकदमे

पुत्र हसीब खान, शाहिब पुत्र शाहिद

सहित अरबाज व आकिब बाइक पर

सवार होकर ईद की नमाज पढ़ कर

वापस लौट रहे थे, उसी दौरान सामने



संवाददाता बरेली। अपराधियों की जगह जेल और एनकाउंटर का दावा करने वाली भाजपा को भी अब उन्हें गले लगाने से परहेज नहीं है। हत्या, रासुका, जानलेवा हमला, रंगदारी जैसे संगीन मुकदमों को अपने नाम करने वाले हिस्ट्रीशीटर संदेश कनौजिया सपा छोड़कर अब भाजपा के हो गए हैं। यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, सांसद धर्मेंद्र कश्यप, भाजपा के क्लस्टर प्रभारी सुरेश राणा के साथ संदेश ने मंच साझा किया। उनके गले में भाजपा का पटका था। हिस्ट्रीशीटर ने पहना भगवा चोला, भाजपा सांसद व कैबिनेट मंत्री ने ज्वाइन कराई पार्टी, रासुका, हत्या के दर्ज हैं।

गंगवार के अपमान के समर्थन में अबकी बार- चुनाव बहिष्कार' संवाददाता बरेली। आठ बार के संतोष गंगवार के अपमान सांसद संतोष गंगवार का टिकट कटने के समर्थन में के बाद बरेली में अंदरूनी कलह कम अबर्की बार - चुनाव होने का नाम नहीं ले रही है। संतोष गंगवार का टिकट कटने के बाद से बहिष्कार जिले की बीजेपी में आरोप प्रत्यारोप का मेयर उमेश गौतम के इस्तीफा एवं दौर लगातार चल रहा है। संतोष गंगवार निष्कासन से कम कुछ भी मंजूर नहीं। का टिकट काटे जाने से उनके समर्थकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। अब उनके समर्थको ने संतोष गंगवार के तोष समर्थक, रोहिलखंड क्षेत्र समर्थन में चुनाव बहिष्कार के पोस्ट बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सोशल मीडिया पर डालने शुरू कर बदायूं, रामपुर दिए है। जो जमकर वायरल हो रहे है। आपको बता दें कि पीलीभीत के

वक्त भी ज्यादा दिया। प्रधानमंत्री ने जनसभा में बरेली के लोगों से मुलाकात को सौभाग्य बताया। साथ ही प्रत्याशी को जिताने की अपील करते हुए टिकट कटने के बावजूद अपने वरिष्ठ नेता की अनदेखी न करने का

भी दिया। उसके बाद भी उनके समर्थकों में गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सोशल मीडिया पर संतोष गंगवार के समर्थन में वायरल किया जा रहे हैं पोस्ट पर साफ लिखा है कि 'संतोष गंगवार के अपमान के

बहिष्कार' मेयर उमेश गौतम के इस्तीफा एवं निष्कासन से कम कुछ भी मंजूर नहीं। निवेदक संतोष समर्थक रोहिलखंड क्षेत्र बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर। वहीं पोस्टर पर संतोष गंगवार का फोटो भी लगा है।बरेली में संतोष गंगवार का टिकट कटने के बाद जिस तरह से कुछ दिन से गुटबाजी सामने आ रही थी, उस पर पीलीभीत में हुई प्रधानमंत्री की चुनावी जनसभा के बाद विराम लगने की उम्मीद थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के सामने भी संतोष समर्थकों ने किया था हंगामासोमवार को भारत सेवा ट्रस्ट पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की मौजूदगी में संतोष गंगवार के समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने मांग उठाई कि महापौर का

इस्तीफा लें या संतोष गंगवार को टिकट दे, तब ही कुर्मी समाज भाजपा को चुनाव लड़ाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के जाने के बाद भी वे नारेबाजी करते रहे। संतोष गंगवार के समर्थकों का कहना है कि रविवार को बरेली लोकसभा सीट से पार्टी के प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार के समर्थन में ब्राह्मण समाज की बैठक नगर निगम परिसर में बुलाई गई थी। आयोजक के रूप में महापौर उमेश गौतम समेत ब्राह्मण समाज से जुड़े वरिष्ठ नेताओं ने इसमें विचार रखे थे। अब एक ऑडियो क्लिप वायरल हो रही है, जिसे इस बैठक में महापौर का संबोधन बताया जा रहा है। इसी को लेकर सांसद संतोष गंगवार के समर्थक भड़के हुए हैं। सोमवार को दिन भर बैठकों का दौर चला। शाम को सांसद के कैंप

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी पहुंचे। बताते हैं कि संतोष समर्थकों की नाराजगी का पता चलने पर प्रधानमंत्री मोदी के पीलीभीत कार्यक्रम में जा रहे चौधरी इसी सिलसिले में उनसे बात करने पहुंचे थे। कार्यकताओं ने उन्हें देखा तो नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। महापौर का नाम लेकर आरोप लगाए। चौधरी ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। थोड़ी देर रुककर चौधरी ने संतोष गंगवार से बात की और निकल गए। इस दौरान गेट तक धक्कामुक्की और खींचतान का माहौल रहा। कार्यकताओं ने कुछ देर के लिए भारत सेवा ट्रस्ट का गेट भी बंद कर दिया था। सांसद के कार्यालय के बाहर देर रात तक समर्थक नारेबाजी व हंगामा करते रहे

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : चुनावी खेल में चीन



डॉ. मनीष कुमार चौधरी

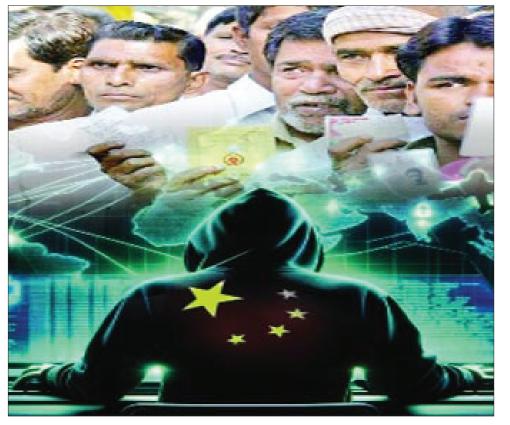
विगत दिनों माइक्रोसॉफ्ट ने एक चौंकाने वाली चेतावनी दी है। उसका कहना है कि चीन आर्टिफशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) द्वारा चुनाव को प्रभावित कर सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्टित लोकतंत्र है। निष्पक्षता एवं पारदर्शिता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैं। भारत में संसदीय चुनाव ५४३ सीटों के लिए सात चरण में प्रस्तावित है। पहले चरण की वोटिंग १९ अप्रैल को और आखिरी चरण की वोटिंग एक जुन को होना तय है। चार जून को १६वीं लोक सभा चुनाव का परिणाम आएगा।

ज्ञानिक तकनीक ने एक ओर मनुष्य को सुविधा और समृद्धि दी है, तो वहीं दूसरी ओर असुरक्षा और एक प्रकार से निजता पर हमला भी किया है। दुनिया रोज बदल रही है, और इस बदलती दुनिया में सबसे कठिन है मनुष्य का अपने ऊपर नियंत्रण और दूसरी चीजों के प्रभाव से अपने आप को बचा लेना। संप्रति हमारे देश में संसदीय चुनाव होना है, जिसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। चुनाव का इतिहास इस बात की गवाही देता है कि मतदाताओं को प्रभावित करने का काम सिर्फ पार्टियों की विचारधारा, योगदान, नेतृत्व की छवि, भविष्य की कार्ययोजना आदि बातों में अंतर्निहित होता रहा है।

विगत दिनों माइक्रोसॉफ्ट ने एक चौंकाने वाली चेतावनी दी है। उसका कहना है कि चीन आर्टिफशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम मेधा) द्वारा चुनाव को प्रभावित कर सकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित लोकतंत्र है। निष्पक्षता एवं पारदर्शिता भारतीय लोकतंत्र की आत्मा हैं। भारत में संसदीय चुनाव 543 सीटों के लिए सात चरण में प्रस्तावित है। पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को और आखिरी चरण की वोटिंग एक जून को होना तय है। चार जून को 16वीं लोक सभा चुनाव का परिणाम आएगा।

माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी निस्संदेह भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा है। भारत-चीन संबंध सदैव विवादित और तनावपूर्ण रहे हैं। भारत की लगातार कोशिशों के बावजूद चीन सीमा पर अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। चीन की वैंकि साख पर भी प्रश्न चिह्न लगते रहे हैं। दुनिया के अधिकतर देशों ने वैंकि आपदा कोविड के लिए चीन को ही दोषी माना है। माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी का अर्थ है चीन आर्टिफशियल इंटेलिजेंस द्वारा वोटरों का राजनीतिक पार्टीयों की तरफ झुकाव बदलने या उन्हें भटकाने की कोशिश करेगा। सोशल मीडिया पर भी ऐसा तथ्य पोस्ट करेगा, जिससे चुनावों के दौरान जनता की राय चीन के पक्ष

माइक्रोसॉफ्ट टीम के मुताबिक, चीन समर्थित साइबर संगठन नॉर्थ कोरिया के साथ मिल कर 2024 में होने वाले कई देशों के चुनावों को निशाना बनाने वाले हैं। चीन भारत को ही नहीं, बल्कि यही हथकंडा अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में भी इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है। यह वर्ष दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे महत्त्वपूर्ण वर्ष साबित होने जा रहा है। इस वर्ष दुनिया के 63 देशों (और यूरोपीय यूनियन) में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव



होंगे जिनमें दुनिया की कुल आबादी का 49% हिस्सा मताधिकार का प्रयोग करेगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने अपने बयान में कहा, है 'इस साल दुनिया भर में, विशेष रूप से भारत, दक्षिण कोरिया और अमेरिका में चनाव होने वाले हैं। हमारा आकलन है कि चीन अपने हितों को फायदा पहुंचाने वाला आर्टिफशियल इंटेलिजेंस जनरेटेड कंटेंट बनाएगा और लोगों तक इसे पहुंचाएगा। ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि माइक्रोसॉफ्ट ने चेतावनी दी है कि चीन की इस हरकत का प्रभाव आने वाले समय में बढ़ेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि आर्टिफशियल इंटेलिजेंस जनरेटेड कंटेंट का तुरंत प्रभाव तो कमतर नजर आएगा, लेकिन चीन जिस गति से इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढा रहा है, उससे आने वाले

दिनों में इसका असर और ज्यादा प्रभावी और गंभीर हो सकता है।

टेक्नोलॉजी की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कहा है कि ताइवान के चुनाव को प्रभावित करने के लिए चीन ने आर्टिफशियल इंटेलिजेंस द्वारा गलत जानकारियां सोशल मीडिया पर साझा की थीं। इस दौरान स्टॉर्म 1376 (स्पैमौफ्लैज) नाम का चीनी ग्रुप काफी सिक्रय था। यह ग्रुप नेताओं के फेक ऑडियों और मीम्स बनाता था और इन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करता था। इसका उद्देश्य सिर्फ कुछ उम्मीदवारों को बदनाम करना और मतदाताओं को भ्रमित करना था। इसके बाद भी ताइवान में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और मौजूदा उपराष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते ने राष्ट्रपति चुनाव जीता था। चीन की कोशिश सफल रही या असफल, यह

पूर्णतः सत्यापित नहीं हो पाया है। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने यह भी कहा है कि इस बात के बहुत कम प्रमाण हैं कि जनता को भ्रमित या प्रभावित करने की चीन की यह कोशिश सफल रही या नहीं। चीन ने ऐसा कुछ अमेरिका में भी करने की कोशिश की है।

इस पूरे संदर्भ को देखने के बाद कहा जा सकता है कि विज्ञान ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है। मानवीय सभ्यता के विकास में विज्ञान के अवदान को कृतज्ञ मन से स्वीकार करना पड़ेगा। सुचना एवं तकनीकी ज्ञान का विस्तार मनुष्य की निजता और सार्वजनिकता, दोनों पर प्रहार कर रहा है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हमारी व्यक्तिगत चीजें भी सार्वजनिकता के मुहाने पर खड़ी हैं। माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी दरअसल, राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। हमारी आंतरिक और वाह्य सुरक्षा को प्रभावित करने से संबद्ध है। चीन की विस्तारवादी नीतियों का खिमयाजा संपूर्ण विश्व

आने वाले दिनों में हमें इस तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी रूप से और उन्नत होना होगा। भविष्य में यह चुनौती और भी बढ़ेगी। इसलिए हमें आने वाले खतरे की पहचान और परख होनी चाहिए। समस्या की बेहतर परख और विश्लेषण जरूरी है। भारत सुचना एवं तकनीकी के क्षेत्र में आत्मिनर्भर है, समृद्ध है। साइबर खतरों से दुनिया जूझ रही है। आखिर, इतने छल और छदम के बीच मानवीय जीवन कैसे अपनी स्वाभाविकता को बचा पाएगा? क्या हम ऐसे जीवन और समाज की परिकल्पना कर सकते हैं, जो अपनी वास्तविकता में न होकर पूर्णतः कृत्रिम हो। यह सोच ही मनुष्य के सभ्यतागत विनाश की उद्घोषणा है। विज्ञान की हर कोशिश मनुष्य के जीवन को सरल और सहज बनाने की संकल्पना पर केंद्रित है। दुनिया के देश एक दूसरे पर आरोप- प्रत्यारोप लगाते रहेंगे। आर्टिफशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग की तुलना में इसके उपयोग और जरूरतों को विस्तार देना जरूरी है। चुनाव आयोग इस संदर्भ में संभावित सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता के साथ लागू करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इतने बड़े लोकतंत्र में निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराना बड़ी चुनौती है। यह चुनौती तब और भी बड़ी और विकराल हो जाती है, जब इस तरह की चेतावनियों के बीच चुनाव कराना हो। मनुष्य आशा में जीता है। आशान्वित है कि भारत का समृद्ध और मजबृत लोकतंत्र फिर से नया इतिहास लिखेगा।

संपादकीय

सबसे मुश्किल विपक्ष

अरविंद केजरीवाल मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के बेबाक फैसले ने कई भ्रमों को दूर कर दिया है। यही कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करना गलत है। इसलिए कि वह झूठे तथ्यों और डराए गए गवाहों से बलात लिए बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली सरकार को जमींदोज के इरादे से रची गई साजिश के तहत है। यह आम चुनाव में भागीदारी के समान अवसर के अधिकार से वंचित करना है। इनके पीछे केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार है, जिसके इशारे पर ईडी काम कर रहा है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने 25 मिनट तक पढ़े गए अपने फैसले में केजरीवाल की याचिका के सभी मुद्दों को बिंदुवार स्पष्ट किया है। फैसले के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी नियमतः और साक्ष्य-आधारित है। रिमांड जायज है। ईडी के आठ-आठ समनों के बाद भी पूछताछ में न आना और पर्याप्त सबूत भी हों तो गिरफ्तारी लाजिमी है। इसमें हैसियत के हिसाब से फेरबदल नहीं किया जा सकता। दिल्ली के मुख्यमंत्री कीआबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के करोड़ों रुपये के मामले में प्रमाणित संलिप्तता रही है। वे इससे व्यक्तिगत रूप से और बतौर आप संयोजक जुड़े रहे हैं। इसकी पुष्टि ईडी के समक्ष नहीं, बल्कि अदालत में धारा 164 के तहत गवाहों के बयानात से भी होती है। हालांकि आप नेता इन्हें ईडी का गढ़ा मान रहे हैं। उनका यह रवैया जनता को तथ्यों से गुमराह करने वाला है, चुनावी मौसम में वह चाहे जितना सही हो। यह अदालत की मान्यता के भी विरु द्ध है। हालांकि उच्च न्यायालय ने इन गवाहों से आगे मुकदमे की सुनवाई के दौरान केजरीवाल के बहस के हक को नकारा नहीं है। न्यायालय का यह स्पष्टीकरण महत्त्वपूर्ण है कि यह मामला केंद्र नहीं बल्कि ईडी बनाम अरविंद केजरीवाल का है। यह कोई राजनीतिक नहीं, सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का मामला है। इसके आरोपित को जांच के तरीके तय करने या इसमें कोई सुविधा मांगने का हक नहीं है। उसे एक आम नागरिक की तरह ही लड़ाई लड़नी होगी। इस फैसले ने मुख्यमंत्री को पैदल कर दिया है। उन्हें सहानुभूति पाने के लिए नया तर्क गढ़ना होगा। केजरीवाल की सबसे बड़ी चुनौती न्यायालय के इस आकलन को गलत ठहराने की होगी, जो ईडी से सहमत है कि आप एक पार्टी नहीं, बल्कि कंपनी की तरह है और वे खुद निदेशक की तरह काम करते हैं। उनके लिए फैसले का यह सबसे मुश्किल विपक्ष है। केजरीवाल अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हैं, जहां इन टिप्पणियों पर भी गौर किया जाएगा।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से हैं जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

आम आदमी पार्टी के आरोप सच्चाई की कसौटी पर?



सनत जैन

उन्न म आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और ईड़ी पर लंबे समय से आरोप लगाती आ रही है। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी को खत्म करने के लिए सीबीआई और केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का उपयोग कर रही है। शराब घोटाले के आरोप तथा लोटस अभियान के माध्यम से आम आदमी पार्टी के विधायकों और पार्टी के पदाधिकारियों को तोड़ने की कोशिश की जा रही है। पिछले कई माह से यह आरोप आम आदमी पार्टी के नेता लगाते रहे हैं। पिछले दो साल से शराब घोटाले की जांच ईड़ी कर रही है। इसमें दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को जेल जाना पड़ा। ईड़ी को अभी तक मनी ट्रेल का कोई सबूत

की जमानत 6 महीने बाद सुप्रीम कोर्ट से मंजूर हुई है। मख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद भी आम आदमी पार्टी छोडकर कोई भी विधायक बाहर नहीं निकला। संजय सिंह की जमानत के बाद दिल्ली का नजारा ही बदल गया। आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच में सड़कों में संग्राम शुरू हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल में बंद है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। वह जेल से सरकार चलाने की बात कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी भी अब आर पार की इस लड़ाई में अब सुनार की तरह टुकटुक करने की बजाय, लोहार की तरह, एक ही हथौड़ा मारकर आम आदमी पार्टी को निपटाने की कोशिश करते हुए नजर आ रही है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईड़ी ने दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद के यहां कई महीने पहले छापा डाला था। करीब 23 घंटे तलाशी लेकर पूछताछ की थी। उसके बाद से यह मामला ठंडा पड़ा हुआ था। हाल ही में केंद्रीय परिवर्तन निदेशालय ने 12 अप्रैल को पुनः पुछताछ के लिए समन जारी किया है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय का समन मिलने के बाद और 12 तारीख के पहले, राजकुमार आनंद ने सरकार के मंत्री पर और विधायक दिल्ली पद से इस्तीफा दे दिया है। आनंद ने पत्रकार वार्ता में कहा, नहीं मिला है। इसी आधार पर हाल ही में संजय सिंह कि मैं भ्रष्ट आचरणों के साथ आम आदमी पार्टी के और इंडिया गठबंधन में सीधा मुकाबला होने जा रहा

नेताओं में नाम दर्ज नहीं करना चाहता हूं। आम आदमी पार्टी के पास शासन करने की नैतिकता नहीं बची है। यह कहते हुए उन्होंने आम आदमी पार्टी को छोड़ने की बात कही है। वहीं सांसद संजय सिंह का कहना है, समाज कल्याण मंत्री राजकुमार आनंद के यहां पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले साल छापा डाला था। हाल ही में जब ईड़ी ने पुनः समन जारी किया। उसके बाद से वह दबाव में थे। परिवार की दबाव और गिरफ्तारी से बचने के लिये राजकुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी को छोड़ा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है। जिसके लिए ईड़ी का उन्होंने इस्तेमाल किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के निजी सिचव को हटा दिया है। उपराज्यपाल आम आदमी पार्टी की सरकार पर रोज निशाना साध रहे हैं। जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी सड़कों पर आकर केजरीवाल के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। दिल्ली के उपराज्यपाल और केंद्र सरकार जिस तरह से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा कराने या सरकार को बर्खास्त करने के विकल्प तैयार कर रहे हैं। उससे दिल्ली की राजनीति में एक तुफान आ गया है। इसका असर सारे देश भर में हो रहा है। लोकसभा चुनाव का प्रचार शुरू हो चुका है। इस बार एनडीए

है। दिल्ली में जो कुछ हो रहा है उसका असर देश की राजनीति में पडना तय है। आम आदमी पार्टी का आरोप है लोटस अभियान पिछले 2 साल से चलाने की कोशिश भाजपा कर रही है। ईड़ी के माध्यम से आम आदमी पार्टी के नेताओं को जबरिया जेल भेजा जा रहा है। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की पिछले 2 साल से जांच ही चल रही है। नेताओं को जेल में बंद रखा जा रहा है। उन्हें लोकसभा चुनाव में प्रचार भी नहीं करने दिया जा रहा है। पार्टी तोड़ने की जो सूचनायें पार्टी को मिल रही थी। समय-समय पर पार्टी ने उसे उजागर किया। मीडिया हम से ही सवाल पूछता था। उन्होंने कहा जल्द ही राजकमार आनंद भाजपा में प्रवेश ले लेंगे। ऐसा ही लोटस अभियान भाजपा ने कई राज्यों में पहले भी चलाया है। इसी तरीके से विधायकों को तोड़कर विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को अस्थिर करके भाजपा की सरकार बनाई है। सुप्रीम कोर्ट में अरविंद केजरीवाल ने जमानत के लिए याचिका दायर की है। संभवतः सोमवार को सुनवाई होगी। इतना तो स्पष्ट है, कि आम आदमी पार्टी जो आरोप लगाती थी। इसकी सत्यता अब सामने आने लगी है। अब आरोप सत्यता की कसौटी में कसा जाना है। इसके बाद किसके आरोप में कितनी दम है। न्यायालय की कसौटी में कसने के बाद ही आरोपों की सत्यता का पता चल

मुद्दों से दूर भागता आम चुनाव...



री याददाश्त में देश में ये पहला और शायद आखरी आम चुनाव है जो कि जनता के मुद्दों से दूर भागता नजर आ रहा है। देश के मतदाताओं से सीधे जुड़े मुद्दों पर बातचीत करने के बजाय ऐसे मुद्दों पर विमर्श को केंद्रित करने की कोशिश की जा रही है जो न केवल अप्रासंगिक हैं बल्कि उनका आज की तारीख़ में देश और देश की जनता से कोई लेना-देना नहीं है। लोकतंत्र में जनता को भटकाना यानि लोकतंत्र को भटकाना एक गंभीर अपराध है ,लेकिन लोग हैं कि ये अपराध सीना ठोंक कर कर रहे हैं।

इस समय देश में अठारहवीं लोकसभा के लिए चुनाव की प्रक्रिया जारी है। इनमें से कम से कम 14 आम चुनावों का मैं चश्मदीद हूँ और कम से कम एक दर्जन आम चुनावों का कव्हरेज एक पत्रकार के नाते मैंने किया है। लेकिन ये पहला मौका है जब आम चुनावों को मुद्दों से भटकाने की एक सुनियोजित कोशिश की जा रही है। दुर्भाग्य ये है कि ये कोशिश वे राजनीतिक दल कर रहे हैं जो न सिर्फ जिम्मेदार माने जाते हैं बल्कि पिछले एक दशक से भारत के भाग्यविधाता भी बने हुए हैं। विपक्ष जैसे-तैसे आम चुनावों को मौजूदा मुद्दों पर लेकर आता है सत्ता पक्ष झटके में अतीत की एक कब्र खोदकर उसमें से अपने मतलब का एक कंकाल निकाल लाता है ,वो भी आधा-अधूरा और जनता को मुद्दों से भटका देता है।

तीसरी बार सत्ता में आने के लिए कटिबद्ध भाजपा के तरकस से लगभग सभी तीर निकल चुके है। राम मंदिर बन गया,जम्मू-कश्मीर को खंड-खंड कर वहां से



अनुच्छेद 370 का विलोप हो गया, तीन तलाक पर कानून बन गय। नारी शक्ति की वंदना हो गयी। समान नागरिकता कानून का शिगूफा भी छोड़ा जा चुका है। और अब जब कुछ नहीं बचा तो भाजपा के विद्वान रणनीतिकार अतीत की कब्र खोदकर श्रीलंका और भारत के बीच 1974 में हुए एक सीमा समझौते को खोज लाये। जिसे पिछले एक दशक से न भाजपा नेता जानते थे और न देश की जनता। अब भाजपा कच्चादीव विवाद खड़ा कर दक्षिण के तमिल मतदाताओं की भावनाओं को कुरेद कर अपना उल्लू सीधा करना चाहती है।

भाजपा के नेतृत्व को भलीभांति पता है कि वो अपनी पार्टी की सरकार की कथित उपलब्धियों के बूते से मौजूदा आम चुनाव नहीं जीत सकती। भाजपा ने इस बार गलती से तीसरी बार सत्ता में आने के लिए न सिर्फ चुनाव जीतने का बल्कि अपने लिए अखंड शक्ति हासिल करने के मकसद से 400 पार का नारा और दे दिया है। हकीकत ये है कि भाजपा की नाव मझदार में है । उसके लिए पिछले आम चुनाव में मिली कामयाबी के कीर्तिमान को ही बनाये रखना कठिन हो रहा है। चार सौ पार की बात तो दूर की

आप गौर कीजिये कि जब से कांग्रेस का चुनाव घोषणा पात्र न्याय पत्र के नाम से सामने आया है तभी से भाजपा के होश उड़ते दिखाई दे रहे है। भाजपा के पहले दर्जे के नेताओं ने कनग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र की तुलना मुस्लिम लीग से कर दी है। दुनिया जानती है कि इस देश में अब मुस्लिम लीग का कोई वजूद नहीं है। भाजपा के शीर्ष नेताओं ने ये टिप्पणी खीजकर की है। इससे बहुसंख्यक खुश नहीं हुए और अल्पसंख्यक दुखी जरूर हो गए। भाजपा यही करना चाहती है। अल्पसंख्यकों को दुखी करना ही भाजपा का असल उद्देश्य है ,क्योंकि भाजपा को पता है कि भाजपा लाख कारीगरी कर ले देश का अल्पसंख्यक उसके ऊपर भरोसा नहीं कर सकता।

दरअसल अठारहवीं लोकसभा के लिए होने वाले चुनावों में मुद्दा भ्ष्टार्चार होना था । भ्ष्टार्चार को संरक्षण देने वाले दल होना चाहिए था । इलेक्टोरल बांड से जुटाया जाने वाला धन होना चाहिए था। सरकार अपनी उपलब्धियों पर और विपक्ष सरकार की असफलताओं पर चुनाव लड़ता तो वास्तविक चुनाव होता। दुर्भाग्य ये है कि ये सब सत्तापक्ष होने नहीं देना चाहता। सत्तापक्ष मौजूदा विपक्ष को तो छोड़िये पचास साल पहले की सरकारों के फैसलों पर सवाल खड़े कर जनता को भ्रमित करना चाहता है। ऐसा किसी देश में नहीं होता। भारत में भी ऐसा कभी नहीं हुआ । न आपातकाल के बाद बनी पहली गठबंधन की सरकार ने ऐसा किया और न भाजपा के नेतृत्व में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने ये अपराध किया। अटल जी ने अतीत की कब्रें नहीं खोदीं । वे अपनी सरकार की उपलब्धियों पार चुनाव लड़े।

साइनिंग इंडिया उनका नारा था। आज की भाजपा सरकार अटल जी की सरकार का हश्र देख चुकी है ,इसलिए अपनी उपलब्धियों के बूते चुनाव न लड़कर अप्रासंगिक ,निराधार ,और निरर्थक मुद्दों को सामने रखकर चुनाव लड़ रही है। पिछले एक दशक में अपने लगभग सभी पड़ौसियों से रिश्ते बिगाड़ चुकी भाजपा सरकार के सामने अब गड़े मुर्दे उखाड़ने के अलावा जनता का समाना करने का कोई दूसरा विकल्प बचा ही नहीं है। भाजपा ने पिछले 10 साल में केवल और केवल चुनाव लड़ा है । देश को मजबूत करने के बजाय पार्टी को मजबूत किया है। भ्ष्टाचीर के खिलाफ लड़ाई का भाजपा का नारा महज एक धोखा साबित हुया है ,क्योंकि भाजपा ने हाल के वर्षों में कांग्रेस के जमाने के सबसे भ्र्टतम नेताओं को अपने साथ मिलाकर उन्हें मंत्रिपद और राज्य सभा

भेजा है उसे पूरे देश ने देखा है। देश की कमान कौन सम्हाले और कौन नहीं ,इससे हम जैसे लोगों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला लेकिन आम जनता और देश के भविष्य पर इसका दूरगामी प्रभाव अवश्य पडेगा। मुमिकन है कि देश सचमुच विश्व गुरु बन जाये और मुमिकन है कि सचमुच भारत की और दुर्दशा हो जाय। भारत की जनता को 1975 के आपातकाल से भी बुरे दिन देखना पड़ जाएँ , वो भी बिना आपताकाल की औपचारिक घोषणा किये बिना।

भारत की जनता ने 2014 में बुरे दिनों से बाहर निकलने और अच्छे दिन लाने के लिए भाजपा को वोट दिया था ,लेकिन भाजपा ने जो वादा किया था ,उसे निभाया नहीं ,उलटे जनता को फुसलाकर 2019 में भी उसका बहुमूल्य वोट हासिल कर लिया। लेकिन अब जनता दूध से क्या पानी तक से जली बैठी है। अब जनता सब कुछ फूंक-फूंककर देखेगी। देश का भविष्य देश की जनता के हाथों में है । देश की जनता को ही 1977 की तरह सिंहासन खाली करो कि जनता आती है का नारा देकर आगे बढ़ना होगा अन्यथा जनता सिंघासन तक नहीं पहुंचेगी कांग्रेस मिश्रित भाजपा जरूर पहुँच जाएगी।मतदान अवश्य कीजिये और अपना तथा अपने देश का ख्याल रखिये।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Systemic changes a must to curb fake encounters

ENCOUNTER specialists continue to pose grave problems for the police administration and operations. Recently, a notorious encounter specialist of the Mumbai Police, Pradeep Sharma, was sentenced to life imprisonment by the Bombay High Court in a 2006 case. The court also awarded a life sentence to 12 other cops, who were involved in the same case. This is exemplary punishment for trigger-happy police officers indulging in brazen illegalities

However, the popular impression that fake encounters are the handiwork of errant cops is misleading. The hard fact to be acknowledged is misleading. The hard fact to be acknowledged is that such encounters are the symptoms of a systemic malaise. At times, these encounters are staged by police officers because of the pressure exerted by their political masters and departmental bosses to show quick results by means fair or foul. The public, by and large, does not mind if ones take the law into their own hands not mind if cops take the law into their own hands and become executioners in the case of dreaded criminals. The police dilemma is compounded by the slow-moving criminal justice system. As trials drag on indefinitely in the courts, witnesses are easily gained over or turn hostile. Hence, the police face tremendous pressure to adopt extrajudicial methods and shortcuts. Some civil libertarians presume that extrajudicial killings stem from the 'bloodthirstiness' of the police officials. This is not always the case. The police are encouraged to do the dirty work because the are encouraged to do the dirty work because the criminal justice system is not functioning properly, and overhauling the system is an arduous and time-consuming job.

But the fact to be constantly borne in mind is that encounters are counterproductive and encourage contempt for the law within the police. Breaking the law in the name of law enforcement is unacceptable in a democratic society governed by the rule of law. It is unacceptable because it is arbitrary as a process and random in effect.

In its report, the National Police Commission strongly condemned false encounters as a remedy. The need of the hour is to strengthen the law and legal processes. Unfortunately, some senior police officers, instead of resisting pressure from their political masters, bend over backwards to please them. As the DIG in charge of the Crime Investigation Department (CID) of the Odisha Police, I was berated by then Chief Minister for not knowing all the tricks of the 'police tradecraft'. Admittedly, in every police department, there are violence-prone officers who frequently indulge in a disproportionate use of force. In the US, the Christopher Commission, which looked into the misuse of force by the which looked into the misuse of force by the police after the Rodney King incident (1991) in Los Angeles, could pinpoint a few officers who were frequently crossing a red line. There should be no hesitation on the part of the police leaders to be no hesitation on the part of the police leaders to discipline and, if necessary, weed out the black sheep. Thus, for dealing with the menace of fake encounters, systemic changes are called for. The National Human Rights Commission (NHRC), on receiving complaints of false encounters from the Andhra Pradesh civil liberties committee, held a public hearing in Hyderabad and recorded evidence. The NHRC Chairman, in a letter to the Chief Ministers, asked them to issue directions to Chief Ministers, asked them to issue directions to all police stations through the Directors General of Police on procedures to be followed where deaths had occurred in encounters with the police. The commission was of the view that the right to private defence should not be manipulated to justify fake encounters. The procedure outlined by the NHRC laid down that in the case of an encounter in which the police were involved, immediate steps should be taken to investigate the facts and circumstances leading to the incident and ascertain how the offence was committed and by whom. Moreover, if officers belonging to the same police station are members of the encounter party, it would be appropriate that other police agencies, preferably the state CID, should take over the investigation of such cases. Unfortunately, these salutary instructions of the NHRC remain just on paper and are highlighted only in their breach. It is not known if the NHRC has taken firm and tangible measures to ensure that its mandatory instructions are acted upon.limited point of view of the police.

Review policies of economic growth for course correction

What India wants is development that is sustainable and has nature & humanity at its core.

INDIA aspires to become a high-income, developed country (Viksit Bharat) by 2047. In pursuance of this comprehensive vision plan, the economy needs to wield phenomenal power to ratchet up the GDP growth rate and climb the commanding heights in 23 years from the current nominal GDP of \$3.73 trillion to a whopping \$30 trillion. In practical terms, the world's fifth-largest economy should show an extraordinary incremental growth of \$1.14 trillion every year to reach the pinnacle of \$26.14 trillion in two decades. If the growth rate of 7.6 per cent is taken into consideration, the GDP rose from Rs 38.78 lakh crore to Rs 41.74 lakh crore during the past year (2023-24). The increase is just Rs 2.96 lakh crore, against the Rs 81 lakh crore needed. This is too little to attain the 'developed country' tag by 2047, and it requires more than double the GDP growth rate at 15 per cent annually. The GDPs of the US, China, Germany, Japan and India are \$26.95 trillion, \$17.78 trillion, \$4.43 trillion, \$4.23 trillion and \$3.73 trillion, respectively. Their per capita GDPs are approximately \$80,410, \$12,540, \$52,820, \$33,950 and \$2,610, respectively. India is currently in the group of lower-income countries. It needs to tread a long road to reach various stages of low income, middle income and high income in 23 years. In order to get the 'high-income country' tag, India's per capita GDP should exceed \$12,055 by 2047.

The key drivers of economic growth are the contributions of the agriculture, industrial and services sectors to the gross GDP. The services sector dominated with a share of 53.34 per cent, while the industrial and agriculture sectors contributed 28.25 per cent and 18.42 per cent, respectively, to the GDP in 2023. However, in the case of top economies of the world, such as US, China, Japan and Germany, the services and industry sectors contribute 95-98 per cent together to their GDP basket, and the dependence on agriculture is hardly 1 per cent, except 6.9 per cent in the case of China. India's GDP contribution from these two sectors is 82 per cent. One of the stumbling blocks to India's growth aspirations is the slow and sluggish growth of the agriculture and industrial sectors. Another distinctive feature of a developed economy is that it exports more goods and services than it imports. Despite the fact that India's economy is one of the fastest growing major economies in the world, its high dependence on imports is its main shortcoming. The current account deficit is as high as 2 per cent of the GDP. The US, China, Japan and Germany, on the other hand, have a current account surplus of 5-10 per cent of their GDP. The FDI inflows have fallen drastically in recent years, and the debt has increased to \$625 billion (18.61 per cent of the GDP). These macroeconomic figures clearly show that India's economy needs to improve its export performance, reduce imports, attract a high inflow of FDI to key



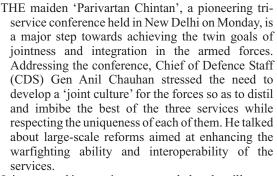
sectors and develop the industrial sector to realise its grand dream. India's economy continues to grow without the creation of adequate jobs for the youth, and this has aggravated income and wealth inequality. It has produced rapid degradation of natural resources and the environment in recent years. The rate of unemployment among the youth aged 20-24 years and those aged 25-29 years is 44.49 per cent and 14.33 per cent, respectively. The income and wealth share of the top 1 per cent of the population rose to 22.6 per cent and 40.1 per cent, respectively, in 2022-23. The per capita availability of water has drastically fallen to 1,486 cubic metres. Meanwhile, India overtook China to become the world's most populous country, with a population of 1.42 billion. It means 17.5 per cent of the world's population is sharing just 2.4 per cent of the land. These dynamic changes on the socio-economic and environmental fronts have limited India's growth prospects. Further, the structural transformations in terms of economic policies and labour laws have favoured corporations and financial institutions. The poor and the youth lack a level playing field in competitive job markets. India's human and environmental indices and rankings in the world are worsening. The country's agriculture and industrial sectors are globally not competitive in terms of production and productivity.

In furtherance of transforming India into a developed nation, the government has proposed a six-pronged strategy —structural transformation, improving

competitiveness, financial and social inclusion, reforms in governance, the technology-led Green Revolution 2.0 and labour market reforms. These policies are supposed to improve resource efficiency and sector-wise productivity to accelerate growth, thereby creating jobs and reducing poverty. However, India's goal raises many fundamental questions. Does the policy reflect the aspirations, ethos and values of the people of India? Are the growth of per capita income and GDP the only indicators that will make India a developed country by 2047? Is the high growth rate ecologically sustainable, given the plunder of natural resources? Does the high growth pattern distributes the income rightfully among the people? All these beg the question: development at what cost and whose cost? Many experts observe that India needs to tread a different developmental path rather than desperately following the one pursued by Western economies or by China, given India's diverse demographic, social, economic and environmental conditions. Therefore, the nation needs to realise its inherent macroeconomic strengths and weaknesses to gain the 'developed country' status by 2047. The government immediately needs to review its policies of economic growth for course correction and achieve sustainable and inclusive development. The world is desperately struggling amid the increasing incidence of climate change due to myopic and destructive economic policies. What India wants is development that is sustainable and has nature and humanity at its core.

Jointness & integration

Expedite big-ticket defence reform



pintness and integration are regarded as the pillars on which rests the government's initiative to make the armed forces 'future ready'. It is worrying that the rollout of theatre commands — a joint and integrated operational structure envisaging all three forces working in tandem under a common military commander — has been inordinately delayed. The main stumbling block for this big-ticket defence



reform is the apprehension of the smaller-sized Navy and

the Air Force about the potential domination of the Army in the proposed commands. A big challenge for the government and the defence top brass is to strike a balance between the formation of joint structures and the preservation of the unique identity and ethos of each service.

It is hoped that the brainstorming done at the conference will help in finalising a roadmap for seamless integration, taking into consideration the turf wars that are holding up the transition. Wedged between two hostile neighbours, India cannot afford to slacken the pace of modernisation, adaptation and collaboration. Warfare in the 21st century is mainly about maximising efficiency and minimising wastage of resources. Expeditiously building consensus on jointness and integration holds the key to early implementation of the theaterisation plan. This is vital for bolstering India's combat preparedness and fortifying its borders against all kinds of military transgressions.

Northern comfort elusive for INDIA

The electorally important region presents a picture of chaos and despondency for Opposition bloc

THE Opposition's INDIA (Indian National Developmental Inclusive Alliance) bloc has reasons to feel buoyant about its prospects in the southern states in the Lok Sabha polls. In contrast to the promising scenario on the other side of the Vindhyas, where INDIA is well placed in Tamil Nadu, Telangana, Kerala and relatively so in Karnataka, the North presents a picture of chaos and despondency for the alliance. The shambolic state of affairs derives in large part from the flaws inherent in every Opposition grouping against a near-hegemonic ruling force (till 1989, it was the Congress, and now it is the BJP), arising largely from ego clashes and a marked reluctance of the self-styled 'stronger' entities to share power equitably with their comrades, and the BJP's smash-and-grab approach towards razing a level playing field. The BJP's predatory tactics have caused major depletions in the critical mass INDIA required to put up a respectable challenge. The Congress which remains the Opposition's only pan-India party
has suffered the highest casualties. Several highprofile leaders have switched sides, enhancing the impression that an enfeebled Congress' innards have been hollowed out and it is, therefore, in no position to credibly confront the BJP and the NDA.

Jammu and Kashmir contributes only five seats to the Lower House of Parliament, but even in its truncated version as a union territory (the Kashmir valley has three seats and Jammu two), its symbolic significance stands undiminished for the BJP and INDIA. A recent development classically illustrates INDIA's inability to unify the Opposition, which includes the National Conference (NC), led by the Abdullahs, and the People's Democratic Party (PDP), headed by Mehbooba Mufti. Notwithstanding the earlier averments of an alliance, the NC and the PDP decided to fight each other in the Valley and have fielded their own candidates. The Congress failed to cement the grouping. Either the Congress lacked the political and moral authority to broker peace between the Abdullahs and Mehbooba Mufti or the party thought it more 'prudent' to go with the former.



However, it is useful to recall that a splintered Opposition could give the BJP the opening it sorely needs in the Valley. Moreover, the NC and the PDP have partnered with the BJP in the past after shedding their supposed aversions to its ideology.Cut to Uttar Pradesh and its bountiful 80 seats, much of which were netted by the BJP in 2014 and 2019. The Lucknow bazaar buzz has it that there's no jaan (life) left in INDIA after successive routs. The Samajwadi Party (SP) is the fulcrum of the alliance by a mile, but the prelude to the elections has been marked by bumps. The SP has fumbled in candidates' selection (it wasn't as though it was spoilt for choice); it has the shell of a party, namely the Congress, for an ally after losing weightier partners such as the Rashtriya Lok Dal and the Suheldev Bharatiya Samaj Party to the BJP, which nimbly put together a seatsharing arrangement to the apparent satisfaction of the

NDA's constituents. The SP chief, Akhilesh Yadav, was discernibly defensive about countering the BJP's blatantly divisive agenda, as revealed in PM Narendra Modi's speech last week at Ghaziabad.Muslims have always constituted a strong vote bank of the SP and the projected outcome of the alliance with the Congress is the consolidation of minority votes. Yadav's unwillingness to affirm a public stand on minorityrelated issues did not go down well with Muslim opinion-makers, clerics and minority members of the SP. His party's members periodically spoke up against it. The recent death of Mukhtar Ansari, a convicted criminal and politician with a strong base in eastern UP because of his Robin Hood image, drew massive crowds at his funeral, crowds that were undeterred by massive police deployment. The episode prompted Yadav to call on his family, especially since the SP has nominated Mukhtar's

brother Afzal from the Ghazipur Lok Sabha constituency in Purvanchal. Afzal Ansari had won the seat in 2004 as well as in 2019. On the other hand, the BJP has left no stone unturned in its marquee state as it is determined to recompense the NDA for the loss of nine seats — from 71 $\,$ in 2014 to 62 in 2019 — and perhaps win more. Modi has hit the ground running with a roadshow in Ghaziabad-Meerut; the BJP's tieups are in place and it has declared over 50 candidates. The Congress, crippled by a weak organisational setup and bereft of charismatic regional leaders, is still expecting the Gandhis to contest from the family boroughs of Amethi and Rae Bareli in Awadh. Should the family back off—especially in view of Rahul Gandhi's Amethi defeat in 2019—the UP rank and file fears that the Congress might draw a blank.

Where does INDIA's salvation lie in the North? In Haryana, the BJP seems to have willingly forfeited its ally, the Jannayak Janta Party (JJP), and the Jat votes it brought to the table. But the Congress doesn't look like the gainer it is notionally projected to be. The break-up only signifies that the JJP would split the votes of a dominant community, depriving the Congress of the cutting edge it might enjoy under Bhupinder Singh Hooda's stewardship.What about Delhi? Arvind Kejriwal is undeniably INDIA's protagonist after his arrest. The AAP has gone on the front foot, unfazed by the fact that many senior leaders, including the CM himself, are in jail. Its campaign pivots around Kejriwal and his government's flagship programmes, but is that enough of a counter against the BJP's all-too-powerful leader and a well-defined campaign replete with exaggerated claims about the Centre's 'achievements' and hard work on the ground? The centrality of Kejriwal, Hemant Soren (also incarcerated) and Tejashwi Yadav shows that willy-nilly, the Congress is forced to play second fiddle to north India's regional satraps. On the other hand, its direct faceoffs with the BJP in states such as MP, Rajasthan, Himachal Pradesh, Haryana and Chhattisgarh will be the ultimate test of its ability to reassert its political leadership.

Will Your Salary Rise After **Appraisal? Review Season** Fuels Astrology Career Advice

New Delhi. As April marks the onset of the annual appraisal season in many Indian companies, employees across the nation are eagerly anticipating salary hikes, promotions, and career growth opportunities. In this crucial time of professional evaluation, individuals often turn to astrology and other forms of divination for insights into their career prospects. A recent analysis conducted by Astroyogi, the digital astrology platform, sheds light on the prevalent career-related inquiries during this period. According to Astroyogi, statistics reveal a remarkable surge in career-related consultations in March and April, recording a 50-60% increase compared to other times of the year. Among the industries seeking the most guidance during appraisal season, the IT and corporate sectors take centre stage, reflecting the aspirations and ambitions of the country's workforce. Geographically, major metropolitan hubs such as Bengaluru, Delhi, Mumbai, and Hyderabad emerge as hotspots for career-related consultations during the appraisal season. With Bengaluru leading the pack at 60%, closely followed by Delhi at 50%, and Mumbai and Hyderabad at 40% each, these cities showcase the heightened focus individuals place on their career trajectories during this period.

Despite the evolving landscape of career aspirations, Astroyogi notes a consistent pattern in the types of questions asked compared to previous years.

Musk to meet Modi; Tesla's India plan soon

NEW DELHI. The long-pending announcement of Tesla's entry into the Indian market may take this month as its billionaire CEO Elon Musk will visit India soon to meet Prime Minister Narendra Modi."Looking forward to meeting with Prime Minister @NarendraModi in India!," Musk tweeted on Wednesday. It is said that during or after the meeting, Musk will announce his plans to invest and open a new factory in the country. As per Reuters, Musk will meet PM Modi on April 22 in New Delhi, and will separately announce his India plans. The report cited that Musk's final India trip agenda could still change. An announcement by Musk to set up a base in in the country will boost PM Modi's make-in-India initiative ahead of the crucial general election of 2024. As per industry sources, Tesla could send a team this month to search for locations for a proposed \$2-\$3 billion electric car plant. The team is said to be in talks with the state governments in Gujarat, Maharashtra, UP and Telangana for the proposed investment. The electric carmaker has already begun production of right-hand drive cars in its Germany plant to test the Indian market after the government last month slashed import duty on EVs for manufacturers who are willing to invest here.

Musk in a recent conversation with Nicolai Tangen, CEO of Norges Bank Investment Management, confirmed Tesla's entry into India. "India is now the most populous country in the world. India should have electric cars just like every other country. It's a natural progression to provide Tesla electric vehicles in India," he said in a Spaces session on X.This is not the first time Tesla has shown interest in investing in India. Market experts believe revised norms for imported EVs, what Tesla was lobbying for, make a compelling case for them to start making e-cars in India. Tesla has reportedly told Indian government officials that it is considering building a smaller car here, which would be priced less than \$30,000. It can sell the model here and export to Southeast Asia, the Gulf, Africa, and southern and eastern Europe. In a bid to attract Tesla and other global automakers to start making EVs in India, the Centre on March 15 made big changes in its EV policy. It has allowed import of completely built-up (CBU) EVs that have a minimum cost, insurance and freight (CIF) value of \$35,000 at 15% import duty for a period of 5 years.

What Are SBI Salary Package Accounts? Know Types & Which One Is For Your Need

NEW DELHI.Banks strategically design features for salary accounts to entice and maintain customers, with a focus on the employed demographic. By customising accounts to suit the requirements of salaried individuals, banks strive to foster enduring connections and reap various advantages. The SBI Salary Package account exemplifies this tailored banking service, provided by the State Bank of India (SBI), a prominent public sector bank in India.

Salary Package Account SBI

The SBI Salary Package account is crafted to meet the banking requirements of employed individuals, offering a plethora of advantages and functionalities that streamline financial management for them.It's crucial to acknowledge that the precise attributes and advantages of the SBI Salary Package account may differ depending on the package and the bank's terms





and conditions. If you're considering opening an SBI Salary Package account, it's advisable to visit the official SBI website or reach out to the bank directly for the latest details on the account features and eligibility requirements. According to the information available on the official website of SBI, here are some key features typically associated with the SBI Salary Package account:

What is a SBI Salary Package Account?

The Salary Package account is an exclusive savings option tailored for employed individuals, delivering distinctive perks and services along with effortless access to net banking and mobile banking facilities.

Vistara CEO says 'worst is behind us'; operations have stabilised

NEW DELHI: After facing significant flight disruptions recently, Vistara CEO Vinod Kannan on Thursday told the airline staff that the "worst is behind us" and operations have already stabilised.Pilot woes have forced the Tata Group airline to temporarily cut down capacity by 10 per cent or 25-30 flights daily. While acknowledging that things should have been planned better, Kannan said it has been a "learning experience". He also said it has been a challenging start to the new financial year and the airline faced significant operational disruption from March 31 to April 2."The anxiety and frustration felt by our customers was matched in even measure to the pain that all of us felt in seeing our much-loved brand drawing negative commentary from $various \, quarters. \, I \, assure \, you \, that \, the \, worst$ is behind us, and we have already stabilised our operations, with our on-time performance (OTP) increasing to 89 per cent on 9 April 2024 (second highest among all Indian airlines)," he said in a message to the staff. The full-service carrier has around 6,500 people, including



about 1,000 pilots.In the wake of the disruptions, the top management of the airline had held a virtual meeting with the pilots.One of the reasons for the disruptions was also that some section of pilots reporting sick to protest against the new contract that will result in pay revision. According to Kannan, there were a multitude of reasons for the disruptions, including ATC delays, bird hits, and maintenance activities early last month."We were stretched in our pilot

rosters and there was not enough resilience to withstand injects that we would otherwise have weathered. We could and should have planned better, and this has been a learning experience for us which we will review thoroughly," the Vistara chief said.Most of the cancellations were in the domestic network and the carrier is working on plans for May and beyond."While the events of the last week may seem like a setback, the hallmark of our organisation has always been that we

have bounced back from tough situations ' and emerged stronger."I trust each of you to continue to put in all efforts to ensure that we do not let our brand, and our customer, down," Kannan said. As we emerge from this difficult phase, he said it is this commitment to being a customer-oriented airline that will help it bounced to be a let the said it is the said in the back stronger. The airline has also reached out to customers impacted by the cancellations and delays over the affected period."We have provided the necessary compensation as per the regulatory mandate, and have also offered additional service recovery vouchers for passengers whose flights were significantly delayed,' the Vistara chief said. The carrier has 70 aircraft in its fleet and is to operate more than 300 flights daily in the ongoing summer schedule."Dealing with disappointed customers is never easy but amidst all the chaos, we have received feedback on how some of you went beyond the call of duty to assist our customers to the extent possible," Kannan said and expressed gratitude to the pilots for cooperating and stepping.

ADB raises India's GDP growth forecast for FY25 to 7 per cent on robust investment, consumer demand

NEW DELHI: The Asian Development Bank (ADB) on Thursday raised India's GDP growth forecast for the current fiscal to 7 per cent from 6.7 per cent earlier, saying the robust growth will be driven by public and private sector investment demand and gradual improvement in consumer demand.

Γhe 2024-25 growth estimate is, however, lower than 7.6 per cent projected for the 2022-23 fiscal. Strong investment drove GDP growth in the 2022-23 fiscal as consumption was muted, the ADB said.

The ADB had in December last year projected the Indian economy to expand 6.7 per cent in the 2024-25 fiscal."The economy grew robustly in fiscal 2023 with strong momentum in manufacturing and services. It will continue to grow rapidly over the forecast horizon. Growth will be driven primarily by robust investment demand and improving consumption demand. Inflation will continue its downward trend in tandem with global trends," said the April edition of the Asian Development Outlook released on

Growth will be robust despite moderating in FY2024 and FY2025, it said. For the 2025-26 fiscal, the ADB has projected India's growth at 7.2 per cent. The ADB



said exports are likely to be relatively muted this fiscal as growth in major advanced economies slows down but will improve in Fy2025.

Monetary policy is expected to remain supportive of growth as inflation abates, while fiscal policy aims for consolidation but retains support for capital investment. On balance, growth is forecast to slow to seven per cent in FY2024 but improve to 7.2 per cent in FY2025," it said."To boost exports in

the medium term, India needs greater integration into global value chains," the ADB added. The ADB's growth forecast for FY25 is in line with the projections made by the Reserve Bank of India (RBI).

The RBI last week had said GDP growth in the current fiscal is projected at seven per cent on expectations of normal monsoon, moderating inflationary pressures and sustained momentum in manufacturing and services sectors.

Apple assembles 14% of iPhones in India during FY24

NEW DELHI. In a significant development for the domestic mobile manufacturing sector, US tech giant Apple reportedly assembled \$14 billion worth iPhones in India during financial year 2023-2024. This constitutes 14% of Apple's global iPhone production, meaning one in seven of its devices are now manufactured in the country. The move reflects Apple's strategy to diversify its production base away from China due to geopolitical tensions between the US and the world's second largest economy.Last year, commerce minister Piyush Goyal mentioned that Apple would start 25% of the total iPhone production in India by 2025. The company began manufacturing iPhones in India in 2017 and had a single applications of the company began manufacturing iPhones in India in 2017 and had a single application. since scaled up production. Currently, Apple is assembling iPhones ranging from the legacy 12 to its latest iPhone 15 in the country, but not the higher-spec Pro and Pro Max models.In India, the iPhone is manufactured by three contract manufacturers: Foxconn, Pegatron Corp., and Tata Group (formerly Wistron Corp.). According to the report, Foxconn is the biggest manufacturer



as it assembles nearly 67%, while Pegatron Corp. makes about 17% of the India-made iPhones. The surge in production also means that Apple will increase exports from India. According to the Indian Cellular and Electronics Association, India's mobile phone exports are expected to cross '1.2 lakh crore at the end of this financial year, led by Apple and Samsung. Now, mobile phones have become India's fifth-largest export as an individual commodity.Last year, India's conglomerate Tata Group acquired Taiwan's Wistron plant in Karnataka. The company is also in talks to take control of another iPhone manufacturing facility owned by Pegatron in the country. Tata plans to hold at least a 65% stake in a joint venture that will operate the Pegatron plant near Chennai. Tata, one of the largest conglomerates in India, will operate the joint venture through its Tata Electronics unit.

CBDT interim action plan to expedite taax cases

Direct Taxes (CBDT) has unveiled an interim action plan for the fiscal year 2024-25, outlining crucial areas for achieving key results within set timeframes. The plan focuses on prompt grievance redressal by addressing e-Nivaran and Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAM) concerns, alongside expediting refund approvals. It mandates resolution of at least 50% of major and 75% of minor internal and revenue audit objections received by December 31, 2023, and addressing 50% of objections from audits initiated on April 1, 2024, by June 30, 2024. All cases with seized assets awaiting release must be identified and released

NEW DELHI: The Central Board of by June.Potential prosecution cases issued, these pending refunds need resulting from surveys or previous proceedings up to FY24 need to be identified by June 30, 2024. The plan requires swift disposal of pending applications as of April 1, 2023, and new applications for Nil/lower TDS or TCS certificates under Sections

195/197/206C within a month. The immediate action items to be completed by April 30, 2024, entail two critical steps involving release of refunds that were put on hold as per section 241A of the Income Tax Act. These refunds are typically withheld until completion of scrutiny assessments and the necessary orders have been passed. Once scrutiny assessments are finalised and orders

approval for disbursement. The second step is approval by junior accounts officer (JAO)/range head of pending refunds related to ITBA e-returns. This action requires approval of pending refunds for all Assessment years associated with Income Tax Business Application (ITBA) electronic returns. These refunds, pending approval, need to be processed and cleared by the designated authorities like JAO or range head within specified timeframe. Sandeep Sehgal, Partner- Tax, AKM

Global, a tax and consulting firm, states, "Taxpayers are now required to file applications before assessing officer for pending refunds pertaining to their respective assessments.

Brent crude may hit 100/barrel this year if OPEC+ continues output cut

Due to various geopolitical issues, the Brent crude price is touching a new high, and it is trading at \$89.93 a barrel at 19.05 PM IST.

NEW DELHI. The crude price in the international market could hit \$100 a barrel this year if OPEC+ (the Organization of Petroleum Exporting Countries) continues with its production cut, said Russell Hardy, chief executive of the world's largest energy trader, Vitol.Russell, speaking at the FT Commodities Global Summit in Switzerland's Lausanne, also mentioned



that Vitol is expecting global growth of 1.9 million barrels a day this year, similar to 2023, with China, India, and jet fuel from increased air travel continuing to underpin growth."It's really a supplyconstrained market, but we've averaged about \$83/b so far this year, so \$80 to \$100/b feels like a sensible range for the

market given OPEC's control of inventories around the world," said Hardy. Due to various geopolitical issues, the Brent crude price is touching a new high, and today it is trading at \$89.93 a barrel at 19.05 PM IST. It went above \$91 per barrel on April 8, 2024, for the first time since October 2023, an increase

of almost 20% since the start of the year. The ongoing tensions between Israel and Iran over the OPEC producer's support for Hamas and recent attacks by Ukraine on Russian oil property can further increase the crude price in the international market. The voluntary production cut of 5 million barrels per day of crude announced by OPEC+ will further aggravate the situation.

'Predictions that oil prices will hit \$100/b this year have been growing of late, fueled by escalating tensions between Israel and Iran over the OPEC producer's support for Hamas in Gaza and strongerthan-expected demand data," said at S&P Global in a report.aThe situation is further aggravated by OPEC+'s voluntary production cut of 5 million barrels per day, announced in October 2022. Analysts at S&P Global believe the recent extension of these cuts, particularly by the "OPEC+ Six" (Iraq, the United Arab Emirates, Kuwait, Algeria, Kazakhstan, and Oman), combined with potential damage from Ukrainian attacks, increases the risk of even higher oil prices.

China-wary India sends defence attaches to African, Asian nations in a first

India will post defence attaches in several African countries, including Ethiopia, Ivory Coast, Mozambique, and strategically important Djibouti.

New Delhi. In a first, India will post defence attaches in several countries, with a focus on INDIA'S GROWING THIS WITH Africa, aimed at strengthening strategic ties and military diplomacy amid China's increasing efforts to expand its influence in the African nations. New Delhi will appoint new defence attaches in the African countries of Ethiopia, Ivory Coast, Mozambique, and Djibouti. This decision is in line with India's priority to expand its strategic engagement with the continent, news agency PTI reported. This will be the second time that India will post an attaché for

Djibouti, which holds maritime significance owing to being surrounded by the Red Sea and the Gulf of Aden.

Many African countries have already expressed keen interest in obtaining Indian military platforms, equipment, and hardware, the PTI report added.Furthermore, India will post defence attaches in the Philippines, Armenia, and Poland as well. New Delhi is also planning to rationalise its teams of military officials in its embassy in Moscow and high commission in London, PTI reported. A few of the defence attaches posted in these nations are set to be deployed in other regions as part of the rationalisation process.

As many as 16 defence attaches from the Indian Army, the Navy, and the Air Force will assume their new positions soon, PTI

AFRICA

Over the past few years, India has established itself at the forefront, flagging concerns, challenges and aspirations of the Global South or the developing nations, especially the African continent.India's relationship with Africa saw an upward tick amid China's consistent efforts to expand its influence in Africa. The induction of the 55-nation African Union as a permanent member of the G20 was seen as a major milestone in India's



presidency of the grouping of the 20 big economies of the world last year. Last month, External Affairs Minister S Jaishankar said that countries of the Global South feel for each other on several issues. Addressing an event during his visit to Tokyo, the minister highlighted India's leadership in the Global South and mentioned two meetings it convened to listen to various concerns of 125 countries, even as it bashed China for

skipping those."On a lot of issues, these countries feel for each other. The feeling has been intensified by Covid because many countries of the Global South felt that they were the last in the line to get the vaccine. They even felt at the time when India became G20 President that their concerns were not even on the agenda of the G20," Jaishankar said at the Nikkei Forum on the India-Japan

He further stated that the Global South doesn't consider it to be a "coincidence" that "it was under the Indian presidency that the African Union, which had long been promised a seat in the G20, got a seat". "So the Global South believes us," he said.

BOLSTERING TIES WITH PHILIPPINES, POLAND, ARMENIA

India is also looking at further expanding defence ties with the Philippines against the increasing global concerns over China's increasing military assertiveness in the South China Sea. These two countries have also been witnessing a boost in their relationship over the past few years. In January 2022, India sealed a \$375 million deal with the Philippines for supplying three batteries of missiles, PTI reported.ndia's decision to appoint a defence attache in Armenia came as the country, located in the Caucasus region and a former Soviet member, shows keen interest in deepening ties with the Asian nation. In 2023, an arms deal to supply Indian military hardware including multibarrel rocket launchers to Armenia was firmed up. The decision to post a defence attache in Poland, a member of the European Union (EU), is reflective of India's desire to expand two-way defence ties, PTI reported. Last year, the EU posted a military attache to its mission in India for the first time.

Inside Chief Justice DY Chandrachud's Chamber In Supreme Court

New Delhi. Chief Justice of India DY Chandrachud is mostly seen seated in the courtroom during the live streaming of important cases, but the chamber from where India's top judge runs the day-to-day court affairs remains behind the screens. For the first time, NDTV's Ashish Bhargava takes you inside his chamber and shows how Chief Justice Chandrachud executes his desk work. The Chief Justice has a busy schedule that transcends beyond the courtroom. The court timings are 10:30 am-4 pm, but that is not the punch-out time for the country's top judge. Administrative work continues till late evening and often includes meetings after court hours.

Chief Justice Chandrachud, who advocates paperless and digital courts, has also set an example with his chamber. In the middle of the computers and telephones in his office, one wouldn't find files piled up. The only file in the chamber was in his hands, containing his schedule for the day. Supreme Court Secretary-General Atul Madhukar Kurhekar assists him with his meetings, the cases listed the next day, and the administrative work.

The Chief Justice's desktop, kept in one corner of his desk, is one of the several gadgets at the centre of processing crucial cases. He replies to his emails and examines case files himself. Even instructions are issued via the laptop.All of our files are e-files. Using a laptop and computer is so simple," he says, pointing out that his chamber has turned digital just

From Covid Cure Claim To An **Anonymous Letter: How** Patanjali Case Unfolded

New Delhi. "What about all the faceless people who have consumed these Patanjali medicines stated to cure diseases which cannot be cured?" These were the Supreme Court's strong remarks in its brutal takedown of Uttarakhand authorities for inaction against Haridwar-based Patanjali Ayurved, founded by Yoga guru Ramdev and his aide Balkrishna.

The court's remarks, which included a "post office" metaphor for state authorities and a "will rip you apart" warning, came as the bench of Justice Hima Kohli and Justice A Amanullah rejected apologies by Ramdev and Balkrishna and said it will pass an order on April 16. This comes after a nearly three-year fight of the Indian Medical Association (IMA) against misleading claims made by Ramdev and Patanjali.

In February 2021, just before the Covid's Delta wave struck, Ramdev launched Patanjali's Coronil, which he described as the "first evidence-based medicine for COVID-19". The launch was attended by then Union Health Minister Harsh Vardhan, also a doctor. The poster at the event claimed that Coronoil holds a certificate of pharmaceutical product and is recognised by the WHO's Good Manufacturing Practices. WHO, however, clarified that it had not reviewed or certified any traditional medicine to treat or prevent COVID-19IMA said it was shocked to note the "blatant lie" of WHO certification for a "secret medicine" launched in presence of the Health Minister. The country "needs an explanation" from the minister, it said. Months later, a video of Ramdev was viral, in which he was heard saying that allopathy was a "stupid and bankrupt sign" that is "responsible for the deaths of lakhs of people". He said no modern medicine was curing Covid.

The IMA responded by sending a legal notice to Ramdev and seeking an apology and withdrawal of statements. It put out a statement, appealing to then Health Minister Dr Harsh Vardhan to charge against the Yoga guru under the Epidemic Diseases Act. Under fire, Patanjali Yogpeeth responded that Ramdev was only reading out from a forwarded WhatsApp message and has no ill-will against modern

science. What Were Authorities Doing

According to a BBC report, Patanjali in December 2020 urged state authorities to change Coronil's licence from an "immunity booster" to one for "medicine for Covid-19". The next month, the company said the product got approval as a "supporting measure" against Covid. The AYUSH Ministry and Uttarakhand state authorities had then confirmed to BBC that a new licence had been issued, but made clear that Coronil was "not a cure" for Covid.

Anti-corruption body upholds action on National Herald's Rs 752 crore assets

New Delhi. The Adjudicating Authority under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA), after extensive hearings, has upheld the provisional attachment order of assets of Rs 751.9 crore in connection with a high-profile money laundering case involving Associated Journal Limited (AJL) and Young India (YI). Congress's Rahul Gandhi and Sonia Gandhi were earlier questioned by the Enforcement Directorate in connection with the case. The two Congress leaders held 76 percent of shares in Young India. The Enforcement Directorate (ED) initiated proceedings last year, issuing an order to provisionally attach properties valued at Rs 751.9 crore as part of an investigation under the PMLA, 2002. The investigation

unearthed a complex web of financial irregularities allegedly involving AJL

According to the findings, Associated Journals Ltd. (AJL) was found to be in possession of proceeds of crime amounting to Rs 661.69 crore in the form of immovable properties across several cities in the country, including Delhi, Mumbai, and Lucknow. Additionally, Young Indian (YI) was discovered to hold proceeds of crime totaling Rs 90.21 crore in the form of equity shares in AJL.

The ED's probe was initiated based on a court order issued by the Court of Metropolitan Magistrate in Delhi, following a private complaint lodged on June 26, 2014. The court found merit in the allegations, ruling that seven accused individuals, including Young India, prima facie committed various offences including criminal breach of trust, cheating, misappropriation of property, and criminal conspiracy.It was revealed during the investigation that the accused orchestrated a criminal conspiracy to acquire valuable properties of AJL, originally earmarked for newspaper publishing purposes, through a special purpose vehicle, Young Indian. AJL, which had been allotted land at concessional rates for newspaper publication, ceased its publishing operations in 2008 and began utilizing the properties for commercial ventures.Further, it was found that AJL owed a substantial loan of Rs 90.21 crore to the All India Congress

"Unwarranted, Misleading": Centre On Congress Allegation On Sainik Schools

New Delhi. Congress chief Mallikarjun Kharge has written to President of India Droupadi Murmu, demanding a rollback of the Centre's move to "blatant attempt to politicise them". An "investigative report based on an RTI reply" has revealed that 62 per cent of the privatised Sainik schools belong to leaders of the BJP and the party's ideological mentor, the Rashtriya Swayamsevak Sangh, he wrote. The Ministry of Defence has denied the allegation, saying in a press note issued a few days ago that the system involves a strict selection

'The political or ideological affiliation or otherwise of the applicant institution does not influence the selection process. Attempts to politicize or distort the objectives and implementation of the scheme by casting aspersions on it, are unwarranted and misleading," the

ministry said. In his two-page letter, Mr Kharge said, "Indian Democracy has conventionally kept our Armed Forces away from any partisan "privatise" Sainik schools, calling it a politics. In the past successive Indian governments kept Armed Forces and its affiliate institutions away from shadows of varying political ideologies".

"It is not surprising that the union government has broken this well enshrined convention... they have dealt a body blow to the very nature and ethos of the Armed Forces. Imparting ideologically slanted knowledge in such institutions shall not only destroy inclusiveness but also damage the national character of the Sainik Schools, by influencing their character through partisan religious/corporate/family/social/cult ural credos," Mr Kharge wrote. Under the new Public-Private Partnership Agreement system that started in 2021, 40 MoUs were signed, Mr

Kharge wrote."Out of the 40 MoUs that have been signed, 62% have been signed with individuals & organizations belonging to the RSS-BJP-Sangh Parivar. This includes a Chief Minister's family, several MLAs, BJP office-bearers and RSS leaders," the letter read."Therefore, in National Interest, the Indian National Congress demands the complete rollback of this privatisation policy and annulment of these MoUs," he added. In its note, the ministry said the government has initiated the scheme of setting up 100 schools across the country "in partnership with NGOs/State Govt/Private Sector who are working in the education sector". There is a rigorous selection process and approval has been for only 45 schools after scanning over 500 applications. Approval to these schools is given provisionally and they will be monitored periodically,

Enforcement Directorate seeks arrest warrant for AAP's Amanatullah Khan

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) has filed a fresh plea for the issuance of a non-bailable warrant against Aam Aadmi Party (AAP) MLA Amanatullah Khan in connection with a money laundering case related to alleged irregularities in appointments in the Delhi Waqf Board.Special Judge for the CBI and ED, Rakesh Syal, scheduled the matter for April 18 after the agency requested time to file certain documents in support of its application.

A fresh application for issuance of a non-bailable warrant against Amanatullah Khan has been received. It is checked and registered as per the rules. The SPP (special public prosecutor) for the ED seeks some time to file certain documents in support of the application. As requested, put up for consideration on April 18, 2024," the judge stated.Khan, an AAP MLA from Okhla, was not named as an accused in a recent chargesheet filed by the federal agency. However, the ED recently moved a magisterial court seeking the prosecution of Khan for allegedly evading the agency's summons in the case. Additional Chief Metropolitan Magistrate (ACMM) Divya Malhotra summoned Khan on April 20 in the case. The federal probe agency has also alleged before the ACMM that Khan has elevated his role from a witness to an accused by filing an anticipatory bail plea and avoiding the investigation. The agency had also stated that the agency was unable to conclude the probe against Khan because he had not presented himself before it." All the other people are the aides of this particular person. His role is much larger than the other accused persons who have already been arrested and charge-sheeted," the ED had said. The agency has named five entities in its prosecution complaint (the ED's equivalent of a chargesheet), including three suspected associates of Khan, which include Zeeshan Haider, Daud Nasir, and Jawed Imam Siddiqui. The agency had, after conducting raids on premises linked to Khan and some others in October last year, claimed that the AAP MLA had acquired "huge proceeds of crime" in cash through illegal recruitment of staff to the Delhi Waqf Board and invested those for purchasing immovable assets in the name of his associates. The searches were conducted in the case related to the illegal recruitment of staff and illegitimate personal gains made by the accused by unfairly leasing out the Waqf Board properties from 2018 to 2022 when Khan was its chairperson, the ED has alleged.

Early Monsoon with more rain likely as La Nina set to return

Experts predict that this year's Monsoon could potentially arrive earlier than usual, driven by the simultaneous activation of the Indian Ocean Dipole (IOD) and La Nina conditions.

New Delhi. The Indian Meteorological Department (IMD) is poised to unveil its much-anticipated long range forecast for the Monsoon season. Experts predict that this year's Monsoon could potentially arrive earlier than usual, driven by the simultaneous activation of the Indian Ocean Dipole (IOD) and La Nina conditions.

These concurrent events are laying the groundwork for a robust monsoon with potentially high volumes of rainfall across several parts of the country.

The coupling of La Nina, a recurrent weather phenomenon characterized by



cooler-than-average sea surface temperatures in the Central and Eastern Pacific Ocean, and the Indian Ocean Dipole (IOD), a fluctuation of sea-surface temperatures in the Indian Ocean, is a unique meteorological occurrence. These interconnected dynamics are anticipated to significantly influence the Southwest Monsoon, offering an intriguing opportunity for researchers to gather a

rich trove of data to refine dynamical models and conduct advanced rainfallstatistical analysis. Most weather models suggest a positive IOD phase over the Equatorial Indian Ocean coinciding with the formation of La Nina in the Pacific. The simultaneous existence of these events, against the backdrop of the monsoon, indicates that these factors might augment peak monsoon conditions typically experienced from July to September.

During this period, monsoon lows, or depressions, are expected to follow an extended and steady trajectory towards West-Northwestern India and the North Arabian Sea. This suggests an increase in rainfall in these areas, chiefly caused by monsoon lows during the height of the monsoon season. Observations of unfolding La Nina conditions and the IOD phenomenon point towards a shift in the core monsoon convergence area towards the westerly. This triggers a reaction from the Arabian Sea near the Indian coastline, inciting large scale upward motion which supports the prevailing monsoon system, promoting increased rainfall throughout the season. The rare co-occurrence of the IOD and La Nina phenomena, set against the monsoon framework, provides meteorologists and climate scientists with a unique opportunity to deepen their understanding of weather patterns. Enhanced predictive capabilities will enable countries to better prepare and respond to shifting climate patterns, underscoring the crucial role of dynamic climate models and statistical analysis in modern climatology.

North Korea's Kim Jong Un says 'Now is the time to be ready for war'

Seoul. North Korean leader Kim Jong Un said unstable geopolitical situations surrounding his country mean now is the time to be more prepared for war than ever, as he inspected the country's main military university, KCNA news agency said on Thursday. Kim gave field guidance on Wednesday at Kim Jong Il University of Military and Politics, named after his father who died in 2011, which KCNA said is the "highest seat of military education" in the country.North Korea has stepped up weapons development in recent years under Kim and has forged closer military and political ties with Russia, allegedly aiding Moscow in its war with Ukraine in return for help with strategic

Affirming that if the enemy opts for military confrontation with the DPRK, the DPRK will deal a death-blow to the enemy without hesitation by mobilising all means in its possession," KCNA quoted Kim as telling the university staff and students.DPRK is short for the Democratic People's Republic of Korea, the North's official name."Outlining the complicated international situation ... and the uncertain and unstable military and political situation around the DPRK, he said that now is the time to be more thoroughly prepared for a war than ever before," KCNA said. Earlier this month, Kim supervised the test launch of a new hypersonic intermediate-range ballistic missile using solid fuel, which analysts said would bolster the North's ability to deploy missiles more effectively than liquid-fuel variants.North Korea has accused the United States and South Korea of provoking military tensions by conducting what it called "war maneuvers" as the allies have conducted military drills with greater intensity and scale in recent months.

Elections Decided By Citizens": Canada PM Denies Foreign Meddling Claims

Ottawa. Prime Minister Justin Trudeau on Wednesday insisted that Canada's last two elections were indeed "decided by Canadians," as he pushed back against criticism that his government had not done enough to thwart foreign interference.rudeau testified for hours before an independent commission probing allegations China and others sought to meddle in Canada's democratic process -- as well as Ottawa's response."Those elections held in their integrity, (they) were decided by Canadians," Trudeau testified about

the 2019 and 2021 votes, both won by his Liberal Party. Ministers, intelligence officials and senior Trudeau aides also testified at the hearings, which were organized to try to shed light on a political scandal that has shaken Canada for more than a year. The opposition Conservatives have accused Ottawa of turning a blind eye to supposed interference, particularly by China. Beijing has rejected allegations of meddling.An intelligence report submitted to the commission described China's activities as "sophisticated, pervasive, persistent and directed against all levels of government and civil society across the country."Trudeau and several of his ministers who appeared at the inquiry however downplayed the intelligence, saying it was often not conclusive. The prime minister pointed to an example of a foreign diplomat caught boasting to superiors that they had successfully swayed a Canadian election outome, saying: "Bragging is not doing." In another example, he said he was presented with insufficient evidence to overturn the nomination of a candidate accused of being in the pocket of Beijing. During three and a half hours of testimony, Trudeau said countering foreign disinformation in elections "was not on the radar at all" when he came to power in 2015.

3 Sons, 4 Grandchildren Of Top Hamas Leader Ismail Haniyeh Killed In Israeli Airstrike In Gaza

Gaza. The Israel Defense Forces (IDF) have announced the deaths of three sons of Hamas political figure Ismail Haniyeh in an airstrike conducted by the Israeli Air Force. The strike, which occurred on Wednesday, resulted in the loss of Amir Haniyeh, a noted cell commander within the Hamas military wing, and his brothers Mohammad and Hazem Haniyeh, both recognized as military operatives. "IAF aircraft struck Amir Haniyeh, a cell commander in the Hamas military wing, and Mohammad and Hazem Haniyeh, both Hamas military operatives, in central Gaza today. The IDF confirms that the 3 operatives are the sons of Ismail Haniyeh, the chairman of Hamas' political bureau," IDF posted on

its official X handle. As per Al Jazeera, the tragedy extended beyond Ismail Haniyeh's immediate family, claiming the lives of four of his grandchildren during the same strike on the Shati refugee camp. The news has sent shockwaves through the region, particularly as it coincided with the first day of Eid al-Fitr, a time traditionally marked by celebration and family gatherings."Through the blood of the martyrs and the pain of the injured, we create hope, we create the future, we create independence and freedom for our people and our nation," Haniyeh said, adding that around 60 members of his family, including nieces and nephews, have been killed since the start of the war. The Hamas political leader, who is based in the Gulf state of Qatar, decried what he described as Israel's brutality in Gaza and stressed that Palestinian leaders will not back down if their families and homes are targeted, Al Jazeera reported.

There is no doubt that this criminal enemy is driven by the spirit of revenge and the spirit of murder and bloodshed, and it does not observe any standards or laws," Haniyeh said. "We've seen it violate everything on the land of Gaza. There is a war of ethnic cleansing and genocide. There is mass displacement," he added

'No force can separate us', China's Xi Jinping tells Taiwan leader

Beijing. Chinese President Xi Jinping told "External interference cannot stop the former Taiwan President Ma Ying-jeou" historical trend of reunion of the on Wednesday that outside inference could not stop the "family reunion" between the two sides of the Taiwan Strait, and that there are no issues that cannot be discussed. Since the defeated Republic of China government fled to Taiwan in 1949 after losing a civil war to Mao Zedong's communists, no serving Taiwanese leader has visited China.Ma, president from 2008 to 2016, last year became the first former Taiwanese leader to visit China, and is now on his second trip to the country, at a time of simmering military tension across the strait.

Ma had been widely expected to meet Xi this time around, having first met Xi in Singapore in late 2015 for a landmark summit shortly before the current Taiwan president, Tsai Ing-wen, won election. Meeting Ma in Beijing's Great Hall of the People, where foreign leaders normally hold talks with top Chinese officials, Xi said that people on both sides

historical trend of reunion of the country and family," Xi said, in comments reported by Taiwanese media.Xi did not elaborate but in Chinese terminology referring to external interference over Taiwan is generally aimed at the support Taipei gets from Western countries like the United States, especially arms sales which infuriate Beijing.People on both sides of the strait are Chinese, Xi said.

There is no rancour that cannot be resolved, no problem that cannot be discussed, and no force that can separate us."China has never renounced the use of force to bring democratically-governed Taiwan under its control, and has ramped up military and political pressure to assert its sovereignty claims. Ma told Xi that tensions have caused unease for many Taiwanese."If there is a war between the two sides, it will be unbearable for the Chinese people," Ma said, using a term that refers to people who are ethnically Chinese rather than their



nationality." Chinese on both sides of the strait absolutely have enough wisdom to handle all disputes peacefully and avoid heading into conflict."Responding to the meeting, Taiwan's China-policy making Mainland Affairs Council said it deeply regretted that Ma did not publicly convey Taiwan's people's insistence on defending the sovereignty and democratic system of the Republic of China, which remains Taiwan's formal name.Beijing should stop intimidating Taiwan and resolve its differences with Taipei through respectful, rational dialogue, it added.

Xi called Ma "Mr Ma Ying-jeou" rather than former president, given neither the Chinese nor Taiwanese governments formally recognise the other. Ma called Xi by title as head of the Communist Party - general secretary.

Tsai and her government reject China's territorial claims, saying only the island's people can decide their future. China says it will only talk to Tsai if she accepts that both sides of the strait are part of "one China", which she has refused to do.

Xi has only rarely made public remarks about Taiwan in recent months. Speaking to US President Joe Biden in early April, Xi urged Washington to translate "Biden's commitment of not supporting 'Taiwan independence" into concrete actions. has also not commented publicly on Taiwan's January presidential election, won by current Vice President Lai Ching-te, viewed by Beijing as a dangerous separatist and who takes office on May

Upset' over eclipse, astrology influencer stabs partner, throws kids out of car

Los Angeles. A woman who authorities Los Angeles flat Monday then threw her two children from a moving SUV onto the highway, killing her infant daughter, was an astrologer who called the impending solar eclipse "the epitome of spiritual warfare" in an online post days earlier.Los Angeles police believe Danielle Cherakiyah Johnson, 34, posted on X as an astrology influencer and recording artist with the moniker "Ayoka," in the days leading up to the violence, which began hours before the eclipse peaked in Southern California, said Lt. Guy Golan. While detectives have reviewed Johnson's posts, police are not considering the eclipse to be a precipitating or contributing factor to the slayings "because we just don't know why she did what she did," Golan told The Associated Press on Wadnesday "Wa'ya takan all the facts." Wednesday."We've taken all the facts we can, but without being able to interview her and without having something more tangible than a post on X, I don't know how much weight you can give to somebody (saying) there's an apocalypse and attribute it to one of



LA," Golan, who is head of the homicide unit investigating the case, said. Authorities say Johnson and her partner, 29-year-old Jaelen Allen Chaney, had an argument around 3:40 a.m. Monday in their apartment in Woodland Hills, about 25 miles (42 km) northwest of downtown Los Angeles. Johnson stabbed Chaney and fled with her kids, an 8-month-old girl and her 9-year-old sister, in a Porsche Cayenne.Johnson then drove along Interstate 405 in Culver City and threw her daughters out of the moving SUV around 4:30 a.m., police said. The baby was pronounced dead on the road, but the older daughter — who

with moderate injuries. Johnson travelled southwest to Redondo Beach, where a half-hour later she was driving over 100 miles per hour (160 kph) and crashed into a tree. The LAPD is investigating whether the solo crash was an apparent suicide. The Los Angeles Times first reported on Johnson's social media activities in connection with the killings."Get your protection on and your heart in the right place," she posted April 4 to more than 105,000 followers on X. "The world is very obviously changing right now and if you ever needed to pick a side, the time to do right in your life is now. Stay strong you got this."On April 5, she posted in all caps, "Wake up wake up the apocalypse is here. Everyone who has ears listen. Your time to choose what you believe is now."Her social media also included a mix of antisemitic screeds, conspiracy theories about vaccines and warnings about the end of the world alongside astrological predictions and positive affirmations. Also on April 5, she posted the word "LOVE" dozens of

Biden "Considering" Dropping Charges On WikiLeaks Founder Julian Assange

a request by Australia to drop the prosecution of WikiLeaks founder Julian Assange on espionage charges.

Australia's parliament passed a motion in February with the prime minister's support calling for an end to the legal saga surrounding Assange, who has been held in Britain since 2019 while fighting extradition to the United States."We're considering it," Biden replied at the White House when asked by a reporter if he had a response to Australia's request.Biden, who took the question while walking with visiting Japanese Prime Minister Fumio Kishida to a meeting in the Oval Office, did not elaborate. Australian citizen Assange, 52, has been indicted by the US government over his role in the 2010 leaking of a huge trove of classified documents related to the 175 years.In response to Biden's charges.WikiLeaks editor-in-chief comments, Assange's wife Stella said on social platform X: "Do the right thing. Drop the charges."She has previously said Assange's physical and mental health are in decline in jail and that her husband "will die" if sent to the United States. Assange and his supporters say he exposed US military wrongdoing and see his case as a fight for media freedom. Washington says his leaks put lives at risk by publishing documents that included the names of intelligence sources. Assange is currently waiting to learn if he can make a last-ditch appeal against extradition, after a British court last month delayed a decision on his case. It is now expected May 20.In late March, the High Court in London gave the United States three weeks to

Washington. US President Joe Biden said Wednesday he was "considering" wars in Iraq and Afghanistan.If convicted, he faces jail terms of up to treatment if he is sent there to face Kristinn Hrafnsson on Wednesday called for "a political solution" to Assange's plight, as supporters rallied in central London on the eve of the fifth anniversary of his arrest."This is a case that just should never have been started in the first place," Hrafnsson told AFP at the rally. He said Assange's time in the high-security Belmarsh Prison in southeast London was "so excessive and so brutal."Hrafnsson said Canberra should link the case to its landmark AUKUS security pact with Washington and London to secure Assange's release."They should be bold and say we have nothing to discuss unless you drop the charges against Julian Assange so he can walk free and come back to Australia," he

South Korea's **Opposition hands** stinging defeat to **President Yoon's party**

Seoul. South Korea's liberal opposition parties scored a landslide victory in a parliamentary election held on Wednesday, dealing a resounding blow to President Yoon Suk Yeol and his conservative party but likely falling just short of a super majority. The Democratic Party (DP) was projected to take more than 170 of the 300 seats in the new legislature, data by the National Election Commission and network broadcasters showed, with more than 99 per cent of the votes counted as of 5:55 am on Thursday (2055 GMT Wednesday). A splinter liberal party considered allied with the DP was expected to take at least 10 seats, projections showed.

When voters chose me, it was your judgment against the Yoon Suk Yeol administration and you are giving the Democratic Party the duty to take responsibility for the livelihood of the people and create a better society," DP leader Lee Jae-myung said.Lee won a seat in the city of Incheon to the west of the capital, Seoul, against a conservative heavyweight candidate considered a major ally of the president. The bitterly fought race was seen by some analysts as a referendum on Yoon, whose popularity has suffered amid a cost-of-living crisis and a spate of political scandals."Judgment" was the common theme running through comments by opposition victors, many of whom had campaigned heavily focused on what they said was Yoon's mismanagement of the economy and his refusal to acknowledge his wife acted improperly when she accepted a Dior bag as a gift. First lady Kim Keon Hee has not been seen in public since Dec. 15 and was absent when Yoon voted, reflecting the view by analysts and opposition party members that she had become a serious political liability for the president and his PPP. His People Power Party (PPP) was projected to win just over 100 seats, meaning Yoon would avoid the super-majority of a two-third opposition control that could break presidential vetoes and pass constitutional amendments. But nearing the end of the first two years of his five-year single term allowed by the constitution, Yoon was likely to slip into a lame duck status, some analysts said. The National Election Commission (NEC) was expected to announce the official results later

on Thursday. Nearly 29.7 million people, or 67% of eligible voters, cast their ballots, according to the NEC.It marked the highest ever turnout for a parliamentary election, though the numbers were down from the 2022 presidential vote that narrowly brought Yoon to

'Should have their head examined': Trump's dig on Jewish voters who back Biden

Atlanta. Donald Trump on Wednesday lashed out at Jewish voters who backed President Joe Biden and framed this year's election as a referendum on the strength of Christianity in the US, part of his sharp-edged continuing appeal to evangelical conservatives who are a critical element of his political base.Speaking in Atlanta ahead of a fundraiser, the presumptive Republican nominee renewed his running criticism of Biden's reaction to the Israel-Hamas war and the administration's support for the rights of LGBTQ Americans, including transgender persons."Biden has totally lost control of the Israel situation," said Trump, whose rise in 2016 depended heavily on white Christian conservatives. "Any Jewish person who votes for a Democrat or votes for Biden should have their head examined.'

Trump spoke after Biden last week warned Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu that future US support for Israel's Gaza war depends on the swift implementation of new steps to protect civilians and aid workers.In Trump's interpretation, Biden "has totally

abandoned Israel."The Gaza conflict has sandwiched Biden between conservatives - both Christian and Jewish – who want stalwart support for Netanyahu's government, and progressives. The matter is important to conservative Christians, among Trump's most supportive constituencies, who see the political state of Israel as the modern manifestation of God's chosen people, the Israelites of the Old Testament in the Christian Bible.Biden's left flank, though, is dominated by progressives incensed by Israel's retaliation in Gaza that has resulted in thousands of Palestinian deaths. The president has repeatedly been greeted by protesters throughout his spring travels, and activists have organised votes against Biden in many Democratic primaries, even as he coasts to renomination. The president's campaign pushed back on Wednesday. "Jewish Americans do not need to be 'spoken to' or threatened by Donald Trump," said Biden spokesman James Singer. "This is what Trump does, using division and hate as political weapons while seeking power for



himself. Voters of all stripes will reject his chaos, violence and unhinged threats once again in November."In Georgia, Trump stoked his Christian base anew by putting the Election Day stakes in religious terms. November 5th is the most important day in the history our country, and it's going to be Christian Visibility Day," Trump said, repeating for emphasis: "Christian Visibility Day."Christians, he predicted "are going to come out, and they're going to vote like never before."The former president was nodding to conservative Christian anger over the International

Transgender Day of Visibility, a worldwide celebration of transgender persons and acknowledgement of their struggles, and Biden's recognition of the occasion.

The observance traces its origins to 2009 but it has grown in prominence, and this year coincided with Easter Sunday, the holiest day of the Christian calendar. When Biden, a Catholic, issued a March 29 proclamation declaring the same Sunday to be the official Transgender Day of Visibility in the United States,

conservatives reacted with a social media firestorm, with some commenters even suggesting Biden and his aides deliberately set the date to insult Christians. "Today, we send a message to all transgender Americans: You are loved. You are heard. You are understood. You belong," Biden said in the proclamation. "You are America, and my entire administration and I have your back."ost of the president's critics ignored the fact that he separately issued a statement on Easter itself, specifically reflecting his own faith.

NEWS BOX

Barcelona return leg will be a 'final' for PSG: Manager Luis Enrique after 3-2 loss

NEW DELHI. PSG boss Luis Enrique has said that his side will head to Barcelona for the second leg of the UEFA Champions League quarterfinal thinking it is a final after their 3-2 loss to FC Barcelona on April 10, Wednesday. PSG lost the match 3-2 in the end thanks to a header from Andreas Christensen at the Parc des Princes. Barca had taken a lead through Raphinha in the first half before PSG turned things around. Goals from Ousmane Dembele and Vitinha had put PSG in control before Raphinha and Christensen won the game for Barca. Speaking at the press conference, as quoted by Reuters, Enrique said that he felt his side played a good game and will go into the second leg with a lot of desire. The PSG boss also said that he has a lot of confidence in his side to turn the result around."It is clear that all defeats hurt and annoy, but I believe we played a good game against a very strong team," Luis Enrique told a press conference."We are only going to change the things that didn't work, we always have to appreciate what a match of this magnitude means.'

"We're going to Barcelona with a lot of



desire. It's a positive point of view to think that we can win there. It's going to be a final for us. I'm confident in my team."

We will go to Barcelona to win the game: EnriqueEnrique said that his side will be heading to Barcelona thinking they have to fight a war and will look to win the game. He feels that PSG should have won the match on Wednesday.

'We are going to go to Barcelona to fight a war," he said."I never see the opposition as favourites, whoever they are. In top-level competition, that's how I see it. And I will continue to believe that we will go to Barcelona to win the game."I repeat. We could have won this game. (Football) is about small details and let's hope that the

Roger Federer told me Indian food is in his top 5 favourites: Neeraj Chopra

NEW DELHI. Neeraj Chopra revealed the talk ne nad with Roger Federer when the two men earlier in the year and said that the tennis legend is a big fan of Indian food. Neeraj and Federer had met in January of this year in Zurich, Switzerland in what was a fine moment for sports fans. The Indian Javelin star was in awe of meeting the tennis great at that time and has now revealed the interaction both men had. Speaking at a virtual media briefing conducted by JSW Sports on April 11, Thursday, Neeraj said that he felt positive vibes from Federer and asked him about how he was able to be at the top of tennis for a very long time.Neeraj revealed that he and Federer shared the same thought process when it comes to how much they should be playing and training and how to maintain the perfect balance. Yes, I met him in January this year. It felt good meeting him. It's great to meet a top level player from any sport. So it felt good. First of all, as a person, I felt positive vibes from him. Secondly, our chat. I only had one question in mind. I wanted to ask him about his lengthy career and how he was able to stay on top of the sport for a long time. I wanted to ask how



he was able to maintain that.""I knew it was a completely different sport, but I wanted to ask him about his thought process. His thought process regarding playing time was the same. Like balancing what all events we should participate in. We can't play a lot as it means we will have to travel more and our training would be less. This could lead to high chances of injury," said Neeraj. 'Indian food is in my top 5'

Neeraj also revealed that Federer likes Indian food a lot and the cuisine is in his top 5. The Indian star revealed he felt great talking to Federer."So these are things that I also think about. So that was it. The rest were normal talks. I asked if he had visited India and if he liked Indian food. So he told me, 'Indian food

is in my top 5.' So it felt good," said Neeraj. Neeraj will next be in action in the Doha Leg of the Diamond League as he gets ready for the upcoming Olympics in Paris.

Double delight: Neeraj Chopra dreams of sharing Paris Olympics podium with Kishore Jena

NEW DELHI. Neeraj Chopra was brimming with confidence and as relaxed as ever when he spoke to the media from Turkey on Thursday. Having shifted base to Antalya in the last leg of his off-season preparation for the Olympics year, the javelin star is hopeful of another record-breaking season. His dreams are not just limited to defending the Olympic Gold in Paris, but also seeing more than one Indian on the podium at the Games. Like always, Neeraj spoke highly of his compatriots and said he is hopeful that Kishore Jena can also make the country proud at the biggest sporting spectacle, starting July 26. While Neeraj Chopra kickstarted the javelin revolution in the country, the likes of Kishore Jena and DP Manu have worked hard to earn themselves a place at the top level. Kishore, 29, won a silver medal at the Asian Games last year and finished 5th in the World Athletics Championships in Budapest, sparking hopes of more glory in the Olympic year."This might be a big dream-come-true moment for India. From our country, at the Olympics, two people standing on the podium, it will be a huge moment. If there are more than two, then it's even better. At the Asian Games, it happened. If it happens in the Olympics, it will be a huge moment of joy. It will bring a different level of satisfaction for all of us, all

organised by JSW Sports on Thursday."Let's see. We have a lot of time for it. I am also sure that Kishore Jena is working hard. He will throw well. He will do well," he added.Both Neeraj Chopra and Kishore Jena will begin their 2024 seasons at the Doha Diamond League in May and Neeraj is hopeful that his compatriot will continue to improve after a breakthrough season in 2023."Last year, he had tremendous progress. First in the world championships and then at

before the Olympic gold medalist took the pole position with the winning throw in his 4th attempt.

surprised if Kishore gets there before him.

"I have been stuck between 88m and 90m from 2018. Who knows you guys keep asking me

the Asian Games. He has

improved a lot in terms of his distance."Kishore threw 87.54 in the Asian Games to win the silver medal even as Neeraj Chopra defended in Gold medal in Hangzhou with a best effort of 88.88m. In fact, Kishore was leading Neeraj midway through the closely-fought final last year

'HAPPY IF KISHORE GETS 90M FIRST' Neeraj joked about his wait for the magical 90m throw and said he would not be



the 90m question, who knows Kishore achieves the landmark before me. It would be great. Yes, we have come a long way in javelin, but that 90m mark has to be achieved," Neeraj said."Yes, it has felt great competing with Kishore Jena. We will the meet again in Doha. For the first time, there will be two Indians in the Doha Diamond League. It will be fun. (Murali) Sreeshankar will also be there. See, if many Indian athletes are competing and winning in Diamond Leagues, then we can think about the Olympics also," he added.

90M BEFORE THE PARIS GAMES?

Consistency has been Neeraj Chopra's biggest strength. Despite missing out on the 90m mark, the Tokyo Olympics champion has always found ways to better the competition with his ability to assess the conditions and deliver his best.

Neeraj might put an end to all the questions over the wait for the 90m throw. Yes, the Diamond Trophy winner seems to be quite confident about getting the big throw out even before he heads to Paris for this title defence."I will try and go for it before the Games. If something like that has to happen, hopefully it happens before the Olympics. 90m mark. Everything is going well. I hope we don't have to wait till the Olympics. If it has to happen,

hopefully, it happens before the Olympics,

IT'S ABORING ROUTINE'

Neeraj has been working hard in the off-season to make sure he is geared up for the upcoming competitions, which include a couple of Diamond League meetings and the

Paavo Nurmi Games before the showdown in Paris.Neeraj has been specifically working on strength and conditioning in Antalya after having begun his preparations in Potchefstroom, South Africa. The softspoken javelin star joked about the boring routines while training overseas, stressing it's not as rosy as it seems from the outside.

Rohit Sharma unleashes beast mode in MI nets ahead of vital clash vs RCB

IPL 2024: MI batter Rohit Sharma was seen hitting a sublime lofted straight-drive in the nets, ahead of his side's highly important clash against RCB on April 11. Rohit will be in focus for the high-value clash, which will also see him face off against another iconic India <u>batter- Virat Kohli.</u>

Mumbai Rohit Sharma was seen showcasing his usual big-hitting prowess with a brilliant lofted straight-drive in the MI nets, ahead of his side's high-value fixture against RCB in the Indian Premier League (2024), on April 11. The batter was seen practising his usual aggressive batting in preparation for the clash against the Faf du Plessis-led side, which will see both teams try to clinch some much-needed points after their dismal start in IPL 2024. The fixture will have major focus on Rohit as he faces off against another iconic India batter and his teammate, Virat Kohli, who has been in



terrific form this season.MI shared a video on their social media handle showing Rohit hitting a sublime shot down the ground, impressing even himself. The post has only amplified the excitement amongst the massive MI fanbase for a big innings from their former captain at the Wankhede Stadium. There has been a lot of speculation around Rohit's involvement in the team, ever since Hardik Pandya took over the captaincy of MI ahead of IPL 2024.MI have

had a dismal start to their IPL 2024 campaign, which has seen them lose 3 of their 4 matches so far. Their solitary win came in their previous clash against an equally struggling DC on April 7. Along with the team, Rohit has also put in regulation performance with the bat, which has seen him score only 118 runs across the four matches, with his best score being a 27-ball 49 against DC.

On the other hand, RCB have been equally dismal in IPL 2024, which has also seen them win only 1 out of their 4 matches. This only amps up the excitement and speculation around the high-value fixture, as both sides will be looking to turn their fortunes with a win on Thursday. With MI coming into this clash on top of a win, it will hand the home side a big boost in confidence as compared to their opponents who lost their previous match to RR.

Sunil Gavaskar lauds Shubman Gill's 'terrific innings' following GT's win vs RR

New Delhi. Legendary India batter Sunil Gavaskar lauded GT captain Shubman Gill for his knock against RR at the Sawai Mansingh Stadium in Jaipur, calling it a terrific innings. Gill scored a half-century to guide his side to a 3-wicket win against Rajasthan. With this win. GT moved up to the sixth spot in the IPL 2024 points table, having won three of their opening six matches this season. Meanwhile, they handed RR their first loss of IPL 2024. However, the Jaipur-based franchise still holds the top spot in the points table. Speaking to Star Sports, Gavaskar said he was very impressed by Gill's performance against RR. Gill scored 72 runs off 44 balls, smashing six boundaries and two sixes. His knock helped



Couldn't offer RR my best version: Zampa reveals reason for pulling out of IPL 2024

NEW DELHI. Australia spinner Adam World Cup year and I'm completely drained Zampa added. Zampa has revealed the reason for opting out of the 2024 season of the Indian Premier

League, saying he couldn't give his best version to RR. Zampa pulled out of IPL 2024 citing personal reasons and was replaced by bowling all-rounder Tanush Kotian. The Jaipurbased franchise started their season in incredible fashion, winning their first four matches before succumbing to a 3-wicket loss against GT in a last-ball thriller at the Sawai Mansingh Stadium on Thursday, April 10. Speaking to the Willow Talk podcast, Zampa said he was completely drained after Australia's win in the 2023 ODI World Cup, adding that he could not offer the best version of himself to RR. Zampa was

retained by Rajasthan Royals ahead of IPL 2024 mini-auction held in Dubai on a contract worth Rs 1.50 crore. Last season, Zampa made six appearances and picked up eight wickets."There are several reasons why the IPL wasn't for me this year. I think the most important one was the fact that it's a

from 2023. I did the full IPL last year. He went on to say that it wasn't an easy Obviously, the World Cup was three months



in India as well," said Zampa. "So I had the best intentions of trying to play the IPL again this year. But once push came to shove, I felt like I just couldn't really offer the Rajasthan Royals the best version of myself and looking forward to the World Čup, that's what's more important to me, that's for sure,"

decision for him to pull out of IPL 2024,

insisting that he needed to put his mind and body first. Prior to his move to RR, Zampa had spells with RCB and Rising Pune Supergiant in the IPL, picking 29 wickets in 20 matches."It came down to my decision being I probably need to put my body and my mental health first. Then you throw a lot of other things into the equation as well, like the fact that I've got a young family. It's not easy to spend nine weeks in India in my situation where I'm fighting for my spot in the team as well," said Zampa. "It's not an easy decision because you've always got that voice in the back of your mind

going, 'pulling out of the IPL, what are people going to say? What happens the next time you want to go to the IPL? Do people kind of paint you with that brush?'. But I wasn't too fussed about it once I made that decision, I knew it was the right one,' Zampa added.

him cross the 3000-run mark in the IPL becoming the 24th player and the 16th Indian to achieve the feat. Gill has now scored 3,045 runs in 97 matches in the IPL, while averaging 38.45 and striking at 135.59. Gill has also scored 20 half-centuries and three hundreds in the competition."I am very impressed with Shubman Gill because, again, he was not getting the kind of support that he would have wanted at the other end. You want somebody to be there to build a partnership. At the start of the innings, if you have a bit of a partnership, it eases quite a bit of your problems," said Gavaskar. He went on to say that Gill played a terrific knock, insisting that the GT captain knew that he had to stick around till the end. Gill, who finished as the leading run-scorer last season, has amassed 255 runs in six matches in IPL 2024 and is the third-highest scorer behind Riyan Parag (261 runs) and Virat Kohli (316 runs).

"He hasn't quite had that. That's why, having learned from the previous game, where he was trying to move around and lost his wicket, and then they weren't able to chase even 160, I think he knew that he had to stick around as much as possible, and that's what he did, till Chahal got him out with a very clever delivery. Anticipating that he was going to come down to the crease, he pulled it a little bit wide. But what a terrific innings from a young Shubman Gill," Gavaskar added.Following their win over RR, GT will turn their attention towards DC, with the two sides set to clash at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad on

Virat Kohli breaks silence on Gautam Gambhir hug: People disappointed as 'Masala' over

₩ Virat Kohli has broken his silence on the hug he shared with Gautam Gambhir during the RCB vs KKR clash and joked that people are disappointed with his behaviour. Kohli and Gambhir buried the hatchet during the game.

NEW DELHI. Virat Kohli has broken his silence over the hug he shared with KKR mentor Gautam Gambhir during the IPL 2024 clash at Chinnaswamy and said that the

people are disappointed as the masala' is over for them. The KKR vs RCB clash was one of the most anticipated clashes on the IPL calendar this year as it would have pitted Gambhir against Kohli once again. Both men have had tensions boil over at the same venue in the IPL before and last year both men had a spat in Lucknow after the RCB vs LSG clash. However, Kohli and Gambhir would bury the hatchet during the RCB vs KKR clash and shared a hug, which won the hearts of fans. The RCB star has now commented on the matter during a PUMA event and said that people are disappointed with his behaviour after seeing him bury the hatchet with Naveen-ul-

Haq and Gambhir "People are disappointed with my behaviour. I hugged Naveen and Gauti bhai also hugged



me that day. So they have lost their masala," said Kohli.Kohli had ended his feud with Afghanistan pacer Naveen during the World Cup match in Delhi and the bowler said that it was Kohli who had initiated the talk to bury

the hatchet."He told me 'let's finish it.' I said yeah let's finish it. We laughed about it, we hugged and moved on. He also said that after this you won't hear my name. You will only hear support from the crowd," said Naveen.

How well has Kohli performed in

While RCB has struggled for form this season, Kohli has waged a lone battle for his side in the IPL 2024 season. The star batter has scored 316 runs this season, which makes him the current holder of the Orange Cap. During the match against KKR, when

Kohli shared the hug with Gambhir, he scored 83 runs and remained unbeaten. However, KKR would make light work of the chase.

Sonu Gowda Shares Glimpses Of Her Enviable Saree Collection On Ugadi



igg Boss OTT Kannada contestant Sonu Gowda often makes headlines with her photos and videos on social media. She is an influencer and actress who rose to fame through her lip-sync videos on Instagram and TikTok. Her follower count skyrocketed after she became a finalist in Bigg Boss OTT Kannada 2022. Sonu Gowda wore a variety of sarees for the Ugadi festival. In the first outfit, Sonu dazzled in a bright yellow saree embellished with delicate pink borders and elegant gold zari work that gracefully accentuated her silhouette. To match the saree, she wore a pink blouse with intricate patterns. The jewellery she chose, a statement necklace with matching earrings and bangles, added a touch of royal charm to her look.

Sonu Gowda's second look featured a green saree with rich orange borders. The saree was embellished with gold motifs that exuded an aura of traditional elegance. Her blouse featured intricate embroidery that befitted the festive occasion.

For her final look, Sonu Gowda chose a bright pink saree that shimmered softly in golden tones. This dress was a symphony of colour and texture, highlighted by the gold zari work that shimmered subtly with every movement. Her blouse was simple yet sophisticated, allowing the saree to take centre stage. She kept her hair, which has been styled into soft curls, open. Sonu Gowda's jewellery reflected the warmth of her saree, she was a picture of grace and sophistication.Sonu Gowda primarily works in Kannada-language films. She made her debut in Inthi Ninna Preethiya and has acted in films like Paramesha Panwala and Gulama. She has also acted in Tamil and a few Malayalam films, in which she is seen as Shruthi Ramakrishnan. Sonu was born to Ramakrishna, a make-up artist who has worked in the Kannada film industry. She has a sister, Neha Gowda, who is known as a television actress for her roles in the Telugu television serial Swathi Chinukulu, the Kannada soap opera Lakshmi Baramma and Kalyana Parisu. Sonu attended Carmel High School in Padmanabhanagar, Bangalore.

Actress Meenakshi Chaudhary's T-shirt With Blazer Look Cool For The Summer



eenakshi Chaudhary is one of the renowned faces of Telugu and Tamil films. Alongside her on-screen talent, Chaudhary is also quite popular for her active social media presence. She always makes heads turn with her outstanding fashion choices and her Instagram handle is the proof.Recently, the actress shared a couple of casual photographs of herself, which have taken the internet by storm. In the pictures, Meenakshi donned a basic white t-shirt, which she teamed with a black blazer and faded black denim. She chose minimal makeup, including kohl-rimmed eyes and nude lips. She left her hair open in soft curls as she completed her look. Take a look at the pictures:

pictures: The pictures went viral in no time. Fans showered their compliments in the comments section. One of the users wrote, "You are insanely gorgeous, Meenakshi." Another one wrote, "What a majestic and captivating capture." Many also dropped red heart emoticons. Five days ago, Meenakshi dropped a couple of pictures where she slayed in a white crop top and denim. She rounded off her look with a printed scarf around her neck. She chose no makeup, left her hair open and wore a pair of silver hoops, which added glam to her basic outfit.Meenakshi Chaudhary recently graced the screen in the Tamil coming-of-age film Singapore Saloon. Directed by Gokul, the movie features an ensemble cast including RJ Balaji, Sathyaraj, Lal, and others, further solidifying Chaudhary's standing in the industry. The actress will soon be seen in the upcoming film The Greatest of All Time. It is an upcoming Tamil science fiction action film directed by Venkat Prabhu and produced by AGS Entertainment. The film features Vijay in dual roles, along with Prashanth, Prabhu Deva and Meenakshi Chaudhary playing other pivotal roles.



Flaunts Her Curves In Grey Metallic Saree, Hot Video Goes Viral

akshi Malik has left all her fans in awe with her bold video. She constantly shares hot photos on social media which immediately go viral. Today, also Sakshi shared another video in which she is seen flaunting her sexy side in a grey metallic saree.n the video, we can see her flaunting her curves as she walks wearing saree. She has opted for minimalistic makeup and left her hair open. She has dropped a grey heart as a caption. Fans dropped heart emojis. Some even called her gorgeous in the comment section.

In March 2021, Sakshi Malik filed a defamation suit against the makers of the movie V, starring Nani and Sudheer Babu, accusing the makers of using her pictures without permission. Sakshi sought the deletion of the scene where a portfolio picture of hers was used without her permission. The Bombay High Court has ordered that the film be



restrained until the scene in question is deleted, following which Amazon Prime Video removed the film from their platform. The thriller released on September 5, 2020 and has been removed from the OTT platform following the court's order. The court had asked the makers of the film, Venkateshwara Creations Private Limited to take down the film in all versions, irrespective of language and sub-titles until the said deletion, reported Livelaw.

Sakshi accused Venkateshwara Creations of using the picture in the movie to depict a commercial sex worker. Her counsel, Alankar Kirpekar and Saveena T Bedi, argued that the actions by the filmmakers resulted in an unauthorised invasion of privacy. The judge said, "The fact that the image has been illicitly used is bad enough. It only makes matters worse when used in a plainly derogatory and demeaning vein." V, which featured Nani, Sudheer Babu, Aditi Rao Hydari, and Nivetha Thomas in the lead roles, was released on Amazon Prime Video on September 5, 2020. The project later had a theatrical release on January 1, 2021.

Raveena Tandon

Seeks Blessings At Trimbakeshwar Shiva Temple With Daughter Rasha Thadani

esides being a star, Raveena Tandon is a family-oriented person and her social media handle is proof. Despite her busy schedule, she prioritises spending quality time with her family, especially her daughter Rasha Thadani. Not only this, she also keeps her fans engaged with glimpses of her personal and professional life. Raveena Tandon's most recent Instagram post features her at Grishneshwar Jyotirlinga temple and Trimbakeshwar temple in Maharashtra. Raveena Tandon was accompanied by her daughter Rasha.In a series of pictures, Raveena Tandon is seen posing at the temple with her daughter Rasha after seeking blessings. Accompanied by the caption "Om Namoh Shivaye!", the photos showcase Raveena and Rasha exuding mother-daughter goals with their million-dollar smiles. Raveena was

dressed in a simple white and green printed kurta set, and Rasha donned an all-green traditional suit for their sacred temple visit. One snapshot captures Raveena taking a selfie.

Just a few days before, Raveena Tandon treated her followers to insider snapshots from Taylor Swift's concert in Singapore. The post featured the mother-daughter duo embracing each other and thoroughly enjoying Swift's performance on Love Story. Additional clips provided a glimpse into their joyful moments amidst the electrifying atmosphere of the concert. Raveena Tandon captioned the pictures with "Just mom-daughter things" along with a heart emoji.

On the professional front, Raveena Tandon was last seen in the courtroom drama Patna Shuklla. In the film, she portrays the character of Tanvi Shukla, a determined lawyer on a

mission to expose a significant scandal within the education system. Produced by Arbaaz Khan, the movie premiered on Disney+ Hotstar and was directed by Vivek Budakoti.Next, Raveena Tandon has Welcome To The Jungle in her kitty. The third instalment of the Welcome franchise, directed by Anees Bazmee, will feature Akshay Kumar in the lead role. Speaking about her role in the film, the actress told News18 Showsha, "I think it's a big party that's happening there! We are having a blast. Shooting that was so much fun!"



